THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 148 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण पूर्णिमा 2083 शुक्रवार, 28 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❋ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कश्मीर पर विवादित बयान वाला वीडियो वायरल, एफसीआई ने शुरू की जांच

जम्मू, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने उस वीडियो की जांच के आदेश दिए हैं जिसे लेकर आरोप है कि निगम की एक महिला कर्मचारी ने भारत के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की है। निगम ने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो के संबंध में वह कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस जारी करेगा। कहा जा रहा है कि यह वीडियो जम्मू-कश्मीर का है। वीडियो में महिला को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि कश्मीर पर भारत का कब्जा अन्यायपूर्ण है और यह अन्यायपूर्ण ही रहेगा।

नेपाल बाढ़ में अबतक 359 शव बरामद

विदेश मंत्रालय ने कहा-हम अधिकारियों से संपर्क में हैं

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में बाढ़ से भारी तबाही के बाद भारत लगातार इस पर नजर बनाए हुए है। दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ताजा हालात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री ने कल नेपाल के प्रधानमंत्री से बात की, गहरी संवेदना व्यक्त की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत, नेपाल के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है और हर संभव मदद का प्रस्ताव भी दिया। एमईए प्रवक्ता ने कहा कि नेपाल बाढ़ के बाद राहत और बचाव के काम जारी हैं। कुछ लोगों को रेस्क्यू किया गया है। हालांकि, अभी भी 288 भारतीय नागरिकों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। वहीं भारत ने नेपाल को 47.5 टन राहत सामग्री भेजी।

'त्रिशूली वन पावर प्रोजेक्ट के 73 लोग लापता'

एमईए प्रवक्ता ने कहा कि लापता लोगों में 73 भारतीय नागरिक शामिल हैं जो त्रिशूली वन पावर प्रोजेक्ट में काम कर रहे हैं। काठमांडू में हमारा दूतावास इन लोगों के बारे में और जानकारी पाने के लिए प्रोजेक्ट हेड के संपर्क में है। नेपाल में बाढ़ की स्थिति के लिए विदेश मंत्रालय में एक विशेष कंट्रोल रूम बनाया गया है। बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित नेपाल में कई लोगों के फंसे होने पर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पहला ग्रुप 73 लोगों का है जो त्रिशूली-1 पावर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इसके बाद, तमिलनाडु के नागरिकों के दो अलग-अलग ग्रुप हैं - एक में 37 और दूसरे में 49 लोग हैं - जिन्होंने सम्राट और फ्लाई एवरेस्ट ट्रैवल्स के जरिए कैलाश मानसरोवर यात्रा की थी।

पांच मुख्य ग्रुप के कुल 288 लोग लापता : एमईए

रणधीर जायसवाल ने बताया कि पश्चिम बंगाल के 32 भारतीय नागरिकों का एक ग्रुप है जो सम्राट ट्रैवल्स की मदद से रसुवा जिले के तिमुरे गए थे।

फिर, अलग-अलग राज्यों के 61 भारतीय नागरिकों का एक ग्रुप है और उसके बाद केरल के 33 भारतीय नागरिकों का एक ग्रुप है। ये पांच मुख्य ग्रुप हैं, जिनमें कुल मिलाकर 288 लोग शामिल हैं, जिनके बारे में हम बात कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बाढ़ से प्रभावित नेपाल को भेजी गई मदद को लेकर जानकारी दी है। रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने जो सहायता प्रदान की है, मानवीय सहायता के साथ दो विमान काठमांडू भेजे गए हैं।

लेनदारों के 22000 करोड़ रुपये के बदले केवल 6.5 करोड़ चुकाएंगे सुभाष चंद्रा

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जी समूह के संस्थापक सुभाष चंद्रा के दिवालियापन मामले में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) का चौंकाने वाला आदेश आया है। इस मामले में लेनदारों ने 22,006.57 करोड़ रुपये का दावा किया था, हालांकि अब स्वीकृत पुनर्भुगतान योजना के तहत चंद्रा को केवल 6.5 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। यह रिकवरी कुल दावे का सिर्फ 0.03% है।

यानी लेनदारों को करीब 99.97% का 'हेयरकट' सहना पड़ रहा है। बैंकिंग की भाषा में 'हेयरकट' का मतलब उस रकम से है, जिसे लेनदार डूबते कर्ज की वसूली के लिए छोड़ने पर मजबूर होता है और उपलब्ध अधिकतम रकम को स्वीकार करता है। 25 अगस्त का यह आदेश व्यक्तिगत दिवालियापन ढांचे पर और इस बात पर सवाल उठाता है कि लेनदारों को लगभग नगण्य रिकवरी स्वीकार करने के लिए किस हद तक मजबूर किया जा सकता है। 22,006.57 करोड़ रुपये के स्वीकृत दावों के मुकाबले, सुभाष चंद्रा की स्वीकृत पुनर्भुगतान योजना में लेनदारों के लिए सिर्फ 6.5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यानी 22,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम की भरपाई नहीं हो पाएगी।

कानपुर में ट्रेनी विमान क्रैश दोनों पायलट की मौत

कानपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। कानपुर के कटरी क्षेत्र में गुरुवार दोपहर नत्थूपुरवा गांव के पास एक ट्रेनिंग विमान (ट्रेनी एयरक्राफ्ट) अचानक अनियंत्रित होकर खेतों में जा गिरा। इस भीषण दुर्घटना में विमान में सवार दोनों ट्रेनी पायलट की दर्दनाक मौत हो गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्विन इंजन का यह ट्रेनिंग विमान अचानक तेज आवाज के साथ खेतों में आ गिरा।

कोलकाता हाईकोर्ट बोला टीएमसी का ममता गुट बैंक-अकाउंट इस्तेमाल न करे

कोलकाता, 27 अगस्त (एजेंसियां)। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी गुट को पार्टी के चार बैंक खाते चलाने की अंतरिम अनुमति देने से इनकार कर दिया है। इन खातों में करीब 804 करोड़ जमा हैं और पुलिस ने इनसे निकासी पर रोक लगा रखी है। कोलकाता हाई कोर्ट ने गुरुवार को इसी मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि ऐसी राहत देने से उसके पहले के आदेश का असर खत्म हो जाएगा।

उस आदेश में राजनीतिक दल के रोजमर्रा के खर्च पूरे करने की अनुमति दी गई थी। मामले की अगली सुनवाई दुर्गा पूजा की छुट्टियों के बाद होगी। कोर्ट ने इससे पहले दोनों पक्षों को अपना-अपना पक्ष बताते हुए हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया। कोलकाता हाईकोर्ट के जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने कहा कि चार खातों को चलाने की आगे अनुमति देने का आदेश उनके पहले के आदेश को गलत साबित कर देगा।

2030 तक 20 लाख करोड़ का हो जाएगा ईवी मार्केट

मिल सकती हैं 5 करोड़ नौकरियां, गडकरी ने किया दावा

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि भारत का इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मार्केट साल 2030 तक 20 लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा और इसमें पांच करोड़ नौकरियां पैदा करने की क्षमता है। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य लॉजिस्टिक्स लागत को घटाकर 87 तक लाना है क्योंकि इसके बिना ग्लोबल मार्केट में मुकाबला करना मुश्किल होगा। गडकरी ने सीआईआई-आईटीसी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट के एक कार्यक्रम में कहा कि अभी भारत में 57 लाख इलेक्ट्रिक वाहन रजिस्टर्ड हैं, जिनकी मार्केट में हिस्सेदारी 7 प्रतिशत है।

भारत का ईवी मार्केट 2030 तक 20 लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा। इससे 2030 तक पांच करोड़ नौकरियां भी पैदा होंगी। गडकरी ने कहा कि भारत में हर साल एक लाख इलेक्ट्रिक बसों की मांग है, लेकिन हम सालाना सिर्फ 50,000-60,000 ईवी बसें ही बना पाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अगले पांच सालों में भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग को दुनिया में नंबर वन बनाना है। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग का भविष्य बहुत अच्छा है क्योंकि देश के पास कुशल कार्यबल है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने बताया कि भारत की दो सबसे बड़ी टू-व्हीलर बनाने वाली कंपनियां, बजाज ऑटो और हीरो मोटोकॉर्प, अपने कुल उत्पादन का 50 प्रतिशत से ज्यादा निर्यात करती हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा, 'अगले पांच साल में हमारा लक्ष्य भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग को दुनिया में नंबर 1 बनाना है। यह मुश्किल है, लेकिन असंभव नहीं।' गडकरी ने बताया कि भारत में बनने वाली गाड़ियों की क्वालिटी अच्छी है और लागत कम है, इसलिए सभी बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियां देश में मौजूद हैं।

सीमा पर लोहे की दीवार बनकर खड़े टी-72 और टी-90 टैंक जमीनी युद्ध में जरूरी हैं : राजनाथ

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा राजनाथ सिंह ने गुरुवार को जबलपुर में टैंकों के नवीनीकरण की परियोजना के शिलान्यास पर कहा कि हमारी भारतीय सेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेनाओं में से एक है। ऐसे में हमारी जरूरतें भी बहुत ज्यादा होती हैं। जमीनी युद्ध में, टी-72 और टी-90 संस्करण के टैंक हमारे लिए बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा, 'ये टैंक हमारी सीमाओं पर लोहे की दीवार बनकर खड़े हैं।

आज दुनिया भारत को देखने का नजरिया बदल रही है और इसके पीछे आत्मनिर्भर भारत के लिए हमारे प्रयास जिम्मेदार हैं। भारत का रक्षा क्षेत्र अब आत्मनिर्भर होने की ओर बढ़ चुका है। रक्षा मंत्री ने बताया कि टैंक की भूमिका समाप्त नहीं हुई है। टैंक की भूमिका विकसित हो रही है। यानी तकनीक बदल रही है, युद्ध का स्वरूप बदल रहा है, लेकिन जमीनी लड़ाई में टैंकों की आवश्यकता समाप्त नहीं हुई है और यही बात हमारी रक्षा नीति को भी दिशा दे रही है। रक्षा मंत्री ने कहा, 'भारत का रक्षा क्षेत्र, अब पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर होने की ओर बढ़ रहा है। पिछले 10 वर्षों में हमने जो मेहनत की है, उसका परिणाम आज हमें मिल रहा है। 2014 में हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन, मात्र 46,000 करोड़ रुपये था, यानि हम लोग भारत में सिर्फ 46,000 करोड़ रुपए के हथियार और साजो-सामान बना पाते थे। लेकिन आज वही बढ़कर रिकॉर्ड 1 लाख 77 हजार करोड़ रुपए से भी अधिक हो चुका है। इसके अलावा 2014 के समय भारत का रक्षा निर्यात बहुत कम हुआ करता था। हम 1,000 करोड़ रुपए से कम के हथियार और साजो-सामान, दुनिया को बेच पाते थे, लेकिन आज वही बढ़कर रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। दुनिया भारत को एक विनिर्माण शक्ति, प्रौद्योगिकी साझेदार और विश्वसनीय रक्षा साझेदार के रूप में देख रही है।'

राजनाथ सिंह ने कहा, आज जिस परियोजना का भूमि पूजन हुआ है, उसके तहत, यहां जबलपुर में हर साल 80 टैंकों के नवीनीकरण की अतिरिक्त क्षमता स्थापित की जाएगी। जब यह परियोजना पूरी हो जाएगी, तो भारी वाहन कारखाना अवाडी की 150 टैंकों की क्षमता और वाहन कारखाना जबलपुर की 80 टैंकों की क्षमता मिलकर, हर साल 230 टैंकों का नवीनीकरण कर सकेंगी।

'पितृसत्ता खत्म करनी है तो वंदे मातरम पूरा गाइए'

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। राहुल गांधी के 'स्मैश द पैट्रियार्की' यानी पितृसत्ता को खत्म करने वाले बयान पर बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने निशाना साधा है। बांसुरी स्वराज ने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कहा कि अगर वह सच में पितृसत्ता खत्म करना चाहते हैं तो पूरा वंदे मातरम गाकर दिखाएं। उन्होंने कहा कि उन्हें क्रिसमस कैरल गाने में भी कोई दिक्कत नहीं, पूरा वंदे मातरम गाने में भी वह सहज हैं और वह शिव तांडव का पाठ भी कर सकती हैं। बांसुरी ने आगे कहा कि राहुल गांधी को भी 'वंदे मातरम' का पूरा गायन करके दिखाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद ने वंदे मातरम को 'जन गण मन' के समान सम्मान देने का फैसला किया है, लेकिन कांग्रेस इसे नहीं मानती।

कांग्रेस ने उत्तराखंड बीजेपी प्रमुख द्वारा खड़गे की रैली वाली जगह पर

'शुद्धिकरण' की रस्म को सही ठहराने पर बीजेपी की आलोचना की

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को उत्तराखंड बीजेपी प्रमुख महेंद्र भट्ट पर हल्द्वानी में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली वाली जगह पर 'शुद्धिकरण' की रस्म को सही ठहराने का आरोप लगाया। साथ ही, पार्टी ने पूछा कि क्या सत्ताधारी दल छुआछूत का बचाव करने वाले इस नेता के खिलाफ कोई कार्रवाई करेगा।खबरों के मुताबिक, भट्ट ने विपक्ष की आलोचना को खारिज करते हुए कहा कि वह जगह ऐसे नारों से दूषित हो गई थी जो किसी धार्मिक स्थल के लिए सही नहीं थे।

भट्ट के बयानों का वीडियो शेयर करते हुए कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि नड्डा जी ने खड़गे जी की रैली के बाद हल्द्वानी में हुए शुद्धिकरण को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताया। सच तो यह है कि आरएसएस-बीजेपी की रगों में खून की तरह भेदभाव दौड़ता है। उन्होंने दावा किया कि अब उत्तराखंड बीजेपी

अध्यक्ष ने 'शुद्धिकरण' को सही ठहराया है। कांग्रेस नेता ने कहा, 21वीं सदी में भी दलितों को ऐसी अमानवीय प्रथाओं का सामना करना पड़ता है। यह अपने आप में एक त्रासदी है। लेकिन अगर राज्यसभा में विपक्ष के नेता और देश के सबसे बड़े दलित नेताओं में से एक के साथ ऐसा हो सकता है, तो इससे पता चलता है कि आम दलितों के लिए रोज़मर्रा की सच्चाई कितनी बदतर होगी। खेड़ा ने कहा, अब जब उनके अपने प्रदेश अध्यक्ष ने खुलेआम छुआछूत का बचाव किया है, तो क्या पार्टी उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी? क्या मोदी उन्हें हटाएंगे? अगर नहीं, तो एकता और दलितों के सम्मान के लिए मोदी की बड़ी-बड़ी बातें सिर्फ़ एक और राजनीतिक दिखावा हैं। कांग्रेस की प्रवक्ता और सोशल मीडिया प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने भी भट्ट के बयानों का वीडियो क्लिप शेयर किया।

उन्होंने एक्स पर कहा, ये उत्तराखंड बीजेपी अध्यक्ष महेंद्र भट्ट हैं। वह हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी की रैली के बाद हुई शुद्धिकरण की रस्म को सही ठहरा रहे हैं। श्रीनेत ने कहा, यही असली बीजेपी है -- दलितों के प्रति उनके दिलों में यही नफ़रत है। बाकी सब सिर्फ़ दिखावे की बातें हैं। पिछले हफ़्ते, कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में रैली स्थल के 'शुद्धिकरण' की कड़ी निंदा की थी। इस घटना को पूरी तरह से अस्वीकार्य बताते हुए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा था कि सीडब्ल्यूसी ने मांग की है कि मोदी को इस मुद्दे पर माफ़ी मांगनी चाहिए। खड़गे ने बीजेपी को धर्म-विरोधी करार दिया। उन्होंने अपने भाषण के बाद कथित तौर पर किए गए शुद्धिकरण अनुष्ठान का ज़िक्र किया और सत्ताधारी पार्टी द्वारा धार्मिक मूल्यों की चुनिंदा व्याख्या पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा, आप (बीजेपी) धर्म-विरोधी हैं क्योंकि जब मेरे जैसा कोई व्यक्ति उत्तराखंड जाकर लाखों लोगों के सामने भाषण देता है, तो दो दिन बाद आप शुद्धिकरण समारोह आयोजित करते हैं। यह कथित शुद्धिकरण हल्द्वानी के रामलीला मैदान में हुआ, जहाँ खड़गे ने 8 अगस्त को एक जनसभा को संबोधित किया था। उत्तराखंड कांग्रेस प्रमुख गणेश गोदियाल ने आरोप लगाया है कि शुद्धिकरण समारोह करने वाली श्री राम सेना बीजेपी से जुड़ी हुई थी; सत्ताधारी पार्टी ने इस आरोप का पुरज़ोर खंडन किया है।

ओंगोल सरकारी जनरल हॉस्पिटल को अपग्रेड के लिए 14 करोड़ रुपये मिले

ओंगोल, 27 अगस्त (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने हॉस्पिटल में कई विकास कार्यों के लिए डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन (डीएमएफ) फंड और ओंगोल गवर्नमेंट जनरल हॉस्पिटल (जीजीएच-आरआईएमएस) डेवलपमेंट सोसाइटी के उपलब्ध फंड से लगभग 14 करोड़ रुपये मंज़ूर किए हैं। एच आर डी मंत्री नारा लोकेश 28 अगस्त को इन कार्यों के लिए भूमि पूजन करेंगे और आधारशिला रखेंगे। जीजीएच अधिकारियों ने कई स्थायी विकास कार्यों के लिए अनुमान तैयार किए हैं, जिनमें एक स्पेशल ओपी रजिस्ट्रेशन ब्लॉक, एक वेटिंग हॉल, 90-केएलडी का ओवरहेड बैलेंसिंग रिज़र्वोयर, अलग-अलग तरह की गाड़ियों के लिए पार्किंग शेड, एसीपी क्लैडिंग और हॉस्पिटल की मुख्य बिल्डिंग के सामने एक पोर्टिको शामिल है, साथ ही हॉस्पिटल को बेहतर बनाने के अन्य काम भी होंगे।

मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. माणिक्य राव ने कहा, इन मंज़ूर किए गए कार्यों से जीजीएच मरीज़ों को बेहतर सेवाएँ दे पाएगा, जिसमें बड़ा ओपी रजिस्ट्रेशन ब्लॉक, बिना रुकावट पानी की सप्लाई, बेहतर पार्किंग सुविधाएँ और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएँ शामिल हैं। हम जीजीएच के इन सभी विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करेंगे। इसके अलावा, लोकेश नागुलुप्पलपाडु मंडल के चडालावाडा गाँव में रैडिसन-ओंगोल होटल के लिए भूमि पूजन में शामिल होंगे। वह ओंगोल शहर में कई विकास कार्यों की आधारशिला भी रखेंगे, जिनमें पीवीआर स्कूल में पानी की पाइपलाइन प्रोजेक्ट और पाइलोन, छात्रों को 1,500 मुफ़्त साइकिल का वितरण, गांधी पार्क में म्युनिसिपल वॉटर प्रोजेक्ट और मुख्य जंक्शनों पर शहर को सुंदर बनाने वाले स्मारक शामिल हैं।

विजयवाड़ा से तिरुपति जा रही बस ने ऑटो को मारी टक्कर, एक ही गांव के 7 लोगों की मौत

अमरावती, 27 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के पलनाडू जिले में आज गुरुवार, 27 अगस्त की सुबह एक भयानक हादसा हुआ। चिलकलुरिपेट नेशनल हाईवे पर सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। वहीं 10 लोग घायल हैं। चिलकलुरिपेट नेशनल हाईवे पर एक प्राइवेट ट्रैवल बस और ऑटो-रिक्शा की टक्कर हुई। अभी तक सामने आई जानकारी के मुताबिक, सभी मृतक चिलाकलुरिपेट मंडल के वेलुरु गांव के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि ये लोग एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कोंडामंजुलुरु गए थे और ऑटो-रिक्शा से वेलुरु लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। वहीं ट्रैवल बस विजयवाड़ा से तिरुपति की ओर जा रही थी। इस हादसे में घायल हुए लोगों में दो की हालत गंभीर है और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आंध्र प्रदेश के परिवहन मंत्री मंदीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी ने इस हादसे पर हैरानी और दुख जताया और कहा कि टक्कर में सात लोगों की मौत बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि यह दुख की बात है कि सड़क हादसों में कीमती जानें जा रही हैं। हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए मंदीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी ने कहा, 'सफर लोगों को उनकी मंजिल तक ले जाना चाहिए, न कि उनकी आखिरी मंजिल तक।'

मॉडल मुस्कान की हत्या, जिम ट्रेनर इमरान ने गोदा चाकू

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली का वेस्ट जिले का तिलक नगर इलाका एक सनसनीखेज वारदात से दहल उठा। ओल्ड महावीर नगर में 21 वर्षीय मॉडल मुस्कान की उसके ही घर के भीतर घुसकर चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस खौफनाक वारदात का आरोप इमरान नाम के युवक पर लगा है, जो पेशे से जिम ट्रेनर है। वो मृतका को पिछले कुछ समय से जानता था। घटना के बाद से ही आरोपी इमरान मौके से फरार है और पुलिस उसकी सरगर्मी से तलाश कर रही है। पुलिस सूत्रों और शुरुआती जांच से मिली जानकारी के अनुसार, मुस्कान के परिजन किसी काम से बाहर गए हुए थे और वह घर में बिल्कुल अकेली थी।

इसी का फायदा उठाकर आरोपी इमरान उसके घर में दाखिल हुआ। दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई और देखते ही देखते इमरान ने चाकू निकालकर मुस्कान पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल होकर मुस्कान लहूलुहान हालत में वहीं गिर पड़ी और आरोपी वारदात को अंजाम देकर मौके से भाग निकला। मृतका मुस्कान पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट टाइम मॉडलिंग करती थी। घटना के बाद मुस्कान के एक करीबी दोस्त ने

बेहद चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। दोस्त के मुताबिक, शाम करीब 7 बजे मुस्कान की बहन ने उसे फोन कर बताया कि मुस्कान को चाकू मार दिया गया है और हमलावर इमरान है। दोस्त ने बताया कि इमरान मुस्कान की जिम में ट्रेनर था और वह 'साइको' किस्म का शख्स था।

मुस्कान उससे पीछा छुड़ाना चाहती थी, लेकिन जब भी वह बात करने से मना करती तो इमरान उसका पीछा करता था और जबरन शादी करने के लिए दबाव बनाता था। पीसीआर कॉल के जरिए पुलिस को वारदात की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत ओल्ड महावीर नगर स्थित मकान पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल मुस्कान को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

जलगांव के अमलनेर में एक ही परिवार के 4 लोगों ने ट्रेन के नीचे कूदकर किया सुसाइड, मचा हड़कंप

जलगांव, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के अमलनेर तालुका के टाकरखेड़ा में 27 अगस्त की सुबह एक ही परिवार के 4 लोगों ने चलती ट्रेन के नीचे कूदकर सुसाइड कर लिया। वेस्टर्न रेलवे के अधिकारियों ने सुबह 4:40 बजे अमलनेर पुलिस को इस घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस इंस्पेक्टर दत्तात्रेय निकम की देखरेख में पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और शवों का पंचनामा किया। मृतकों की पहचान सुनील अमृत भील (पति), पार्वती भील (पत्नी), सनी (दूसरी क्लास में पढ़ने वाला बड़ा बेटा) और राज (आंगनवाड़ी जाने वाला छोटा बेटा) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, भील परिवार सुबह करीब 4 बजे अचानक अपने घर से निकला था।

उसके बाद, उन्होंने धरनगांव और अमलनेर के बीच रेलवे लाइन पर चलती ट्रेन के सामने कूदकर अपनी जान दे दी। शुरुआती चर्चाओं के अनुसार, शक है कि यह सुसाइड पारिवारिक झगड़े की वजह से हुआ होगा, लेकिन सुसाइड का सही और ऑफिशियल कारण जानने के लिए पुलिस पूरी जांच कर रही है। एक ही परिवार के दो मासूम बच्चों और उनके माता-पिता की मौत से पूरे टाकरखेड़ा इलाके और जलगांव जिले में दुख की लहर है।

'दंगों के मास्टरमाइंड थे शरजील और उमर खालिद'

हाईकोर्ट में दिल्ली पुलिस ने दाखिल किया जवाब

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को मास्टरमाइंड बताया है। अदालत में पुलिस ने अपना जवाब दाखिल करते हुए उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं का भी विरोध किया। 31 जुलाई को पिछली सुनवाई में दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में दिल्ली पुलिस ने जवाब दाखिल करने को कहा था। गुरुवार को सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट में कहा, शरजील इमाम और उमर खालिद दिल्ली दंगों के मास्टरमाइंड थे।

पुलिस के पास इनके खिलाफ दंगों की योजना बनाने, लोगों को जुटाने और दंगों में रणनीतिक भूमिका निभाने से जुड़े अहम सबूत है।₹ दिल्ली पुलिस ने यह भी कहा कि दोनों की नई जमानत याचिकाएं अपने आप में ही 'गैरकानूनी' और कोर्ट को गुमराह करने वाली हैं। दिल्ली पुलिस ने कहा कि जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने इस केस में सहआरोपियों को जमानत दे दी थी, लेकिन उमर खालिद और शरजील इमाम को यह कहते हुए जमानत देने से इंकार कर दिया था कि दिल्ली दंगों में इनकी भूमिका अलग है। पुलिस ने यह भी जिक्र किया कि उस समय सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि इस केस में यूएपीए की धारा 43डी(5) लागू होती है, जिसमें जमानत की सख्त शर्तों का प्रावधान है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि जनवरी के अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से इनकार करते समय नए सिरे से जमानत के लिए दो शर्त लगाई थीं। पुलिस ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उमर और शरजील इस मामले में अहम गवाहों के बयान होने या फिर इस फैसले के एक साल पूरी होने पर नए सिरे से फिर जमानत की याचिकाएं लगा सकते है।

पुलिस का कहना है कि अभी यह दोनों ही शर्त पूरी नहीं हुई है। लिहाजा इस स्तर पर दोनों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई नहीं होनी चाहिए। बता दें कि यह मामला 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर हुए दंगों से जुड़ा है, जिनमें 50 से अधिक लोगों की मौत हुई और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। इस मामले में गिरफ्तारी के बाद से खालिद और शरजील जेल में बंद हैं।

फोन आया- तेरे भाई को बचा सके तो बचा लेना

और फिर कर दी 2 लोगों की हत्या; उज्जैन में करणी सेना के गुटों में खूनी जंग

उज्जैन, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन के थाना चिमनगंज मंडी क्षेत्र में डबल मर्डल का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना कनीपुरा क्षेत्र में लक्की दरबार ढाबे के पास की बताई जा रही है। बुधवार देर रात जिन लोगों के बीच में मुख्य विवाद हुआ वह करणी सेना से जुड़े हुए हैं। घटना में राहुल सिंह और जितेंद्र सिंह की हत्या हुई है। वहीं, इसी गुट के पप्पू जाट और श्रवण कुमार राव घायल है। मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है। करणी सेना के पद को लेकर हुई कहासुनी को विवाद का कारण बताया जा रहा है।

हालांकि जब यह हत्याकांड हुआ तब दोनों गुटों के लोग साथ में खाना खा रहे थे और पुराने विवाद को लेकर समझौते की बात कर रहे थे। लेकिन खाना खाने के बाद फिर विवाद शुरू हो गया और यह घटनाक्रम हुआ। मृतक राहुल सिंह के मामा हेमंत सिंह चौहान ने बताया कि रात करीब 11 बजे राहुल के भाई के मोबाइल पर शक्ति सिंह ने फोन किया और कहा कि तेरे भाई को बचा सके तो बचा लेना। राहुल के भाई ने अपने मामा को बताया। पूरे परिवार को यह सूचना मिलने के बाद सभी लोग राहुल को बचाने पहुंचे। जब वे मौके पर पहुंचे तो आरोपी घटना को अंजाम देकर भाग रहे थे। मौके पर राहुल और उसका मित्र जितेन्द्र लहूलुहान पड़े थे और उनके शरीर पर चाकू-तलवार के घाव थे। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

वहीं, इन्हीं के दो अन्य साथी पप्पू जाट और श्रवण कुमार घायल हो गए। मामले में थाना प्रभारी विवेक कनोडिया ने बताया कि मृतक और आरोपी साथ में बैठकर खाना खा रहे थे। पुराना विवाद सुलझा रहे थे लेकिन फिर से झगड़ा शुरू हो गया। शक्ति सिंह ने अपने अन्य साथी अर्पित, रमेश, सोनू बंजारा, अन्ना सहित अन्य लोगों को बुलाया और राहुल व उसके साथियों पर हमला कर दिया। पूर्व में भी करनी सेना के पदों को लेकर भी विवाद हो चुका है।

शाहीन बाग के पास यमुना में मिला एक शख्स का सड़ा-गला शव, पहचान में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। शाहीन बाग के पास यमुना नदी में एक अज्ञात शव मिला है। पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिये इसकी सूचना प्राप्त हुई थी। शव को नदी से निकालकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। दिल्ली पुलिस को जीडी नंबर 48 ए के तहत एक पीसीआर कॉल मिली। इसमें ठोकर नंबर 8, शाहीन बाग, दिल्ली के पास यमुना नदी में एक शव तैरने की जानकारी दी गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग की सहायता से अज्ञात शव को तुरंत नदी से बाहर निकाला गया।

प्रारंभिक निरीक्षण में पता चला कि यह एक अज्ञात, नग्न और सड़ा हुआ युवक का शव था। मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष के बीच अनुमानित की गई है। अपराध टीम ने शव का गहन निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। निरीक्षण के बाद शव को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के मुर्दाघर में सुरक्षित रखा गया। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर 49.23 लाख रुपए कीमत का 300 ग्राम सोना जब्त

अहमदाबाद, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अहमदाबाद कस्टम्स अधिकारियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तीन इंटरनेशनल उड़ानों से आए यात्रियों से लगभग 300 ग्राम छिपाई हुई सोने की ज्वेलरी जब्त की। यह कार्रवाई एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) द्वारा यात्रियों की प्रोफाइलिंग के आधार पर की गई। कस्टम्स के अनुसार, अबू धाबी, शारजाह और कुवैत से आने वाले यात्रियों से जुड़े तीन अलग-अलग मामले सामने आए। कुल मिलाकर 299.490 ग्राम सोने की ज्वेलरी जब्त की गई, जिसमें 240.090 ग्राम 24-कैरेट सोना और 59.400 ग्राम 22-कैरेट सोना शामिल थे। इसकी कुल बाज़ार कीमत 49,23,602 रुपए थी। पहले मामले में, अबू धाबी से एतिहाद एयरवेज की उड़ान ईवाई-246 से आ रही एक महिला को एआईयू अधिकारियों ने रोका।

जांच में 100.060 ग्राम वजन की 24-कैरेट सोने की दो छिपाई हुई चेन मिलीं। इस ज्वेलरी की कीमत 16,72,003 रुपए थी और इसे कस्टम्स एक्ट, 1962 के प्रावधानों के तहत जब्त किया गया। दूसरे मामले में, शारजाह से एयर अरेबिया की उड़ान जी9-418 से आ रहे एक जोड़े को रोका गया। अधिकारियों को कुल 140.030 ग्राम वजन की सोने की चार चूड़ियां और दो चेन मिलीं। यह ज्वेलरी 24-कैरेट शुद्धता की थी और इसकी बाजार कीमत 23,41,739 रुपए थी। इसे कस्टम्स एक्ट के तहत जब्त किया गया। तीसरे मामले में, कुवैत से कुवैत एयरवेज की उड़ान केयू-347 से आ रही एक महिला को रोका गया।

उसके पास एक सोने का नेकलेस, दो झुमके, एक अंगूठी और पेंडेंट वाली एक चेन मिली, जिसका कुल वजन 59.400 ग्राम था। यह ज्वेलरी 22-कैरेट शुद्धता की थी और इसकी कीमत 9,09,860 रुपए थी। कस्टम्स ने बताया कि ये कार्रवाई यात्रियों की प्रोफ़ाइलिंग के आधार पर की गई, जिसमें अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद यात्रियों की जांच की। यह जब्ती उस घटना के दो दिन बाद हुई है जब अहमदाबाद कस्टम्स ने शारजाह से आ रही एक महिला को पकड़ा था, जिसके हाई-नेक स्वेटर के अंदर कथित तौर पर 499.540 ग्राम वजन की 24-कैरेट सोने की चेन छिपाई गई थी।

मुरैना में कार तोड़फोड़ पर हिंदू संगठनों का प्रदर्शन

पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस पर जुटी भीड़, आरोपियों पर एनएसए और बुलडोजर कार्रवाई की मांग

मुरैना, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मुरैना में कार में तोड़फोड़ की घटना के विरोध में गुरुवार को हिंदू संगठन, बजरंग दल, सनातनी संगठन और भाजपा कार्यकर्ता पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस पर एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने घटना के वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। बताया गया कि बुधवार को ईद के जुलूस के दौरान एक कार की मुस्लिम युवकों से टक्कर हो गई थी। इसके बाद कार में तोड़फोड़ किए जाने का मामला सामने आया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसी मामले को लेकर गुरुवार को बड़ी संख्या में लोग पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस पहुंचे और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई करने की मांग रखी। इसके साथ ही उन्होंने अवैध निर्माण या नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आरोपियों के घरों पर बुलडोजर कार्रवाई की मांग भी की।

कंपनी का एमडी बताकर व्हाट्सप्प के जरिये 3.20 करोड़ की साइबर ठगी

देहरादून, 27 अगस्त (एजेंसियां)। कंपनी के उच्चाधिकारी और मैनेजिंग डायरेक्टर बनकर व्हाट्सप्प के जरिए करीब 3.20 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मामले में एसटीएफ की साइबर टीम ने एक आरोपी को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान चन्द्र कांत मिश्रा निवासी ग्रीन फील्ड सिटी, महेशतल्ला, कोलकाता, पश्चिम बंगाल के रूप में हुई है। उसके कब्जे से दो मोबाइल फोन, चार सिम कार्ड और एचपी कंपनी का लैपटॉप बरामद हुआ है। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन देहरादून में दर्ज मामले की जांच में सामने आया कि साइबर अपराधियों ने कंपनी के जनरल मैनेजर से व्हाट्सप्प के माध्यम से संपर्क किया। आरोपियों ने खुद को कंपनी का उच्चाधिकारी और मैनेजिंग डायरेक्टर बताते हुए प्रोजेक्ट के एडवांस पेमेंट और अन्य जरूरी भुगतानों के नाम पर जनरल मैनेजर को विश्वास में लिया। इसके बाद अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर कराई गई। इसी क्रम में श्याम ट्रेडिंग कंपनी के बैंक खाते में भी रकम भेजी गई। इस तरह करीब 3.20 करोड़ रुपये की ठगी की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसटीएफ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने साइबर टीम को तकनीकी विश्लेषण और मैनुअल इनपुट के आधार पर आरोपी की तलाश के निर्देश दिए।

अभिनेत्री उर्मिला सनावर के खिलाफ एक और मामला दर्ज

आपत्तिजनक पोस्ट और टिप्पणी करने पर हुआ केस

देहरादून, 27 अगस्त (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट और अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोपों को लेकर उर्मिला सनावर के खिलाफ नेहरू कॉलोनी थाने में एक और मामला दर्ज हुआ है। महिला की तहरीर पर दर्ज प्राथमिकी में आरोप है कि उर्मिला सनावर अपनी फेसबुक आईडी के जरिए उसके खिलाफ अभद्र और आपत्तिजनक बातें लिख रही थीं। महिला ने कहा कि उन्हें आत्महत्या तक के लिए उकसाया जा रहा है। तहरीर में महिला ने आरोप लगाया कि उर्मिला सनावर ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनके खिलाफ लगातार आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित की। उर्मिला सनावर के खिलाफ उत्तराखंड में अलग-अलग थानों में पहले ही कई मामले दर्ज हैं। इनमें एक मामला भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत कुमार गौतम की शिकायत पर दर्ज हुआ है।

नेहरू कॉलोनी थाने में ही आरती गौड़ की शिकायत पर भी उर्मिला के खिलाफ एक और मामला दर्ज है। आरती का आरोप कैह कि

मोबाइल नंबर सार्वजनिक किए जाने के बाद उन्हें अज्ञात लोगों से धमकी भरे फोन आने लगे। बता दें कि उर्मिला सनावर उस समय भी चर्चा में आई थीं, जब उन्होंने नवंबर 2025 में सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर हरिद्वार की ज्वालापुर विधानसभा सीट से भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर पर गंभीर आरोप लगाए थे।

उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से मदद की गुहार भी लगाई थी। वह सोशल मीडिया पर अपना नाम एक्ट्रेस उर्मिला सुरेश राठौर लिखती हैं और खुद को पूर्व विधायक सुरेश राठौर की पत्नी बताती हैं।

अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर सोशल मीडिया पर ऑडियो और वीडियो जारी करने के बाद भी उर्मिला सनावर सुर्खियों में रही थीं। उन्होंने कुछ सफेदपोशों और राजनेताओं के मामले में शामिल होने संबंधी दावे किए थे। उनके बयानों और राजनीतिक आरोपों के बाद उत्तराखंड पुलिस की सात सदस्यीय एसआईटी ने भी उन्हें पूछताछ के लिए समन भेजा था।

जनवरी 2026 में देहरादून और हरिद्वार में उनसे कई घंटे पूछताछ की गई थी। इस दौरान उन्होंने अपने मोबाइल फोन में मौजूद रिकॉर्डिंग और अन्य तथ्य पुलिस को सौंपने की बात कही थी। अब नेहरू कॉलोनी थाने में दर्ज नए मुकदमे के बाद उर्मिला सनावर की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। पुलिस मामले में सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट और उससे जुड़े अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है।

1,000 करोड़ के पोंजी स्कैम का मास्टरमाइंड समीर?

कैरेबियन द्वीप पर छुपा है देश का सबसे बड़ा ठग

मुरैना, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की वित्तीय धोखाधड़ी के इतिहास में सबसे बड़े चेहरों में से एक समीर अग्रवाल इन दिनों देश की तमाम जांच एजेंसियों के सबसे बड़े रडार पर है। करोड़ों के निवेश का झांसा देकर लोगों की गाढ़ी कमाई लूटने वाला यह शातिर मास्टरमाइंड देश छोड़कर विदेश भाग चुका है। मध्य प्रदेश पुलिस अब उसे भारत वापस लाने के लिए इंटरनेशनल लेवल पर कानूनी प्रक्रिया और प्रत्यर्पण की पुख्ता तैयारी कर रही है। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले से ताल्लुक रखने वाला समीर अग्रवाल कभी साधारण पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखता था, जो अपने पिता के साथ इंदौर आया और फिर मुंबई के सट्टेबाजी बाजार से अपने काले कारोबार की शुरुआतकी।

साल 2009 में उसने 'एंडवाजेट ट्रेड' के जरिए निवेश धोखाधड़ी का खेल शुरू किया। इसके बाद उसने 'ऑप्शन वन इंडस्ट्रीज' और सागा ग्रुप के बैनर तले करीब 10 चिट फंड कंपनियां खड़ी कर दीं। इस जालसाजी का दायरा देश के 17 राज्यों तक फैल गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस पूरे पोंजी स्कैम में पूरे देश के निवेशकों के साथ 11,000 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की गई, जिसमें अकेले मध्य प्रदेश में ही 500 करोड़ रुपये से ज्यादा की धोखाधड़ी शामिल है। भारत से फरारजांच एजेंसियों के अनुसार, शिकंजा कसता देख समीर अग्रवाल साल 2019-20 के दौरान ही भारत से फरार होकर पहले दुबई भाग गया था।

इसके बाद उसने सुरक्षा एजेंसियों की नजरों से बचने के लिए अपना ठिकाना बदलकर कैरेबियन देश सेंट किट्स और नेविस में शरण ली। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस शातिर ठग के पास भारत के अलावा यूएई और सेंट किट्स एंड नेविस की नागरिकता या पासपोर्ट होने की बात सामने आ रही है, जिससे उसे पकड़ने में कानूनी पेंच फंस रहे हैं। समीर अग्रवाल के काले कारोबार का पर्दाफाश करने के लिए देश की तीन बड़ी केंद्रीय और राज्य एजेंसियां, सीआईडी, सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) संयुक्त रूप से जांच कर रही हैं।

हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय ने भोपाल और मुंबई में इस ग्रुप से जुड़े ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की थी। इस कार्रवाई के दौरान एजेंसियों ने 30 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के शेयर, नकदी और बेशकीमती आभूषण जब्त किए हैं।

सुविचार: यदि मन में दृढ़ निश्चय व विश्वास है तो विजय निश्चित है। अगर संकल्प कमजोर हैं तो पराजय होगी

सीएस का अधिकारियों को यातायात प्रबंधन और सड़क सुरक्षा को मजबूत करने का निर्देश

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में यातायात प्रबंधन पर जोर

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव संजय जाजू ने अधिकारियों को हैदराबाद शहर और आउटर रिंग रोड (ओआरआर) की सीमा के भीतर यातायात जाम को नियंत्रित करने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने गुरुवार को सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में यातायात प्रबंधन और सड़क सुरक्षा से संबंधित मुद्दों की व्यापक समीक्षा की।

बैठक के दौरान सड़क सुरक्षा, यातायात संकेतों के रखरखाव, दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान और आपातकालीन सेवाओं के लिए त्वरित मार्गों के प्रावधान सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को राज्य भर के सभी शहरों, जिला मुख्यालयों, नगरपालिकाओं, शहरी क्षेत्रों और ओआरआर (रोडिंग रोड) पर यातायात सिग्नलिंग प्रणाली को मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने नगरपालिका, पुलिस, परिवहन और अन्य संबंधित विभागों को सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए समन्वय से काम करने और जल्द से जल्द विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को नवंबर और दिसंबर तक आवश्यक स्थानों पर सिग्नलिंग सिस्टम स्थापित करने के लिए कदम उठाने का भी निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने कहा कि यातायात प्रबंधन और सड़क सुरक्षा किसी एक विभाग तक सीमित नहीं रह सकती और उन्होंने पुलिस, परिवहन, सड़क एवं भवन, नगर प्रशासन, शहरी विकास और अन्य विभागों द्वारा समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न स्थानों से यातायात डेटा को समेकित करने और एक सामान्य मंच पर उसका विश्लेषण करने के लिए एक एकीकृत यातायात डेटा प्लेटफॉर्म की स्थापना की संभावनाओं का पता लगाने का निर्देश दिया। नारकोटिक्स ब्यूरो और टीजी-सेफ की तरह, मुख्य सचिव ने यातायात प्रबंधन और सड़क सुरक्षा के लिए टीजी-टीएमएआरएस (ट्रैफिक मैनेजमेंट एंड रोड सेफ्टी) नामक एक समर्पित और स्वतंत्र प्रणाली स्थापित करने के प्रस्ताव तैयार करने का सुझाव दिया। उन्होंने अधिकारियों को यातायात संकेत प्रणालियों का आधुनिकीकरण करने, इलेक्ट्रॉनिक प्रवर्तन को मजबूत करने और सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों के अनुसार सड़क सुरक्षा उपायों को लागू करने का भी निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने फुटपाथों पर अतिक्रमण रोकने के लिए सख्त कार्रवाई का आह्वान किया। अधिकारियों ने मुख्य सचिव को बताया कि जीएचएमसी की सीमा के भीतर वर्तमान में 429 यातायात सिग्नलिंग सिस्टम मौजूद हैं और इन स्थानों पर उन्नत सिग्नल नियंत्रण प्रणालियों का उपयोग किया जा रहा है। संजय जाजू ने अधिकारियों को राज्य भर में यातायात प्रबंधन को अधिक कुशल बनाने और सड़क यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया।

मुख्य सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि प्रौद्योगिकी का उपयोग केवल यातायात नियमों के उल्लंघन का पता लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि नागरिकों को सुरक्षित, तेज और अधिक सुविधाजनक यात्रा प्रदान करने पर भी केंद्रित होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यातायात संबंधी समस्याओं के स्थायी समाधान खोजने के लिए डेटा-आधारित, प्रौद्योगिकी-सक्षम और जनहितैषी समाधान अपनाने का निर्देश दिया। अधिकारियों को एआई-आधारित यातायात प्रबंधन और सड़क सुरक्षा के लिए उपलब्ध नवीनतम तकनीकों का अध्ययन करने और राज्य भर में उपयुक्त स्थानों पर पायलट परियोजनाएं शुरू करने का निर्देश दिया गया।

टीटीडी ने श्री मंत्रालय राघवेंद्र को रेशम के वस्त्र भेंट किए

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जगतगुरु श्री राघवेंद्र स्वामी के 355वें आराधना महोत्सव के शुभ अवसर पर, टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी एम रविचंद्र ने शुक्रवार को मंत्रालयम में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम की ओर से पारंपरिक रेशमी वस्त्र भेंट किए।

औपचारिक अर्पण के बाद, टीटीडी के पूर्व अध्यक्ष ने मंत्रालयम स्थित श्री राघवेंद्र मठ के पीठाधिपति परम पूज्य श्री सुबुदेंद्रतीर्थ का आशीर्वाद प्राप्त किया। टीटीडी 2006 से श्री राघवेंद्र स्वामी को रेशमी वस्त्र भेंट करता आ रहा है। इस परंपरा का विशेष महत्व है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि श्री राघवेंद्र स्वामी का जन्म भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के आशीर्वाद से हुआ था और अपने पूर्वाश्रम के दौरान उन्हें वेंकटनाथ के नाम से जाना जाता था।

बालिकाओं की सुरक्षा का संकल्प, राखी बांधकर दिया संदेश

रंगारेड्डी, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले में महिला एवं बाल कल्याण विभाग के तत्वावधान में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत राखी बंधन-लड़कियों की सुरक्षा के लिए हमारी प्रतिज्ञा संदेश के साथ राखी समारोह और हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, शिक्षा, समानता और सुरक्षित भविष्य के प्रति समाज की जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से तैयार की गई विशाल राखी आकर्षण का केंद्र रही। अधिकारियों ने कहा कि राखी केवल भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रत्येक बालिका की सुरक्षा और सम्मान की सामूहिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। हस्ताक्षर अभियान में जिला अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों, महिलाओं, युवाओं और आम नागरिकों ने भाग लेकर बालिकाओं की सुरक्षा एवं सशक्तीकरण के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। जिला कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट सी. नारायण रेड्डी ने कहा कि बालिकाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, सुरक्षा, समान अवसर और आत्मविश्वास देकर ही समाज का समग्र विकास संभव है। चेवेल्ला विधायक काले यदय्या ने बालिकाओं और बालकों से अच्छी शिक्षा प्राप्त कर उच्च शिक्षा के माध्यम से बेहतर भविष्य बनाने का आह्वान किया। अतिरिक्त कलेक्टर किरणमयी ने कहा कि राखी पर्व को सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक बनाकर बालिकाओं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सकती है। अतिरिक्त कलेक्टर चंद्र रेड्डी ने कहा कि बालिकाओं की सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है। जिला कल्याण अधिकारी शांति श्री ने बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य, सम्मान और सुरक्षा के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताई। विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, किशोरियों तथा डॉन बॉस्को होम्स के बच्चों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

बीआरएओयू कर्मचारियों का पीआरसी और पुरानी पेंशन योजना के लिए विरोध-प्रदर्शन

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी (बीआरएओयू) के कर्मचारियों ने गुरुवार को दोपहर के भोजन के समय प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने काले बैज पहने और अपनी लंबे समय से लंबित मांगों के समर्थन में नारे लगाए। तेलंगाना संयुक्त कार्रवाई समिति (टीजेएसी), तेलंगाना विश्वविद्यालय गैर-शिक्षण कर्मचारी संघ (टीयूएनटीईए) और टीएनजीओएस द्वारा दिए गए आह्वान के जवाब में आयोजित यह विरोध प्रदर्शन विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सामने हुआ। कर्मचारियों ने नए वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी) के तत्काल कार्यान्वयन, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए कैशलेस स्वास्थ्य कार्ड जारी करने और लंबित महंगाई भत्ते (डीए) की रिहाई की मांग की। कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय और सरकारी अधिकारियों से अपनी लंबे समय से लंबित शिकायतों के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया। कंथम प्रेम कुमार के साथ विश्वनाथ, मियाजानी, पांडु, अशोक, भरत रेड्डी, डॉ. याकेश दैदा, के. मंजुला, ज्योति श्री, रजनीकांत, मोहम्मद। प्रदर्शन में शब्बीर, सुहासिनी और विभिन्न कर्मचारी संगठनों के अन्य नेताओं ने भाग लिया।

मंत्री का अनाज भंडार स्थापित करने के लिए व्यापक योजना तैयार करने का निर्देश

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने तेलंगाना राज्य नागरिक आपूर्ति निगम को अत्याधुनिक अनाज भंडार स्थापित करने के लिए एक व्यापक योजना तैयार करने का निर्देश दिया है, जिनकी अतिरिक्त भंडारण क्षमता 5 लाख से 10 लाख मीट्रिक टन होगी और इन भंडारों के निर्माण और संचालन में महिला स्वयं सहायता समूहों को बड़े पैमाने पर शामिल किया जाएगा। गुरुवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ निगम के मामलों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि तेलंगाना के अनाज भंडारण अवसंरचना को राज्य में धान की खेती और उत्पादन के अभूतपूर्व विस्तार के साथ तालमेल बिठाना होगा। सिंचाई व्यवस्था में सुधार, कृषि योग्य क्षेत्र के विस्तार और न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद के परिणामस्वरूप धान की आवक में वर्ष-दर-वर्ष निरंतर वृद्धि हुई है। परिणामस्वरूप, सुरक्षित, वैज्ञानिक और रणनीतिक रूप से उपयुक्त भंडारण सुविधाओं की आवश्यकता भी तेजी से बढ़ रही है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना की उभरती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए केवल पारंपरिक गोदाम ही पर्याप्त नहीं होंगे और राज्य को स्वचालित संचालन, वैज्ञानिक संरक्षण, मशीनीकृत आवागमन, डिजिटल निगरानी और नमी, कीटों और भंडारण से संबंधित अन्य नुकसानों से सुरक्षा को शामिल करते हुए एक आधुनिक भंडारण नेटवर्क को धीरे-धीरे विकसित करना होगा। उन्होंने ऐसे मॉडलों की जांच करने का सुझाव दिया जिनके तहत महिला स्वयं सहायता समूह, ग्राम स्तरीय संस्थाएं और स्वय नागरिक आपूर्ति निगम आधुनिक भंडारण सुविधाओं के विकास, प्रबंधन या संचालन में भाग ले सकें। मंत्री ने निगम को बकाया चावल मिल मालिकों से भुगतान न करने वाले ग्राहकों से बकाया राशि की वसूली में तेजी लाने के लिए एक प्रभावी रणनीति तैयार करने का भी निर्देश दिया।

बस की ऑटो-रिक्शा से टक्कर, तीन छात्र घायल

मंचेरियल, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को मुल्कालापेट और वेमनानापल्ली के बीच एक एसआरटीसी बस के ऑटो-रिक्शा से टकराने पर एक मॉडल स्कूल के तीन छात्र घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि बस की ऑटो-रिक्शा से टक्कर के बाद कोटापल्ली के एक मॉडल स्कूल के तीन छात्रों को मामूली चोटें आईं। उन्हें तुरंत चेन्नूर शहर के एक अस्पताल ले जाया गया। सुबह करीब 8 बजे जब यह हादसा हुआ, तब सुपाका गाँव के छह छात्र स्कूल जा रहे थे। इस बीच, माता-पिता ने अपने गाँवों से दूर स्थित स्कूलों में रोज़ाना आने-जाने वाले बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने अफ़सोस जताया कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की कमी के कारण उन्हें निजी वाहनों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे न केवल उन्हें भारी रकम खर्च करनी पड़ती है, बल्कि उनके बच्चों की जान भी जोखिम में पड़ती है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे निरीक्षण करके तेज़ रफ़्तार और सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को रोकने के लिए कदम उठाएँ।

बीआरएस पर नियंत्रण हासिल करने की साजिश रच रहे हैं हरीश राव

तेलंगाना रक्षा सेना की प्रमुख कविता का बड़ा आरोप

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रक्षा सेना की प्रमुख कलवाकुंतला कविता ने गुरुवार को आरोप लगाया कि बीआरएस नेता टी. हरीश राव भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर नियंत्रण हासिल करने के लिए गंभीर प्रयास कर रहे हैं और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव को पीठ में छुरा घोंपने की साजिश रच रहे हैं, ठीक उसी तरह जैसे एन. चंद्रबाबू नायडू ने कथित तौर पर एन.टी. रामाराव के साथ विश्वासघात किया था। बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना रक्षा सेना कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए, कविता ने आरोप लगाया कि हरीश राव ने हाल ही में मेदक के विधायकों के साथ गुप्त चर्चा की थी और उन्हें बताया था कि केसीआर की राजनीतिक विरासत केटी रामाराव (केटीआर) को नहीं सौंपी जानी चाहिए। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि हरीश राव बीआरएस पर नियंत्रण हासिल करने के प्रयास के तहत भाजपा और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी दोनों के साथ सांठगांठ बनाए हुए थे। कविता ने हरीश राव के भाजपा से कथित संबंधों के सबूत होने का दावा किया और कहा कि वह हैदराबाद के राज पुष्पा स्काई विला में एक वरिष्ठ भाजपा नेता से अक्सर मिलते थे।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हरीश राव और अन्य लोगों ने हाल ही में लंदन में एक गुप्त बैठक की थी और एक समझौता किया था। कविता ने मांग की कि यदि हरीश राव और रेवंत रेड्डी के बीच कोई सांठगांठ नहीं है, तो मुख्यमंत्री को लेन-देन से संबंधित प्रावधानों के तहत हरीश राव की गिरफ्तारी का आदेश देना चाहिए। उन्होंने हरीश राव पर स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान निजी शिक्षण संस्थानों और कॉर्पोरेट अस्पतालों को दूध की आपूर्ति से संबंधित आरोप भी लगाए। कविता ने आरोप लगाया कि नारायण और चैतन्य शिक्षण संस्थानों को हर महीने 5 करोड़ रुपये का दूध दिया जाता था और दावा किया कि इन दोनों संस्थानों के माध्यम से आठ वर्षों में 960 करोड़ रुपये कमाए गए। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कामिनेनी, यशोदा और केआईएमएस सहित कॉर्पोरेट अस्पतालों को दूध की आपूर्ति की गई थी। कविता ने रेवंत रेड्डी से यह स्पष्टीकरण मांगा कि उन्होंने पहले हरीश राव के खिलाफ आरोप लगाने के बावजूद फोन टैपिंग और कालेश्वरम मामलों के संबंध में उनका नाम लेना क्यों बंद कर दिया है। मुख्यमंत्री पर तीखा हमला बोलते हुए कविता ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी आंध्र प्रदेश के नेताओं के "कैदी" बन गए हैं और तेलंगाना के हितों से समझौता करके आंध्र प्रदेश के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने ब्राह्मण परिषद के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में आंध्र प्रदेश के व्यक्तियों की नियुक्ति पर आपत्ति जताई। बसवराजू श्रीनिवास राजू का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि अध्यक्ष "तेलंगाना के कट्टर विरोधी" हैं और सवाल उठाया कि राज्य आंदोलन के दौरान तेलंगाना के गठन का विरोध करने वाले व्यक्ति को इस पद पर कैसे नियुक्त किया जा सकता है।

विरोध प्रदर्शन के दौरान हरीश राव गिरफ्तार, फिर रिहा

वारंगल/हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएसएलपी के डिप्टी लीडर टी हरीश राव को गुरुवार को हनमकोंडा में गिरफ्तार किया गया। वे वारंगल के सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज के विरोध कर रहे छात्रों से मिलने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने जीओ 97 को तुरंत वापस लेने की मांग की और कहा कि सरकारी पॉलिटेक्निक शिक्षा का 'यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी' में प्रस्तावित विलय लगभग एक लाख छात्रों के भविष्य को खतरे में डाल देगा।

हरीश राव को गुरुवार सुबह वारंगल दौरे से पहले उनके कोकापेट स्थित आवास पर नज़रबंद किया गया था, लेकिन वे पुलिस को चकमा देकर हनमकोंडा पहुँच गए। पॉलिटेक्निक छात्रों से मिलने के रास्ते में, वे ज़िला कलेक्ट्रेट में तेलंगाना नॉन-गजेटेड ऑफिसर्स के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए और उनकी मांगों का समर्थन किया। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस सरकार अपने कर्मचारियों की समस्याओं का तुरंत समाधान करे। हालाँकि, जब वे सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज के लिए निकलने की तैयारी कर रहे थे, तब उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने पूर्व मंत्री एर्राबेली दयाकर राव, पूर्व सरकारी चीफ व्हिप दास्यम विनय भास्कर और अन्य वरिष्ठ नेताओं को भी गिरफ्तार किया। कलेक्ट्रेट में तनाव का माहौल बन गया क्योंकि बीआरएस कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए और पुलिस को हरीश राव को ले जाने से रोकने की कोशिश की।

कार्यकर्ताओं द्वारा बाधा डालने के कारण, पुलिस ने बीआरएसएलपी के डिप्टी लीडर को वहाँ से हटाया और उन्हें पैदल ही सुबेदारी पुलिस स्टेशन ले गई, जिससे बीआरएस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंत्री के साथ पुलिस के खराब व्यवहार पर आपत्ति जताई और आरोप लगाया कि उन्हें गाड़ी में बैठने तक नहीं दिया गया। इस बीच, वारंगल के सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज में भारी संख्या में पुलिस तैनात की गई और कैंपस में जाने से पहले छात्रों की जांच की गई। खबर है कि पुलिस चार या पांच से ज़्यादा छात्रों के ग्रुप को एक साथ अंदर जाने से रोक रही थी। पुलिस छात्रों को कैंपस से बाहर आने से भी रोक रही थी। विरोध प्रदर्शन से पहले वारंगल और हनमकोंडा में बीआरएसवी के छात्र नेताओं को हिरासत में ले लिया गया।

सुबेदारी पुलिस स्टेशन में मीडिया से बात करते हुए, हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर छात्रों के विरोध को दबाने का आरोप लगाया और उनसे मिलने की कोशिश कर रहे राजनीतिक नेताओं को गिरफ्तार करने की ज़रूरत पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, क्या छात्र आतंकवादी या असामाजिक तत्व हैं? उन्होंने कहा कि पुलिस उन छात्रों के खिलाफ़ केस दर्ज कर रही थी और बल प्रयोग कर रही थी जो शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पुलिस ने छात्र और बीआरएस नेताओं को हिरासत में ले लिया है और पॉलिटेक्निक कॉलेज को असल में लॉकडाउन कर दिया गया है; मेस बंद है और छात्रों को बाहर आने से रोका जा रहा है। उन्होंने विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ़ पुलिस तैनात करने के सरकार के फ़ैसले पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता के माहौल में 10 छात्रों के माता-पिता पहले ही संस्थान से ट्रांसफर सर्टिफिकेट ले चुके हैं।

उन्होंने जीओ 97 को तुरंत वापस लेने और प्रस्तावित विलय को रोकने की मांग की, जिससे आगे चलकर पॉलिटेक्निक शिक्षा का निजीकरण हो सकता है और इंजीनियरिंग कोर्स तक छात्रों की पहुंच प्रभावित हो सकती है। उन्होंने उन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ़ कार्रवाई की मांग की जिन्होंने छात्रों पर हमला किया और एक छात्र का गला पकड़ा। उन्होंने तेलंगाना के छात्रों के आंदोलन पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया।

वर्धा नदी में मछली पकड़ते समय मछुआरा डूबा

कुमराम भीम आसिफाबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को थाटीपल्ली गाँव के पास वर्धा नदी में मछली पकड़ते समय कोसारी रामेस नाम का एक मछुआरा डूब गया। गुरुवार को उसका शव बरामद किया गया। आशंका है कि नदी के सबसे गहरे हिस्से में जाने के कारण वह डूब गया। बुधवार देर रात तक घर न लौटने पर मछुआरे के परिवार वालों ने चिंता जताई। उन्होंने पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद पुलिस ने मछुआरे की तलाश शुरू की और सुबह 9 बजे नदी में उसका शव मिला।

लॉरी दुर्घटना में बुजुर्ग की मौत

संगारेड्डी, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को संगारेड्डी में आईआईटी-हैदराबाद के पास लॉरी ड्राइवर की लापरवाही से एक बुजुर्ग की जान चली गई। यह व्यक्ति निर्माणाधीन फ्लाईओवर के पास अंडरब्रिज पार कर रहा था, तभी तेज़ रफ़्तार लॉरी ने उसे टक्कर मार दी।

मृतक सदाशिवपेट शहर के रहने वाले नारायण गौड़ (68) थे। घटना के समय गौड़ पाटनचेरू से अपने गृहनगर लौट रहे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए संगारेड्डी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

खान अधिकारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज

एसीबी ने 3.06 करोड़ रुपये की संपत्ति का पता लगाया

वारंगल, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी), वारंगल रेंज ने जयशंकर भूपालपल्ली जिले के खान एवं भूविज्ञान विभाग के सहायक निदेशक बेज्जा जया राजू के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है, जो वर्तमान में वारंगल में खान एवं भूविज्ञान विभाग के उप निदेशक का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार (एफएसी) संभाल रहे हैं।

आरोप है कि अधिकारी ने अपनी सेवा के दौरान भ्रष्टाचार और संदिग्ध तरीकों से अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 में संशोधित) की धारा 13(1)(ख) और धारा 13(2) के तहत मामला दर्ज होने के बाद, एसीबी अधिकारियों ने 27 अगस्त को अधिकारी, उसके रिश्तेदारों और सहयोगियों से जुड़े आठ स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान, जांचकर्ताओं ने ऐसी संपत्तियों की पहचान की जिनमें हैदराबाद के बोडुप्पल में एक 100 मीटर से अधिक का भवन, केपीएचबी कॉलोनी में एक फ्लैट, विभिन्न स्थानों पर पांच भूखंड, 3.21 एकड़ कृषि भूमि, वाहन, 629 ग्राम वजन के सोने के आभूषण, नकदी, बीमा और डाकघर की बचत, घरेलू सामान और बैंक जमा शामिल थे। अब तक पहचानी गई संपत्तियों का कुल मूल्य लगभग 3.06 करोड़ रुपये आंका गया है। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि अचल संपत्तियों का बाजार मूल्य उनके आधिकारिक या दस्तावेजी मूल्य से काफी अधिक होने की संभावना है। जांचकर्ताओं ने आरोपी अधिकारी के ड्राइवर सत्तुनूरी यदैया के मोबाइल फोन से मिली जानकारी और लेन-देन के रिकॉर्ड की भी जांच की। प्रथम दृष्टया, ड्राइवर के बैंक खाते से अधिकारी की बेटी के बैंक खाते में कई लेन-देनों के माध्यम से लगभग 24.80 लाख रुपये कथित तौर पर स्थानांतरित किए गए थे। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, चालक ने कथित तौर पर बताया कि यह पैसा रेत परिवहन और संबंधित गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों से एकत्र किया गया था और बाद में अधिकारी की बेटी के खाते में स्थानांतरित कर दिया गया था। एसीबी इन लेन-देन के स्रोत, प्रकृति और उद्देश्य तथा कथित अवैध रिश्वत की जाँच कर रही है। अतिरिक्त संपत्तियों की पहचान के लिए आगे की जांच जारी है। जांच चल रही है।

ट्रक ने बस में मारी टक्कर, तीन यात्रियों की मौत और 11 घायल

सुल्तानपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। बल्दीराय थाना क्षेत्र के देरी गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने गुड़गांव से बिहार जा रही निजी बस में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बस सवार तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही एसडीएम प्रभात सिंह, सीओ बल्दीराय आशुतोष कुमार और थानाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बस में फंसे और घायल यात्रियों को बाहर निकलवाया। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्दीराय पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार कराया जा रहा है।

1059 सहायक अध्यापकों के हक में हाई कोर्ट का निर्णय

वेतनवृद्धि विवेकाधीन कृपा नहीं, कानूनी अधिकार है

प्रयागराज, 27 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत 1059 सहायक अध्यापकों की प्रथम वार्षिक वेतनवृद्धि से जुड़े एक अहम विवाद में राज्य सरकार को पुनर्विचार का स्पष्ट निर्देश जारी किया है। अदालत ने अपने फैसले में यह साफ कर दिया है कि किसी भी कर्मचारी का कार्यभार ग्रहण करना यदि किसी सार्वजनिक अवकाश की वजह से टलता है, तो इससे उसके सेवा संबंधी कानूनी अधिकारों अथवा वित्तीय लाभों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। याचिकाकर्ता शिक्षकों की मूल नियुक्ति 28 जून 2016 को हुई थी, परंतु 1 जुलाई को रमजान का अंतिम शुक्रवार होने के कारण सार्वजनिक अवकाश घोषित था।

इस वजह से शिक्षक उस दिन योगदान न देकर अगले कार्यदिवस 2 जुलाई को ही

विद्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सके। विभाग ने 2 जुलाई को आधार मानकर उनकी वेतनवृद्धि को एक वर्ष के लिए टाल दिया, जिसका विरोध करते हुए अध्यापकों ने हाई कोर्ट में याचिकाएं दाखिल करके अपने उचित अधिकार की मांग उठाई।

शिक्षकों ने अपनी दलीलों में राज्य सरकार द्वारा 22 दिसंबर 2016 तथा 2009 में जारी विभिन्न शासनादेशों का विशेष रूप से उल्लेख किया। इन नियमों के अनुसार यदि सार्वजनिक अवकाश के कारण कार्यभार अगले कार्यदिवस पर ग्रहण किया जाता है, तो उसे कर्मचारी के हितों के विपरीत नहीं माना जाना चाहिए।

अध्यापकों का स्पष्ट तर्क था कि नियुक्ति तिथि 28 जून होने के कारण उन्हें 1 जनवरी 2017 से ही पहली वेतनवृद्धि का लाभ मिलना चाहिए था, जिसे विभाग ने गलत तरीके से रोका। न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकलपीठ ने शिक्षकों की याचिकाओं का निस्तारण करते हुए संबंधित सक्षम अधिकारियों को 6 सप्ताह के भीतर व्यक्तिगत अभ्यावेदनों पर तर्कसंगत आदेश पारित करने को कहा है।

अदालत ने स्पष्ट रूप से रेखांकित किया कि 1 दिन की यह देरी पूरी तरह से सरकारी छुट्टी की वजह से हुई थी, जो शिक्षकों के नियंत्रण से बाहर थी। वेतनवृद्धि कोई विवेकाधीन कृपा नहीं, बल्कि सेवा नियमावली द्वारा संरक्षित प्रत्येक कर्मचारी का एक वैध अधिकार है।

100 से ज्यादा तेंदुओं ने मचाई दहशत:22 दिन में तीन महिलाओं को खा गए, 20 को नोचा

मुरादाबाद, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जिम कॉर्बेट के बफर जोन से सटी मुरादाबाद की सीमा में तेंदुओं की आवाजाही यूं तो आम बात रही है। लेकिन, तेंदुओं का जो खौफ बीते 22 दिनों से है, वैसे हालात कभी नहीं रहे। 22 दिन में तेंदुओं ने 3 महिलाओं को नोच-नोचकर मार डाला। 20 से अधिक किसानों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। इन घटनाओं से उत्तराखंड से सटे मुरादाबाद के करीब 50 गांवों के 1 लाख लोग खौफ में हैं।

मंदिरों-मस्जिदों से लगातार एनाउंसमेंट करके किसानों से कहा जा रहा है कि वे खेतों पर न जाएं। डर में लोगों ने अपने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया है। फॉरेस्ट ऑफिसर ने बताया कि जिले में 100 से ज्यादा तेंदुओं के होने का अनुमान है।

'21 साल से बिहार और 12 साल से केंद्र में बीजेपी फिर भी नेपाल की बाढ़ पर बैठक नहीं', तेजस्वी यादव का हमला

पटना, 27 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में आई भीषण बाढ़ से बिहार को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। इस बीच राजद नेता तेजस्वी यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में 21 साल और केंद्र में 12 साल से भाजपा की हुकूमत चल रही है, फिर भी नेपाल से आने वाली बाढ़ के मुद्दे पर अब तक कोई बैठक नहीं हुई।

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि जब तक इसका स्थायी हल नहीं निकाला जाता, तब तक यह समस्या हर साल दोहराई जाती रहेगी। उन्होंने सवाल किया कि सरकार बाढ़ के प्रति इतनी उदासीन क्यों है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने बिहार में बाढ़ की स्थिति पर कहा, नेपाल बाढ़ को लेकर हमने अपनी बात रखी है और बिहार में कई जगह गंगा नदी का जलस्तर बढ़ता जा रहा है तो सरकार से आग्रह है कि सारी तैयारी पूरी कर ली जाए। ताकि बाढ़ की स्थिति जब हो तो आम लोगों को दिक्कत न हो और उसको लेकर प्रतिदिन हम फीडबैक ले रहे हैं

लेकिन नेपाल में जो तबाही जो आई है जिस तरह से दृश्य हमने देखा है उसको देखते हुए हम लोग को अलर्ट रहने की जरूरत है और बाढ़ का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मुद्दा है। उन्होंने बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि, बीजेपी की सरकार बिहार में 21 साल से है और 12 साल से केंद्र में है अभी तक नेपाल बाढ़ के संबंध में कोई बैठक नहीं हुई है। इसका जब तक स्थायी समाधान नहीं आ जाएगा तब तक ये हर साल देखने को मिलेगा। सरकार बाढ़ को लेकर गंभीर क्यों नहीं है।

प्रधान के बेटे ने खुद को मारी गोली, मौत

चंदौली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुरा गांव के ग्राम प्रधान अशोक सिंह के पुत्र शिवम उत्कर्ष ने गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में खुद को गोली मार ली। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी होते ही स्वजन में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में परिजन उसे उपचार के लिए ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां उसकी मौत हो गई बताया जा रहा है कि शिवम उत्कर्ष ने अपने घर में ही खुद को गोली मारी। गोली चलने की आवाज सुनकर स्वजन मौके पर पहुंचे तो वह घायल अवस्था में पड़ा था। परिजन तत्काल उसे लेकर अस्पताल रवाना हुए।

घटना की सूचना पुलिस को भी दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई। पुलिस ने घटनास्थल की जानकारी लेने के साथ ही स्वजन से घटना के संबंध में पूछताछ की। अभी तक गोली मारने के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। शिवम की हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार चल रहा है।

'भोजपुरी बवाल' पर संग्राम

तेज प्रताप ने मोतीलाल राय पर लगाया धमकी का आरोप

पटना, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव से जुड़े 'भोजपुरी बवाल' कार्यक्रम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पार्टी की ओर से जारी एक बयान में पूर्व सहयोगी मोतीलाल राय पर जियोहॉटस्टार की टीम और अधिकारियों को फोन कर कार्यक्रम का प्रोमो रुकवाने के लिए दबाव बनाने और धमकी देने का आरोप लगाया गया है। पार्टी ने कहा है कि मोतीलाल राय को पहले ही जनशक्ति जनता दल से निष्कासित किया जा चुका है।

इसके बावजूद उनके खिलाफ लगातार गंभीर शिकायतें और आरोप सामने आते रहे हैं। पार्टी का दावा है कि तेज प्रताप यादव से नजदीकी का फायदा उठाकर मोतीलाल राय ने विश्वासघात किया। जनशक्ति जनता दल के मुताबिक, मोतीलाल राय कथित तौर पर जियोहॉटस्टार के अधिकारियों को फोन कर 'भोजपुरी बवाल' के प्रोमो और प्रसारण को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं। पार्टी ने प्रशासन से इस पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। बयान में यह भी आरोप लगाया गया है कि जय सिंह राठौर, जो पहले जनशक्ति जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं, ने भी कथित तौर पर मोतीलाल राय के इशारे पर जियोहॉटस्टार के अधिकारियों से संपर्क किया और प्रसारण रोकने के लिए दबाव बनाया। पार्टी की ओर से कहा गया है कि तेज प्रताप यादव की बढ़ती लोकप्रियता और जनसमर्थन से घबराकर इस तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। बयान में मोतीलाल राय पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने और विरोधियों के साथ मिलकर काम करने के भी आरोप लगाए गए हैं। महुआ विधानसभा चुनाव के दौरान तेज प्रताप के खिलाफ काम करने और आर्थिक अनियमितताओं से जुड़े आरोपों का भी जिक्र किया गया है।

सीआइएसएफ जवान की ट्रेन हादसे में मौत, देनी थी दिल्ली पुलिस की शारीरिक परीक्षा

अलीगढ़, 27 अगस्त (एजेंसियां)। टप्पल क्षेत्र के गांव सालपुर निवासी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) के जवान विवेक डागुर (23) की गुरुवार सुबह अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन हादसे में मौत हो गई।

विवेक ओडिशा में सीआइएसएफ में तैनात थे और दिल्ली पुलिस की शारीरिक परीक्षा में शामिल होने के लिए घर आ रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ट्रेन से उतरते समय हादसा हुआ। विवेक डागुर पुत्र गुलवीर डागुर दो भाइयों में बड़े थे।

अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरते समय वह हादसे का शिकार हो गए। परिवार में विवेक के छोटे भाई अभिषेक डागुर भी करीब छह माह पहले सीआइएसएफ में भर्ती हुए हैं। वह वर्तमान में चेन्नई में प्रशिक्षण ले रहे हैं। भाई के हादसे की जानकारी से अनजान अभिषेक गांव के लिए रवाना हो रहे हैं।

स्वजन को भी घटना की जानकारी दिए जाने की प्रक्रिया चल रही है। विवेक की मौत की खबर से गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

वीआईपी स्टे होम से आठ महिलाओं के साथ सात युवक हिरासत में, देह व्यापार की सूचना निकली सच

पटना, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भोजपुर जिले के नवादा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक स्टे होम पर छापेमारी कर 15 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, यहां संदिग्ध गतिविधियां संचालित होने की सूचना मिली थी। कार्रवाई के दौरान स्टे होम से आठ महिलाओं और सात युवक शामिल हैं। सभी बालिक हैं। पुलिस ने मौके से कुछ आपत्तिजनक सामान भी बरामद किए हैं। कार्रवाई के दौरान स्टे होम के संचालक को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में प्रतिष्ठान के पास आवश्यक लाइसेंस नहीं होने की बात भी सामने आई। इसके बाद दंडाधिकारी की मौजूदगी में स्टे होम को सील कर दिया गया। पुलिस को नवादा थाना क्षेत्र में स्थित स्टे होम में संदिग्ध गतिविधियां चलने की सूचना मिली थी।

इसके बाद पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित के निर्देश पर कार्रवाई की योजना बनाई गई। प्रशिक्षु महिला डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दंडाधिकारी की मौजूदगी में स्टे होम में प्रवेश कर जांच की। पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान कई लोग वहां मिले। इसमें से कुछ को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यहां कथित तौर पर चल रही गतिविधियां कब से संचालित थीं और इसमें अन्य लोगों की कोई भूमिका थी या नहीं? हालांकि स्थानीय लोग संचालक पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

नेपाल में बाढ़ के बाद बिहार और उत्तर प्रदेश ने सीमावर्ती इलाकों में अलर्ट जारी किया

पटना/लखनऊ, 27 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण बिहार और उत्तर प्रदेश ने पड़ोसी देश से सटे जिलों में निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारी नदियों के जलस्तर पर नजर रख रहे हैं और संभावित बाढ़ के लिए तैयारी कर रहे हैं। बिहार ने उत्तर बिहार के नौ जिलों में अलर्ट जारी किया है क्योंकि नेपाल से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने से गंडक और कोसी नदियों का जलस्तर बढ़ने की आशंका है।

पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल और खगड़िया के लिए हाई अलर्ट जारी किया गया है। एनडीआरएफ की टीमें तैनात कर दी गई हैं, जबकि जलस्तर बढ़ने के साथ ही पश्चिमी चंपारण में गंडक नदी पर बने वाल्मीकिनगर बैराज पर कड़ी नजर रखी जा रही है। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने जिलाधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों और जल संसाधन विभाग के इंजीनियरों के साथ एक ज़रूरी वीडियो कॉन्फ्रेंस की। विभाग ने फील्ड कर्मचारियों, इंजीनियरों और तटबंधों की निगरानी करने वाली टीमों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। अधिकारियों ने पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, सारण और वैशाली में तैयारियां तेज करने को भी कहा गया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि ज़रूरत पड़ने पर वह वाल्मीकिनगर का दौरा करेंगे। उपमुख्यमंत्री और जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि नेपाल के रसुवा जिले से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद बुधवार को स्थिति बिगड़ गई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी बिहार के मुख्यमंत्री से बात की और उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। सार्वजनिक घोषणाओं के जरिए पश्चिमी चंपारण के नौतन, बैरिया, योगपट्टी और लौरिया ब्लॉक के निवासियों को सतर्क किया गया है।

'इसमें नई खबर क्या है' नेपाल में बाढ़ से बिहार में जलप्रलय की आहट के बीच ये क्या बोल गए प्रशांत किशोर

पटना, 27 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल में अचानक आई फ्लैश फ्लड के बाद बिहार में गंडक नदी को लेकर चिंता बढ़ गई है। नेपाल से आने वाले पानी के कारण गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि की आशंका को देखते हुए बिहार सरकार और आपदा प्रबंधन विभाग अलर्ट मोड में हैं। नेपाल से सटे जिलों में प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने और रात में भी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। बाढ़ की संभावित स्थिति को देखते हुए मुख्य सचिव लगातार आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं।

नेपाल सीमा से सटे बिहार के जिलों में अधिकारियों को नाइट पेट्रोलिंग करने और स्थानीय स्तर पर लोगों को सतर्क रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन की नजर नदियों के जलस्तर और नेपाल से आने वाले पानी के प्रवाह पर बनी हुई है। इसी बीच जन सुराज के संस्थापक और बांकीपुर के विधायक प्रशांत किशोर का बाढ़ के मुद्दे पर बयान सामने आया है। मीडिया कर्मियों ने जब उनसे नेपाल में बाढ़ से हुई मौतों और बिहार में मंडरा रहे संकट को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि इसमें नई खबर क्या है? प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में हर साल बाढ़ का संकट आता है।

10 करोड़ की चरस का रक्सौल कनेक्शन! मुंबई की एंटी-नारकोटिक्स सेल की टीम पहुंची बिहार, सरगना गिरफ्तार

रक्सौल, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने बांद्रा टर्मिनस के पास 10 करोड़ रुपए की चरस बरामदगी के मामले में मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मुंबई पुलिस ने गुरुवार को बताया कि आरोपी नेपाल भागने की तैयारी कर रहा था। मुंबई पुलिस के अनुसार, 17 अगस्त को वर्ली यूनिट की एक टीम ने बांद्रा टर्मिनस के पास एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और उसके पास से 10 किलो से अधिक चरस बरामद की। जानकारी के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 10 करोड़ रुपए से अधिक है। इस मामले में निर्मल नगर पुलिस थाने में केस दर्ज किया गया था।

गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के दौरान उसने उस व्यक्ति के बारे में जानकारी दी, जिसने यह चरस सप्लाई की थी। इसके बाद आरोपी की तलाश के लिए वर्ली यूनिट की टीम को बिहार भेजा गया। 23 अगस्त को टीम बिहार के रक्सौल जिले में पहुंची। इसके बाद पुलिस की तलाश की गई। मुंबई पुलिस ने बताया कि बिहार की स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी को पूर्वी चंपारण से गिरफ्तार किया गया। वह नेपाल भागने की तैयारी कर रहा था।

पिछले हफ्ते मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह के पास स्थित कंटेनर फ्रेट स्टेशन (सीएफएस) के पास 55 किलोग्राम मेथाम्फेटामाइन जब्त किया गया, जिसकी लागत 300 करोड़ बताई गई। इस मामले में आईएसआई से जुड़ा तस्कर हुसैन दाद संदेह के घेरे में आया। हुसैन के बारे में बताया जाता है कि उसका भारत के नशे के बाजार में दबदबा है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स के बाजार से भी उसका पुराना नाता रहा है। वह मूल रूप से अफगानिस्तान के कंधार का रहने वाला है। मौजूदा समय में वह इंटर-सर्विस इंटेलिजेंस का हिस्सा बनकर पाकिस्तान को मदद पहुंचाने का काम कर रहा है।

हत्या की फिरौती लेने वाले 24 घंटे में छूटे

लखनऊ, 27 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ में नदवा कॉलेज के मौलाना इरफान अहमद रिजवी हत्या की साजिश में गिरफ्तार तीन आरोपी जेल जाने के 24 घंटे के अंदर ही बाहर आ गए। हजरतगंज पुलिस ने 21 अगस्त को हत्या का खुलासा किया। मामले में मोहम्मद फरहान सिद्दीकी, सोहेल अहमद सिद्दीकी और अमन कुरैशी को गिरफ्तार किया गया। एडीसीपी जितेंद्र दुबे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी थी।

कोर्ट ने तीनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा था। लेकिन अगले ही दिन जमानत मिलने के बाद वे जेल से बाहर निकल आए। यहां आरोपियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया। उन्होंने वीडियो बनवाया और काफिले के साथ घर रवाना हो गए। पुलिस को इसका पता स्वागत के वीडियो से चला।

पुलिस के मुताबिक, जमानत देने से पहले पुलिस से केस डायरी या रिपोर्ट तक नहीं मांगी गई। पुलिस का पक्ष रखने के लिए नोटिस भी नहीं दिया गया और बेल बॉन्ड का वेरिफिकेशन भी नहीं हुआ। तीनों आरोपियों पर 24 से ज्यादा मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं। अब पुलिस दोबारा मामले की जांच में जुट गई है।

एक लाख नौकरी के ऐलान पर मायावती ने उठाए सवाल

योगी सरकार से की 30 हजार स्कूल खोलने की मांग

लखनऊ, 27 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज होती दिख रही है। एक ओर योगी सरकार ने अगले छह महीने में एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का एलान किया है, तो दूसरी ओर बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस घोषणा को सही लेकिन देर से उठाया गया और चुनावी कदम बताया है। मायावती ने सरकार से बंद किए गए करीब 30 हजार सरकारी स्कूलों को दोबारा सक्रिय करने और शिक्षक भर्ती को लेकर आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों की मांग पर भी सहानुभूतिपूर्वक विचार करने की अपील की है। मायावती ने कहा कि अगले छह महीने में एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने की घोषणा सही निर्णय है, लेकिन यह कदम चुनावी ज्यादा लगता है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि इन नियुक्तियों को पेपरलीक और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं से मुक्त रखते हुए समय पर पूरा किया जाएगा, ताकि यह घोषणा चुनावी छलावा साबित न हो।

साथ ही उन्होंने एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के आरक्षित पदों के बैकलॉग पर भर्ती को लेकर भी सरकार से स्पष्ट घोषणा की अपेक्षा जताई। बसपा सुप्रीमो ने 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण के नियमों को लेकर आंदोलन कर रहे 6,800 अभ्यर्थियों का भी मुद्दा उठाया।उन्होंने कहा कि ये अभ्यर्थी अपनी नियुक्ति की मांग को लेकर लगातार भूखे-प्यासे आंदोलन कर रहे हैं। मायावती ने सरकार से उनके मामले पर पूरी सहानुभूति के साथ विचार करने की अपील की और कहा कि उन्हें वास्तविक राहत सरकार ही दे सकती है। मायावती ने स्कूली शिक्षा की बदहाल व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीएसपी उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश में स्कूली शिक्षा की स्थिति सुधारने की मांग लगातार करती रही है।

उन्होंने सरकार से प्रदेश में बंद किए गए लगभग 30 हजार सरकारी स्कूलों को अविलंब दोबारा अच्छे तरीके से सक्रिय करने की व्यवस्था करने की अपील की। उनके मुताबिक, ऐसा कदम जनहित में होगा। मायावती ने महिलाओं के मुद्दे पर भी सरकार से सही नीयत और नीति के साथ काम करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग महिलाओं को बसों में निशुल्क यात्रा जैसी सुविधाओं से कहीं अधिक जरूरी है कि महिलाओं को हर क्षेत्र में शोषण, अत्याचार और उत्पीड़न से बचाया जाए।

विरोध नहीं, मौसम के चलते टली थी अखिलेश की सहारनपुर रैली? फिर तय हुआ कार्यक्रम

लखनऊ, 27 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल में तल्खी के बीच समाजवादी पार्टी ने सहारनपुर में 6 सितंबर को प्रस्तावित रैली स्थगित कर दिया था, जिसके बाद कयासों का दौर शुरू हो गया। रालोद ने दावा किया कि ऐसा जयंत चौधरी पर उनकी चवन्नी वाली टिप्पणी के बाद जाटों की नाराजगी के चलते किया गया। लेकिन, कुछ ही घंटों में सपा मुखिया के सहारनपुर दौरे का नया शेड्यूल जारी कर दिया गया।

समाजवादी पार्टी ने दोपहर में 6 सितंबर की रैली के रद्द होने की घोषणा की और शाम होते-होते अखिलेश यादव के सहारनपुर दौरे का नया शेड्यूल भी जारी कर दिया। सपा मुखिया अब दो सितंबर को सहारनपुर जाएंगे और राष्ट्रीय महासचिव चौधरी रुद्रसेन के आवास पर पहुंचेंगे। कार्यक्रम के मुताबिक अखिलेश यादव दोपहर 12.45 बजे से 1.45 बजे तक यहां रहेंगे। अखिलेश यादव के इस दौरे को लेकर प्रदेश में एक बार फिर से सियासी माहौल गर्म हो गया है। सियासी जानकारों में सपा की रैली रद्द होने के कारणों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। कई लोग इसे पार्टी की अंदरुनी कलह से भी जोड़कर देख रहे हैं। वहीं राष्ट्रीय लोकदल ने इस रैली के रद्द होने के पीछे अखिलेश यादव के 'चवन्नी से रुपया' बनाने वाले बयान को जिम्मेदार बताया। रालोद प्रवक्ता और जयंत चौधरी के करीबी नेता रोहित चौधरी ने दावा किया कि अखिलेश यादव की चौधरी परिवार पर की गई टिप्पणी से जाट समाज में नाराजगी थी।

कड़े विरोध को देखते हुए सपा ने सहारनपुर आने से मना कर दिया था। उन्होंने कहा कि चौधरी परिवार पर की गई टिप्पणी के बाद 36 बिरादरी ने रैली के विरोध का निर्णय लिया है। चौधरी परिवार हमारा सम्मान है। उस पर टिप्पणी करोगे तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पैर रखने नहीं देंगे। दरअसल समाजवादी पार्टी ने ऐलान किया कि अखिलेश यादव की सहारनपुर में 6 सितंबर को प्रस्तावित रैली को खराब मौसम और बारिश की संभावना के चलते टाल दिया गया है। सपा नेता चौधरी रुद्रसैन ने कहा कि आगे रैली की नई तिथि को राष्ट्रीय अध्यक्ष से बातचीत के बाद जारी किया जाएगा। सपा अक्टूबर के आखिर या नवंबर महीने के पहले सप्ताह में रैली आयोजित कर सकती है।

मासूम की हत्या: एनकाउंटर की मांग पर 36 घंटे अड़ी रही मां, सांसद के समझाने पर हुआ अंतिम संस्कार

नोएडा, 27 अगस्त (एजेंसियां)। नोएडा में सेक्टर-54 के जंगल में बुलाकर दो हजार रुपये लेनदेन के विवाद में दोस्तों ने 16 अगस्त को सेक्टर-20 के किशोर की हत्या मामले में दिनभर उसकी मां सेक्टर-94 स्थित मोर्चरी के बाहर डटी रही। पुलिस, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से लेकर हिंदू संगठन के पदाधिकारियों के पहुंचने पर आरोपियों के एनकाउंटर की रट लगाए रही।

पुलिस अधिकारियों के काफी प्रयास के बाद भी महिला ने शव नहीं लिया। पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाए। देर शाम को सांसद महेश शर्मा ने पहुंचकर न्याय और आर्थिक मदद दिलाने का आश्वासन दिया। करीब 36 घंटे बाद किशोर की मां शव लेने के लिए मानी। परिजनों ने रात करीब साढ़े आठ बजे ओखला पक्षी विहार श्मशान घाट में शव का अंतिम संस्कार किया। पुलिस ने हत्या करने में शामिल एक समुदाय विशेष के दो भाई समेत तीन आरोपी किशोर को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। हंगामे की आशंका के चलते आसपास के थाने की पुलिस के अलावा पीएसी को भी तैनात रही। हिंदू संगठन के लोगों ने विशेष समुदाय के आरोपी होने को लेकर भड़काऊ

टिप्पणियां भी कीं। अपर पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्र, डीसीपी साद मियां खान, एडीसीपी मनीषा सिंह समेत सर्किल के अधिकारी भी मौजूद रहे।

घर लौटने के बाद अगले दिन तीनों अलग-अलग शाहजहांपुर और उत्तराखंड भाग गए थे। जबकि किशोर की मां का आरोप है कि बेटे को कमरे पर बुलाकर चाकू मार थे। उसके हाथ-पैर काटकर बोरे में बंद कर जंगल में फेंका था। पुलिस ने गला दबाकर मौत होने और चोट के निशान होने से इनकार किया है। आगे की जांच के बाद स्पष्ट होने की उम्मीद है।

तिब्बत-नेपाल त्रासदी: दलाई लामा ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की

धर्मशाला, 27 अगस्त (एजेंसियां)। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने नेपाल के रसुवा इलाके और तिब्बत के कीरोंग में आई विनाशकारी बाढ़ से हुई जनहानि पर दुख जताया है। गुरुवार को उन्होंने एक बयान जारी कर अपनी भावनाएं व्यक्त की। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता ने एक बयान में कहा, नेपाल के रसुवा क्षेत्र और तिब्बत के कीरोंग में विनाशकारी बाढ़ के बारे में जानकर मुझे दुख हुआ है। इस आपदा की वजह से कई लोगों ने जान गंवाई और भारी संरचनात्मक क्षति हुई।

मैं उन सभी लोगों के लिए प्रार्थना करता हूं जिन्होंने अपनी जान गंवाई है, और शोक संतप्त और इस त्रासदी पीड़ित सभी लोगों के प्रति अपनी सहानुभूति और हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि चूंकि इस क्षेत्र ने पहले भी आपदाएं देखी हैं, ये निश्चित रूप से एक गहरे अंतर्निहित कारण के लक्षण हैं। वो चाहे जलवायु परिवर्तन हो या अन्य कारक। बुजुर्ग बौद्ध भिक्षु ने कहा, मुझे उम्मीद है कि जहां भी संभव हो, उचित अनुवर्ती (फॉलोअप) उपाय किए जाएंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसी आपदाएं दोबारा न हों। तिब्बती क्षेत्र से होते हुए बाढ़ सीमा पार भोटेकोशी नदी पहुंच गई, और नेपाल में विनाश का निशान छोड़ गई। नेपाल पुलिस ने कहा कि भोटेकोशी फ्लैश फ्लड में बह गए 162 लोगों के शव गुरुवार सुबह तक बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस ने कहा कि रसुवा, नुवाकोट, धाडिंग, चितवन, गोरखा, तनहु, नवलपरासी (पूर्व) और नवलपरासी पश्चिम सहित भोटे कोशी और त्रिशूली नदी प्रणालियों के साथ कई निचले जिलों में नदी के किनारों से शव और कुछ अंग बरामद किए गए हैं।

अधिकांश शव नेपाल के दक्षिणी मैदानी इलाके चितवन में बरामद किए गए। नेपाल सरकार ने कहा कि विदेशी नागरिकों सहित सैकड़ों लोगों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। बुधवार देर शाम जारी एक बयान में, प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि नेपाल सेना के 44 जवान, विभिन्न पुलिस चौकियों पर तैनात नेपाल पुलिस के 28 जवान और आपदा ग्रस्त क्षेत्र में तैनात 13 सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के जवानों से संपर्क नहीं हो पाया है।

इसी तरह, 391 विदेशी पर्यटक और 93 नेपाली पर्यटक आपदा के बाद संपर्क से बाहर हो गए हैं। अधिकारियों ने भी 133 भारतीयों के लापता होने की पुष्टि की है।

अब पंजाब में नहीं बिकेगा एनालॉग पनीर, उत्पादन से परिवहन तक पर रोक; नियम तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

चंडीगढ़, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब सरकार ने लोगों के स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्य में एनालॉग यानी गैर डेयरी पनीर के उत्पादन, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री पर एक साल के लिए पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार ने यह आदेश खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 30(2)(ए) के तहत जारी किया है। सरकार के आदेश के बाद एनालॉग पनीर से जुड़े कारोबार पर तत्काल प्रभाव से रोक रहेगी।

इसका उत्पादन करने, गोदाम में रखने, एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने, वितरण करने या बेचने पर खाद्य सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों पर संबंधित अधिकारी नियमानुसार कार्रवाई करेंगे। एनालॉग पनीर असली दूध से तैयार होने वाले पनीर से अलग होता है। इसेदूध के बजाय वनस्पति तेल, वसा, स्टार्च और अन्य सामग्री का इस्तेमाल कर कृत्रिम तरीके से तैयार किया जाता है।

10 दिन में दूसरी बार ईडी दफ्तर पहुंचीं आईएएस कंवलप्रीत बराड़

मोहाली आवासीय परियोजना मामले में हो रही है पूछताछ

जालंधर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मोहाली की एक बड़ी आवासीय परियोजना से जुड़ी कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में आईएएस अधिकारी कंवलप्रीत कौर बराड़ वीरवार को दस दिन में दूसरी बार जालंधर स्थित प्रवर्तन निदेशालय के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचीं। वह सुबह करीब 10 बजे कार्यालय पहुंचीं और बिना किसी से बातचीत किए सीधे अंदर चली गईं। प्रवर्तन निदेशालय की जांच में मोहाली की उक्त परियोजना में भूमि उपयोग परिवर्तन यानी सीएलयू की मंजूरी से संबंधित अनियमितताओं की बात सामने आई थी।

जिन मंजूरियों को लेकर जांच चल रही है, उस समय कंवलप्रीत कौर बराड़ संबंधित पद पर तैनात थीं। इसी कारण उनसे मामले को लेकर पूछताछ की जा रही है। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने कंवलप्रीत कौर बराड़ को 18 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया था। उस दिन उनसे करीब आठ घंटे तक पूछताछ हुई थी।

इसके बाद अब दस दिन के भीतर दूसरी बार उन्हें जांच में शामिल होने के लिए बुलाया गया है। अधिकारी के दूसरी बार प्रवर्तन निदेशालय कार्यालय पहुंचने से मामले की जांच को लेकर फिर चर्चा तेज हो गई है।

हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वीरवार को उनसे किन बिंदुओं पर पूछताछ की जानी है और पूछताछ कितनी देर चलेगी। इस मामले में उस समय तैनात रहे कुछ अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को भी जांच के दायरे में रखा गया है। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से परियोजना से जुड़ी मंजूरियों और उससे संबंधित दस्तावेजों की जांच की जा रही है। कंवलप्रीत कौर बराड़ के कार्यालय पहुंचने के दौरान उन्होंने मीडिया से कोई बातचीत नहीं की।

तमिलनाडु के सात जिलों में मध्यम बारिश की संभावना, कई इलाकों में तापमान बढ़ने के आसार

चेन्नई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के सात जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। साथ ही, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों में राज्य के उत्तरी अंदरूनी इलाकों में तापमान बढ़ सकता है।

मौसम विभाग ने अपने ताजा मौसम बुलेटिन में बताया कि तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में वायुमंडल की निचली परतों में कम दबाव का एक कमजोर क्षेत्र बना हुआ है। इसके प्रभाव से चेंगलपट्टू, विल्लुपुरम, कुड्डालोर, कल्लाकुरिची, तिरुचि, अरियालुर और पेरम्बलुर जिलों में कुछ जगहों पर दिन के दौरान मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

डेल्टा जिलों में भी कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। पूर्वानुमान है कि बारिश पूरे इलाके में एक साथ न होकर छिटपुट होगी और आस-पास के इलाकों में मौसम की स्थिति अलग-अलग हो सकती है। विभाग ने कहा कि शुक्रवार से 30 अगस्त तक पश्चिमी घाट के पास स्थित जिलों में एक या दो जगहों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान तमिलनाडु के बाकी हिस्सों में बारिश की गतिविधि काफी कम रहने की उम्मीद है। जहां राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश की तैयारी हो रही है, वहीं उत्तरी अंदरूनी जिलों में मौसम गर्म हो सकता है। गुरुवार से 30 अगस्त के बीच इन इलाकों में अधिकतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इस बढ़ोतरी से खासकर दोपहर के समय गर्मी और बेचैनी हो सकती है।

लोगों को सलाह दी गई है कि वे मौसम की अलग-अलग स्थितियों के लिए तैयार रहें। छिटपुट बारिश से गर्मी से अस्थायी राहत मिल सकती है। हालांकि, इससे पूरे राज्य में तापमान में व्यापक गिरावट आने की संभावना नहीं है। चेन्नई में दिन के दौरान आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। शाम या रात के समय शहर और उसके आसपास के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है। हालांकि, पूरे महानगर क्षेत्र में बारिश एक समान होने की संभावना नहीं है।

आईआईटी दिल्ली सुसाइड केस

छात्र की मौत मामले में रिटायर्ड जज करेंगी जांच

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। आईआईटी दिल्ली ने एमएससी छात्र की आत्महत्या के बाद विरोध प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी रहा। इस बीच हत्या की जांच के लिए गठित समिति का पुनर्गठन किया गया है। अधिकारियों ने गुरुवार (27 अगस्त) को बताया कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दिल्ली ने एक छात्र की मौत के आसपास की परिस्थितियों की जांच के लिए गठित बाहरी जांच पैनल का दोबारा से गठन किया है, जिसकी अध्यक्षता दिल्ली हाईकोर्ट से रिटायर्ड जज मुक्ता गुप्ता करेंगी। आईआईटी-दिल्ली के एक छात्र की मौत की परिस्थितियों की जांच के लिए गठित समिति के अध्यक्ष पद से उत्तराखंड के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अशोक कुमार ने खुद को अलग कर लिया है।

इसके बाद आईआईटी दिल्ली ने अब दूसरी का टीम गठन कर रिटायर्ड जज को इस मामले की जांच करने के लिए चुना है। छात्र की मौत के बाद कैंपस में लगातार चौथे दिन भी छात्रों का प्रदर्शन जारी है। इस बीच संस्थान ने नई समिति का गठन किया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली ने एमएससी फिजिक्स के 31 वर्षीय छात्र की मौत की परिस्थितियों की जांच के लिए मंगलवार को पांच सदस्ईय समिति गठित की थी। यह कदम आक्रोशित छात्रों के परिसर में प्रदर्शन करने के बाद उठाया गया था। छात्रों के विरोध के चलते प्रशासन ने सोमवार को कक्षाएं स्थगित करने का आदेश दिया था। समिति में उत्तराखंड के पूर्व पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार (जो आईआईटी-दिल्ली के पूर्व छात्र और हरियाणा खेल विश्वविद्यालय के कुलपति हैं) और एम्स, नई दिल्ली में मनः चिकित्सा विभाग के प्रमुख प्रताप शर्मा शामिल हैं। इसके अलावा, दो छात्र प्रतिनिधि और आईआईटी-दिल्ली के रजिस्ट्रार भी बाहरी जांच समिति का हिस्सा थे।

एक सूत्र ने कहा, अशोक कुमार ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए समिति से खुद को अलग कर लिया है। जल्द ही नई समिति की घोषणा की जाएगी।₹ अधिकारियों ने बताया कि संस्थान परिसर में पिछले सप्ताह कथित तौर पर एक इमारत से छलांग लगाने वाले छात्र की मौत के मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है।

बाढ़ के एक साल बाद भी जम्मू-कश्मीर का एक गाँव लापता लोगों का इंतज़ार कर रहा है

श्रीनगर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी किश्तवाड़ ज़िले के चेसोटी गाँव में बादल फटने से आई ज़बरदस्त बाढ़ के एक साल से ज़्यादा समय बीत जाने के बाद भी, 30 लोग अभी भी लापता हैं। साथ ही, प्रशासन की ओर से उनके परिवार वालों को अब तक कोई मुआवज़ा नहीं दिया गया है। पिछले साल 14 अगस्त को बादल फटने से आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी। इसने मचैल यात्रा मार्ग पर बने घरों, एक कम्युनिटी किचन (लंगर), गाड़ियों और दूसरे बुनियादी ढाँचों को बहा दिया था। जिस जगह बादल फटा था, वहाँ मौजूद बड़े पत्थरों को सेना ने नियंत्रित धमाकों से तोड़ा और शवों की तलाश के लिए मलबा हटाया। जम्मू के एक्टिविस्ट रमन शर्मा की आरटीआई अर्ज़ी के जवाब में सरकार ने बताया कि चेसोटी गाँव में बादल फटने और बाढ़ आने के बाद 63 लोगों के शव बरामद किए गए थे। सरकार ने बताया कि 30 लोग अभी भी लापता हैं और उनके शव अभी तक नहीं मिले हैं।

बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय का बयान-चीनी और महंगी होनी चाहिए

90% लोगों ने मीठा खाना छोड़ा

भोपाल, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री और बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय ने चीनी की बढ़ती कीमतों को लेकर एक अजीबोगरीब बयान दिया है। उन्होंने कहा कि चीनी बड़ों के लिए महंगी और बच्चों के लिए सस्ती होनी चाहिए। विजयवर्गीय ने इसके पीछे ये तर्क दिया कि चीनी बुजुर्गों के स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा करती है। उन्होंने ये भी कहा कि 40 साल से अधिक उम्र के लोग चीनी खाना पूरी तरह से बंद कर दें।

योहारों से पहले जरूरी चीजों के महंगे होने की चिंता लोगों में बढ़ रही है। इसी बीच विजयवर्गीय के बयान से राजनीतिक विवाद पैदा हो गया है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आजकल 90 फीसदी लोग मीठा खाना छोड़ दिए हैं। मैं तो कहता हूं कि चीनी और महंगी हो जानी चाहिए। बुजुर्गों को तो देना ही नहीं चाहिए। 40 साल से ऊपर के लोगों का चीनी खाना डॉक्टर अच्छी नहीं मानता। उन्होंने सुझाव दिया कि कीमत बढ़ाकर बड़े लोगों को चीनी कम खाने के लिए मजबूर किया जाए। चीनी सिर्फ बच्चों के लिए सस्ती रखी जाए। विजयवर्गीय ने कहा कि सरकारी राशन की दुकानों पर चीनी सिर्फ बच्चों के लिए सस्ती रहे। उन्होंने कहा कि खुले बाजार में चीनी की कीमतें बहुत बढ़ा देनी चाहिए, ताकि बड़े लोग इसे न खरीदें।

विपक्षी नेताओं ने उनके इस बयान पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया कि त्योहारों के समय में जरूरी चीजों की महंगाई को वे हल्के में ले रहे हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इन टिप्पणियों की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री मिडिल क्लास और गरीब परिवारों का मजाक उड़ा रहे हैं। ये परिवार अभी रसोई के बढ़ते खर्चों से परेशान हैं। मंत्री का यह बयान उस समय आया जब देशभर के बाजारों में कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

थलपति विजय ने उठाया बड़ा कदम

15 जोन में चेन्नई को बांटकर तमिलनाडु के हर एक मंत्री को बनाया सुपरवाइजर

चेन्नई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन (जसीसी) के सभी 15 जोन में विकास परियोजनाओं की बारीकी से निगरानी करने और शहर भर में कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए मंत्रियों को नियुक्त किया है। चेन्नई जिले के प्रभारी मंत्री आधव अर्जुन मंत्रियों की गतिविधियों में तालमेल बिठाएंगे और कॉर्पोरेशन की सीमा के भीतर सरकारी कार्यक्रमों के व्यापक कार्यान्वयन की देखरेख करेंगे।

इस व्यवस्था का उद्देश्य विभागों के बीच समन्वय को मजबूत करना, नागरिक परियोजनाओं में तेजी लाना और जोन स्तर पर योजनाओं की बेहतर निगरानी सुनिश्चित करना है। सरकार द्वारा की गई नियुक्ति के तहत, हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती मंत्री रमेश को उत्तरी चेन्नई में तिरुवोट्टियूर (जोन 1) और मनाली (जोन 2) का प्रभार दिया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल सेवा मंत्री टी। लोकेश तमिलसेल्वन माधववरम (जोन 3) और टोंडियारपेट (जोन 4) की निगरानी करेंगे।

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और परिवार कल्याण मंत्री डॉ। केजी अरुणराज को रोयापुरम (जोन 5) और थिरु-वी-का नगर (जोन 6) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हथकरघा, कपड़ा और खादी मंत्री एम। विजय बालाजी तीन जोन-अंबाटूर (जोन 7), अन्ना नगर (जोन 8) और तेयनमपेट (जोन 9)-की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनके प्रभार वाले क्षेत्रों में शहर के पश्चिमी इलाकों से लेकर महत्वपूर्ण केंद्रीय क्षेत्र तक शामिल हैं। पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ। टीके बीजू कोडंबक्कम (जोन 10) और वलसरवक्कम (जोन 11) की देखरेख करेंगे। परिवहन मंत्री विजय तमिलन पार्थिबन को अलंदूर (जोन 12) और अड्यार (जोन 13) की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सातवीं कक्षा की नूर ने पेश की मिसाल, दूसरी बार कैंसर मरीजों के लिए दान किए बाल

चंडीगढ़, 27 अगस्त (एजेंसियां)। सेवा की प्रेरणा उम्र नहीं देखती। इसका उदाहरण चंडीगढ़ की सातवीं कक्षा की छात्रा नूर सचदेवा ने पेश किया है। नूर ने कैंसर मरीजों के लिए दूसरी बार अपने बाल दान किए हैं। महज छोटी सी उम्र में नूर का यह कदम न केवल मानवीय संवेदनाओं को दर्शाता है, बल्कि उन कैंसर मरीजों के चेहरे पर मुस्कान लाने की कोशिश भी है, जो इलाज के दौरान अपने बाल खो देते हैं। नूर का कहना है कि कैंसर मरीजों को बाल न होने की वजह से अंदर से अकेलापन महसूस नहीं होना चाहिए।

इसी सोच के साथ वह दूसरी बार अपने बाल दान कर रही हैं और आगे भी ऐसा करती रहेंगी। सेक्टर-35 स्थित खालसा पब्लिक स्कूल की सातवीं कक्षा की छात्रा नूर अपने परिवार के साथ खरड़ में रहती हैं। वर्ष 2024 में भी उन्होंने कैंसर मरीजों के लिए अपने बाल दान किए थे। इस बार भी उनके बाल मुंबई के मेदांता अस्पताल भेजे जाएंगे, जहां इनसे कैंसर मरीजों के लिए विग तैयार की जाएगी। नूर का कहना है कि वह चाहती हैं कि उनकी तरह दूसरे लोग भी आगे आएं और इस मुहिम में सहयोग करें। नूर के पिता सतीश सचदेवा ने बताया कि एक बार उनकी बेटी ने कैंसर से पीड़ित एक महिला को देखा था। इलाज के दौरान महिला के सारे बाल झड़ चुके थे। इस दृश्य ने नूर को भीतर तक प्रभावित किया। उसने अपने पिता से पूछा कि क्या वह ऐसे मरीजों की मदद कर सकती है।

सतीश सचदेवा ने उसे बताया कि ऐसे मरीजों के लिए असली बालों से विग तैयार की जाती है और लोग अपने बाल दान कर इसमें सहयोग कर सकते हैं। इसके बाद नूर ने अपने बाल दान करने का फैसला किया। नूर का कहना है कि कैंसर से लड़ना अपने आप में बड़ी चुनौती है। ऐसे में अगर बाल चले जाने के कारण मरीज खुद को दूसरों से अलग या अकेला महसूस करे तो उसकी परेशानी और बढ़ सकती है। वह चाहती है कि उसके बाल किसी कैंसर मरीज के चेहरे पर फिर से आत्मविश्वास और मुस्कान ला सकें।

संघ प्रमुख के न्यूयॉर्क दौरे को लेकर संजय राउत ने कहा- लोकतंत्र में बात रखने की हो आजादी

मुंबई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के न्यूयॉर्क दौरे, ऑटो-रिक्शा चालकों और मराठी भाषा विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए संजय राउत ने कहा, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत न्यूयॉर्क जा रहे हैं। अमेरिका की ओर से उनको आमंत्रण दिया गया है। भारत की तरह अमेरिका भी लोकतांत्रिक देश है। वहां आज भी मजबूत लोकतंत्र है। वहां बोलने की आजादी को मान्यता है लेकिन हिंदुस्तान में इस पर टकराव देखने को मिल रहा है। जिस तरह से युवाओं पर पैलेट गन चलाए गए वह भी एक मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में चुनाव हैं, है ना? तो, ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर की पार्टी के प्रमुख कौन हैं? अमित शाह हैं,

और वे दिल्ली में बैठते हैं। चूंकि उत्तर प्रदेश में चुनाव होने हैं, इसलिए वे एक बार में तीन महीने की डेडलाइन देते हैं। हमारा कहना है कि उत्तर प्रदेश में ऑटो-रिक्शा चलाने वाले व्यक्ति को हिंदी आनी चाहिए। अगर वह कन्नड़ में बात करेगा, तो कैसे चलेगा? अगर वह पंजाबी में बात करेगा, तो कैसे चलेगा? वहां हिंदी आनी चाहिए। अगर कोई बंगाल में ऑटो-रिक्शा चलाता है, तो उसे बंगाली आनी चाहिए। हालांकि, महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री बार-बार पीछे हट रहे हैं। दिल्ली से संदेश आता है और वे पीछे हट जाते हैं। यह भाषा का विवाद नहीं है, यह राज्यों के बीच का विवाद नहीं है। शिवसेना नेता शाइना एनसी ने कहा, मराठी स्वाभिमान, मराठी गौरव और मराठी भाषा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। अगर आप सर्विस प्रोवाइडर हैं, तो आपको यात्रियों से मराठी में बात करने में सक्षम होना चाहिए। ऐसा नहीं है कि हमने आपको सिखाया नहीं है।

हमारे सम्मानित नेता एकनाथ शिंदे और शिवसेना ने 1.5 लाख टैक्सी ड्राइवरों को एक महीने तक मराठी की मुफ्त क्लास दी है और उन्हें सर्टिफिकेट भी दिए हैं। बीते दिनों भाजपा विधायक संजय उपाध्याय ने कहा, हमारे ऑटो-रिक्शा चालक भाई कड़ी मेहनत करते हैं; वे मुंबई की सड़कों पर पसीना बहाकर अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं और मुंबई के लोगों की सेवा करते हैं। जब सरकार ने मराठी भाषा का कामकाजी ज्ञान अनिवार्य किया, तो उन्होंने मराठी सीखी और परीक्षा पास की। अब, बिना किसी डर या हिचकिचाहट के, वे ठीक से बातचीत कर सकते हैं और मुंबई की सड़कों पर रिक्शा चला सकते हैं।

'पति की मौत के बाद बेटी-दामाद ने हड़पे 15 लाख

6 नाबालिग बच्चों की कस्टडी चाहिए' गुजरात एचसी में महिला की याचिका

अहमदाबाद, 27 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात के कच्छ से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मां अपनी ही बेटी और दामाद से अपने छह नाबालिग बच्चों की कस्टडी की मांग कर रही है। महिला ने बच्चों की कस्टडी पाने के लिए गुजरात हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। हाई कोर्ट ने सबसे बड़ी बेटी (22), दामाद और संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर 8 सितंबर तक जवाब मांगा है। महिला के वकील एए। जबुआवाला ने 'हेबियस कॉर्पस' (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका दायर की है। इससे पहले इस साल की शुरुआत में मुंद्रा की एक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने उन्हें कस्टडी देने से इनकार कर दिया था। हाई कोर्ट में दायर की गई याचिका के मुताबिक, मुंद्रा तालुका के ध्राब गांव की रहने वाली इस महिला की पहली शादी से एक बेटी है और दूसरी शादी से छह बच्चे हैं, जिनमें दो बेटे और चार बेटियां हैं।

याचिका में बताया गया है कि महिला की सबसे बड़ी बेटी ने 2023 में घर से भागकर अपने बॉयफ्रेंड से शादी कर ली थी, जिससे उनके रिश्ते खराब हो गए थे। इसमें आगे कहा गया है कि 6 जून, 2025 को महिला के दूसरे पति की मौत के बाद बेटी ने अपनी मां से सुलह कर ली और उन्हें अपने और अपने पति के साथ रहने के लिए बुलाया, लेकिन कुछ ही महीनों में रिश्ते फिर खराब हो गए। याचिका में मां ने बेटी-दामाद पर पैसों के हेरफेर का आरोप लगाया गया है। महिला ने याचिका में बताया है, 'पति की मौत के बाद याचिकाकर्ता (मां) के भरोसे और कमजोर हालत का गलत फायदा उठाते हुए, प्रतिवादी नंबर 7 (बेटी) ने धोखे से याचिकाकर्ता के बैंक खातों पर कब्जा कर लिया। महिला ने याचिका में बताया, 'याचिकाकर्ता की बेटी ने उनकी बिना मर्जी और जानकारी के, खातों में जमा पूरी रकम (लगभग 15,00,000 रुपये) निकाल ली और उसका गलत इस्तेमाल किया।' महिला का दावा है कि बाद में वह अपनी बेटी का घर छोड़कर चली गई, लेकिन उसे अपने छह बच्चों को साथ ले जाने की इजाजत नहीं दी गई। उसने आरोप लगाया है कि उसकी बेटी और दामाद ने बच्चों को वापस करने से इनकार कर दिया।

याचिका में बताए गए कोर्ट रिकॉर्ड से पता चलता है कि दिसंबर 2025 में यह मामला मुंद्रा की जेएमएफसी कोर्ट गया। वहां सीआरपीसी की धारा 97 के तहत कस्टडी और सर्च वारंट जारी करने की मांग की थी, लेकिन इस साल जनवरी में यह अर्जी खारिज कर दी गई।

'जेन जेड' और 'जेन अल्फा' अमेरिका-यूरोप का कॉन्सेप्ट, हमारा उससे कोई लेना-देना नहीं: हिमंता सरमा

गुवाहाटी, 27 अगस्त (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने 'जेन जेड' और 'जेन अल्फा' को लेकर कहा कि ये अवधारणाएं अमेरिका और यूरोप से आई हैं और भारतीय सामाजिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्था से इनका सीधा संबंध नहीं है। सोमनाथ में मीडिया से बातचीत के दौरान सीएम हिमंता सरमा ने कहा कि हमारे देश में 'जेन जेड' या 'जेन अल्फा' जैसी कोई चीज नहीं है। हमारे देश में बेटे-बेटियां, माता-पिता और दादा-दादी व नाना-नानी होते हैं। 'जेन जेड' और 'जेन अल्फा' जैसे कॉन्सेप्ट अमेरिका और यूरोप से आए हैं और हमारा उस कल्चर से कोई लेना-देना नहीं है। अपने बेटे-बेटियों की भलाई के लिए काम करना हमारा फर्ज है। अपने बच्चों को 'जेन जेड' या 'जेन अल्फा' जैसे लेबल में बांटना सही नहीं है। हमें साथ मिलकर रहना चाहिए, एक परिवार की तरह रहना चाहिए, अपने बेटे-बेटियों के लिए बिना थके काम करना चाहिए और देश को आगे बढ़ाना चाहिए। सोमनाथ मंदिर को लेकर सरमा ने कहा कि सावन के पवित्र महीने में उन्हें सोमनाथ जाने और दर्शन करने का अवसर मिला। उन्होंने यात्रा के इंतजाम के लिए सरकार का आभार जताया। सरमा ने कहा कि सोमनाथ देश के प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास जताते हुए कहा कि सोमनाथ आने वाले समय में दुनिया के प्रमुख तीर्थस्थलों में शामिल होगा।

मेयर जोहरान ममदानी पर भड़के अमेरिकी हिंदू

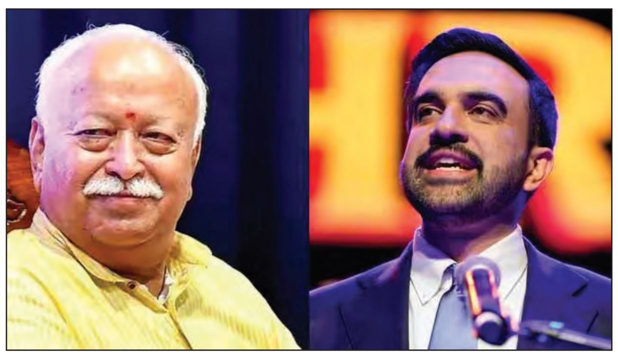

न्यूयॉर्क, 27 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के न्यूयॉर्क में कार्यक्रम का मेयर जोहरान ममदानी के विरोध करने पर अमेरिकी हिंदू भड़क उठे हैं। द हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) ने गुरुवार को अपने एक बयान सख्त सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। हिंदू संगठन ने कहा कि न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने शहर के सभी लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी की शपथ ली है। जोहरान ममदानी इसका पालन करें। इसमें वे लोग भी शामिल हैं जो मोहन भागवत के कार्यक्रम में शामिल होंगे। संगठन ने हिंदू समुदाय के लोगों से अपील की है कि वे 'सतर्क रहें।'

द हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन एक गैर लाभकारी शैक्षिक संस्था है जिसकी स्थापना साल 2003 में वॉशिंगटन में की गई थी। अपने एक्स पोस्ट में संस्था ने सदस्यों से कहा कि वे मैडिसन स्क्वायर गार्डन कार्यक्रम को लेकर अलर्ट रहें। हालात पर नजर रखें और सभ्य तरीके से बातचीत करें। इस कार्यक्रम से पहले हिंदू अमेरिकी लोगों को कई लोग टारगेट कर रहे हैं और उन्होंने इस कार्यक्रम को कैंसिल करने या उसमें बाधा डालने का प्रयास किया है। हम न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी से अपील करते हैं कि वे शहर के सभी नविासियों की सुरक्षा की अपनी ड्यूटी का पालन करें। इसमें कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोग भी शामिल हैं। ममदानी सभी लोगों की सुरक्षा और नागरिकों के अधिकारों की गारंटी दें। इस बीच अमेरिका के धार्मिक मामलों के आयोग यूएससीआईआरएफ ने भी मोहन भागवत के कार्यक्रम की भी आलोचना की है।

अमेरिकी आयोग ने आरोप लगाया कि भारत में धार्मिक स्वतंत्रता के हालात खराब हो रहे हैं। आयोग ने अमेरिका सरकार से मांग की कि वह आरएसएस के सदस्यों और भारतीय अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाए। इससे पहले अमेरिका की लोकप्रिय गायिका मैरी मिलबेन ने कहा था कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत अपने न्यूयॉर्क संबोधन को विवादों से आगे बढ़कर संगठन के कार्यों और उसके संदेश को सीधे अमेरिकी लोगों तक पहुंचाने के लिए कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'सबसे पहले मैं आरएसएस प्रमुख का अमेरिका में स्वागत करती हूं। मुझे लगता है कि जब ऐसे विवाद शुरू होते हैं तो हम किसी का अपने देश में स्वागत करने की मूल भावना को भूल जाते हैं।' मोहन भागवत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम को संबोधित करने वाले हैं। यह कार्यक्रम एकता और आपसी जुड़ाव के विषय पर केंद्रित है, लेकिन इसे लेकर शहर में राजनीतिक बहस भी शुरू हो गई है। मैरी मिलबेन ने कहा कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय से बाहर अधिकांश अमेरिकी आरएसएस के बारे में बहुत कम जानते हैं। अगर आप न्यूयॉर्क की सड़कों पर किसी आम अमेरिकी से बात करें तो उसे शायद यह भी पता नहीं होगा कि आरएसएस क्या है।

उन्होंने माना कि संगठन अतीत में कुछ विवादों का हिस्सा रहा है, लेकिन उनका कहना था कि उसके नेताओं को न्यूयॉर्क के इस कार्यक्रम का इस्तेमाल आज के समय में आरएसएस के संदेश को समझाने के लिए करना चाहिए।

सिंधु जलसंधि से निकलने से भारत को रोक नहीं सकते अंतरराष्ट्रीय कानून

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। क्या दुनिया की कोई भी अंतरराष्ट्रीय संस्था या अदालत भारत जैसे एक मजबूत और संप्रभु देश को उसके राष्ट्रीय हितों के खिलाफ जाने के लिए मजबूर कर सकती है? सिंधु जल संधि पर चल रहे हालिया विवाद ने इस सवाल का एक बेहद स्पष्ट कर दिया है कि बिल्कुल नहीं। पाकिस्तान भारत को अंतर्राष्ट्रीय अदालत और वर्ल्ड बैंक के जरिए घेरना चाहता है लेकिन भारत ने साफ कर दिया है कि 'खून और पानी साथ नहीं बह सकते।'

पाकिस्तान की शह पर अंतरराष्ट्रीय अदालतों और कथित न्यूट्रल एक्सपर्ट ने भले ही बिना भारत की भागीदारी के अपनी कार्यवाही जारी रखने का फैसला किया हो लेकिन भारत के कड़े रुख ने अंतरराष्ट्रीय कानून की सीमाओं और उसकी बेबसी की पोल खोलकर रख दी है। कैसे भारत ने अपने रणनीतिक हितों को सर्वोपरि रखते हुए इस पूरे सिस्टम को आईना दिखाया है।

पाकिस्तान की बोलती बंद?

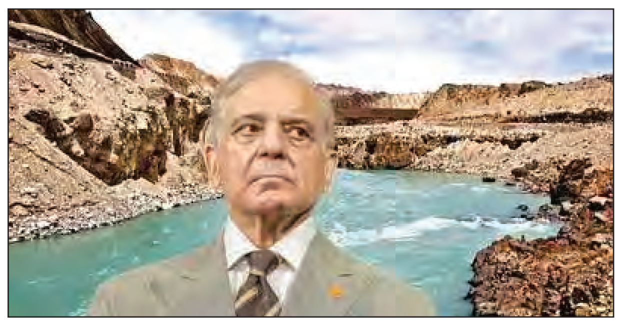

हैरानी की बात ये है कि सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान के हितों में बात करने वाले पहलगाम आतंकी हमले या उससे पहले पाकिस्तान की तरफ से प्रायोजित आतंकवाद की बात तक नहीं कर रहे। इसीलिए भारत अब ऐसे कथित एक्सपट्र्स को अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों को आइना दिखा रहा है। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में भारत के दो अहम हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स हैं किशनगंगा और रतले को विवादित करने की खूब कोशिश की।

जबकि भारत इन प्रोजेक्ट्स के जरिए अपने हिस्से के पानी का पूरी तरह से कानूनी और तकनीकी इस्तेमाल कर रहा है। लेकिन पाकिस्तान ने अपनी पुरानी आदत के अनुसार इसे विवादित बनाने की कोशिश की और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का दरवाजा खटखटाया।

भारत का साफ मानना है कि एक ही विवाद के लिए दो समानांतर प्रक्रियाएं नहीं चल सकतीं, क्योंकि यह 1960 की सिंधु जल संधि के नियमों के ही खिलाफ है।

ऐसे में पाकिस्तान कभी रोता है तो कभी भारत को जंग की धमकी देता है। पाकिस्तान ने पिछले दिनों इस्लामाबाद में सिंधु जल संधि को लेकर एक कॉन्फ्रेंस तक का आयोजन कर चुका है। पाकिस्तान ने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अपने पाले में करने की कोशिश की लेकिन भारत साफ कर चुका है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवादियों को भेजना बंद नहीं करता सिंधु जल संधि को फिर से बहाल नहीं किया जाएगा।

कई लोग आरोप लगा रहे हैं कि परमानेंट कोर्ट ऑफ़ आर्बिट्रेशन में न्यूट्रल एक्सपर्ट की कार्यवाही अभी भी लंबित है। यह कार्यवाही भारत की रातले और किशनगंगा हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजनाओं से जुड़ी है और इसे सिंधु जल संधि के आर्टिकल IX और एनेक्ज़र F के तहत शुरू किया गया था। लेकिन भारत ने इसे खारिज कर दिया है।

भारत के इनकार के बाद पाकिस्तानी एक्सपट्र्स आरोप लगा रहे हैं कि इस पूरे घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की एक बहुत बड़ी कमजोरी को उजागर किया है। संस्थाएं अदालतें लगा सकती हैं, विशेषज्ञों की नियुक्ति कर सकती हैं और फैसले सुना सकती हैं लेकिन वे भारत जैसे एक शक्तिशाली देश पर अपने राजनीतिक या एकतरफा फैसलों को थोप नहीं सकतीं।

नेपाल-चीन की नजदीकियों से ज्यादा उतावला होने की जरूरत नहीं

शशि थरूर ने भारत को क्यों दी खास सलाह?

काठमांडू/नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। बालेन शाह की विदेश नीति भारत और चीन को लेकर क्या होने वाली है ये अभी दोनों ही देशों के लिए सस्पेंस भरा है। प्रधानमंत्री बालेन शाह ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। इस बीच काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भारतीय सेना और जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट शशि थरूर ने कहा है कि भारत को नेपाल और चीन के रिश्तों को लेकर 'बहुत ज्यादा उत्साहित' होने की जरूरत नहीं है।

एडीटीवी के 'अन्वीक्षा' इंडिया-नेपाल डायलॉग में उन्होंने कहा 'नेपाल को चीन, चीनी पर्यटकों और चीनी व्यवसायों के साथ संबंध रखने और चीनी रेस्तरां खोलने का पूरा अधिकार है। उन्हें ये सब करने दें। लेकिन जहां तक भारत की बात है हमें याद रखना चाहिए कि हमारे संबंध अपने दम पर कायम हैं। जैसा कि हमने नेपाल के प्रति सम्मान दिखाने की बात से शुरुआत की थी वह सम्मान लोगों के बीच के रिश्तों तक भी फैलना चाहिए और मेरा मानना है कि ऐसा होता भी है और हो भी सकता है।'

'नेपाल और भारत के लोगों के बीच संबंध' पर बात करते हुए शशि थरूर ने कहा 'कुछ मायनों में आज के आपके विषय के लिए भारत सरकार की तुरंत प्रतिक्रिया एक मिसाल रही है। कल ही राहत सामग्री लेकर एक विमान पहुंचा है। मुझे यकीन है कि और भी मदद आएगी और नेपाल हमसे जो भी दूसरी मदद चाहेगा हम उसे देने के लिए तैयार रहेंगे। यह दिलों और सीमाओं को जोड़ने की बात है। मेरा मतलब है कि यात्रा के मामले में हम जिसे सीमा कहते हैं वह बेमानी है। निश्चित रूप से इस मामले में भी उसे बेमानी ही होना चाहिए।'

आपको बता दें कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की भारत और चीन को लेकर नीति शुरुआत में विदेशी दूतों से दूरी बनाने और सख्त तटस्थता की रही है लेकिन हाल ही में उन्होंने दोनों पड़ोसियों के साथ संतुलन बनाने की व्यावहारिक नीति अपनाई है। प्रधानमंत्री बनने के बाद बालेन शाह ने कूटनीतिक प्रोटोकॉल के तहत विदेशी राजदूतों और राजनयिकों से वन-टू-वन मुलाकात न करने का नियम बनाया था।

बलूचों के खौफ से कांप उठा पाकिस्तान

बीएलए से निपटने के लिए ईरान के सामने गिड़गिड़ाए असीम मुनीर

इस्लामाबाद, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हालात अब पाकिस्तानी सेना के कंट्रोल से पूरी तरह बाहर हो चुके हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के ताबड़तोड़ हमलों ने पाकिस्तानी फौज को भयानक नुकसान पहुंचाया है। हालात इतने बेकाबू हो गए हैं कि खुद पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को अब पड़ोसी देश ईरान के सामने मदद के लिए हाथ फैलाना पड़ रहा है। आखिर बीएलए ने ऐसा क्या कर दिया है कि हथियारों का गुरूर दिखाने वाला पाकिस्तान अब ईरान की शरण में पहुंच गया है और असीम मुनीर ने बकायदा ईरान से मदद मांगी है?

बलूचिस्तान में बिगड़ते सुरक्षा हालात की वजह से पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और इलाके में सक्रिय दूसरे अलगाववादी समूहों के खिलाफ ईरान से ज्यादा सहयोग की जरूरत महसूस हुई है।

सुरक्षा से जुड़े बड़े सूत्रों के हवाले से बताया है कि ईरानी नेताओं और सैन्य अधिकारियों के साथ मुनीर की इस हफ्ते हुई बैठक के दौरान बीएलए से खतरे और कथित आतंकियों की सीमा पार आवाजाही का मुद्दा अहम रहा। माना जा रहा है कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने इस बात पर चिंता जताई है कि पाकिस्तान-ईरान सीमा के पास वाले इलाकों में बीएलए के नेटवर्क और कैंप चल रहे हैं और बलूचिस्तान में हमले करने के बाद लड़ाके सीमा पार कर सकते हैं। असीम मुनीर की यह अपील अलगाववादी हिंसा में तेजी से हुई बढ़ोतरी के बीच आई है। 2025 में बलूचिस्तान में हिंसा की सैकड़ों घटनाएं हुईं हैं। यूरोपियन यूनियन एजेंसी फॉर असाइलम के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल प्रांत में 386 घटनाएं हुईं और 956 लोगों की मौत हुई। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज के अलग आंकड़ों में 2025 में बलूच विद्रोही समूहों द्वारा 225 हमलों की बात कही गई है।

बीएलए ने हमलों के लिए पाकिस्तानी सेना के बड़े और अहम लक्ष्यों को चुनना शुरू कर दिया है। मई में इस गुट ने क्वेटा में एक ट्रेन पर हुए जानलेवा हमले की जिम्मेदारी ली थी जिससे पता चलता है कि यह विद्रोही गुट परिवहन व्यवस्था को ठप करने और सुरक्षा से जुड़े बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने में सक्षम है।

इस्लामाबाद के लिए ईरान सुरक्षा के लिहाज़ से एक बहुत अहम साझीदार है क्योंकि बलूचिस्तान की सीमा ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत से लगती है और यह सीमा काफी लंबी और खुली है जिसे आसानी से पार की जाती है। यह सीमा ऐतिहासिक रूप से दोनों देशों के लिए चिंता का विषय रही है। दोनों ही देश एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहे हैं कि विद्रोही गुट उनके इलाके का इस्तेमाल करते हैं।

पहले होगी जाति प्रमाणपत्र जांच, फिर एडमिशन

रिम्स के एमबीबीएस रिजर्व कैटेगरी पर सख्ती

रांची, 27 अगस्त (एजेंसियां)। राजेंद्र आयुर्वेद विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची में इस बार 250 एमबीबीएस सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया के दौरान जाति प्रमाण पत्रों को लेकर विशेष सख्ती बरती जाएगी। पूर्व में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर दाखिला लेने की शिकायतों और विवादों को देखते हुए रिम्स प्रबंधन ने यह नई और पारदर्शी व्यवस्था तैयार की है। नई व्यवस्था के तहत अब छात्रों के दस्तावेजों की गहन जांच दाखिले से पहले ही की जाएगी, ताकि कोई भी फर्जी प्रमाण पत्र के जरिए सीट न हासिल कर सके। रिम्स प्रशासन के इस कदम का मुख्य उद्देश्य दाखिला प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखना है।

रिम्स प्रबंधन ने फर्जी प्रमाण पत्रों के इस्तेमाल को रोकने के लिए मेडिकल सुपरिंटेंडेंट की अध्यक्षता में छह सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी एमबीबीएस दाखिले के समय छात्रों के जाति प्रमाण पत्र और अन्य संबंधित शैक्षणिक दस्तावेजों की प्रारंभिक जांच करेगी। प्रारंभिक जांच में दस्तावेज सही पाए जाने पर ही छात्र को केवल अस्थायी दाखिला दिया जाएगा।

अस्थायी दाखिला मिलने के बाद प्रक्रिया यहीं खत्म नहीं होगी। रिम्स प्रशासन संबंधित छात्र के जाति प्रमाण पत्र को उसके गृह जिले के उपायुक्त (डीसी) कार्यालय में सत्यापन के लिए भेजेगा। वहां की प्रशासनिक जांच के बाद जब सत्यापन रिपोर्ट वापस रिम्स को प्राप्त होगी और सभी तथ्य सही पाए जाएंगे, तभी छात्र का नामांकन अंतिम रूप से पक्का माना जाएगा।

चलते ट्रक में लगी आग ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

डीजल टंकी में ब्लास्ट होने से हुआ हादसा, पिकअप भी आया चपेट में

गिरिडीह, 27 अगस्त (एजेंसियां)। गिरिडीह-मधुपुर मुख्य मार्ग पर बेंगाबाद मोड़ के पास गुरुवार को एक चलते ट्रक में अचानक आग लग गई। इस घटना में ट्रक चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई। वहीं, आग की चपेट में पीछे चल रहा एक पिकअप मालवाहक वाहन भी आ गया, जिससे उसका अगला पहिया जल गया।

दरअसल, ट्रक गिरिडीह से मधुपुर की ओर जा रहा था। बेंगाबाद मोड़ के पास अचानक ट्रक की डीजल टंकी में जोरदार धमाका हुआ। ब्लास्ट के बाद टंकी से निकला डीजल सड़क पर फैलने लगा और उसमें अचानक आग लग गई। जहां-जहां डीजल गिरा, वहां आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक के ठीक पीछे खड़ा एक पिकअप मालवाहक वाहन भी सड़क पर फैले डीजल में लगी आग की चपेट में आ गया। इससे पिकअप का अगला पहिया आंशिक रूप से जल गया।

अल्जीरिया के जंगलों में लगी भीषण आग

अब तक 12 लोगों की मौत, गृह मंत्री सयूद ने लिया रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा

अल्जीयर्स, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अल्जीरिया के पूर्वोत्तर हिस्से में भीषण जंगल की आग ने तबाही मचा दी है। प्रशासन के अनुसार, आग की चपेट में आने से 12 लोगों की मौत हो गई। वहीं राष्ट्रपति अब्देलमजीद तेब्बौने के निर्देश पर गृह मंत्री सईद सयूद ने गुरुवार को बेजाया और फिर जिजेल प्रांत का दौरा किया। घायलों को अस्पताल में देखने पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया।

सिन्हुआ के अनुसार, अल्जीरिया के गृह मंत्री सईद सयूद ने बताया कि मृतकों में जिजेल प्रांत में पांच, बेजाया में चार और तिजी ओउजौ में तीन लोग शामिल हैं। उन्होंने बेजाया के सौक एल थेनाइन शहर के एक अस्पताल का दौरा कर आग में झुलसे और धुएं से प्रभावित लोगों के इलाज का जायजा लिया।

अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार को देशभर में 159 जगहों पर आग लगने की घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें अकेले बेजाया प्रांत में 36 आग लगीं, जिनमें से 18 पर काबू पा लिया गया है। हालांकि बेजाया में अभी भी 18 स्थानों पर आग सक्रिय है। पड़ोसी जिजेल प्रांत की 12 नगरपालिकाओं में भी आग से निपटने के लिए अभियान जारी है।

अल्जीरियाई अधिकारियों ने बताया कि स्किक्दा, एल तारफ, बुइरा, तिजी ओउजौ और तेबेस्सा प्रांतों में लगी आग को नियंत्रित कर लिया गया है। प्रभावित इलाकों से कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इन जंगल की आग के बीच अल्जीरिया और पड़ोसी ट्यूनीशिया में भीषण हीटवेव चल रही है। अधिकारियों के अनुसार, अत्यधिक तापमान ने आग के फैलने का खतरा बढ़ा दिया है।

अल्जीरिया के भूमध्यसागरीय तटीय इलाकों में गर्मियों के दौरान जंगल की आग का खतरा अक्सर बढ़ जाता है।

पुजारी ने 'बुरी आत्मा' के अनुष्ठान के नाम पर महिला का किया उत्पीड़न

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

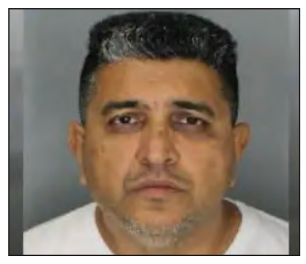

ओटावा, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के एक हिंदू पुजारी को कनाडा में यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का आरोप है कि उसने ओंटारियो के ओशावा में एक धार्मिक अनुष्ठान के दौरान अपने धार्मिक पद का दुरुपयोग किया। डरहम क्षेत्रीय पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को एक परिवार ने अमेरिका से बुलाकर एक हिंदू धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए कहा था।

डरहम क्षेत्रीय पुलिस के बयान के अनुसार, पूर्वी डिवीजन के सदस्यों ने मंगलवार, 25 अगस्त को हारमनी रोड नॉर्थ और कॉनलिन रोड ईस्ट के इलाके में यौन उत्पीड़न की शिकायत पर कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि पीड़िता और उसके परिवार ने एक पुजारी को धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए बुलाया था।

आरोपी ने कथित तौर पर महिला को यह विश्वास दिलाया कि उस पर बुरी आत्मा का साया है और उसे ठीक होने के लिए एक निजी अनुष्ठान की आवश्यकता है। पुलिस के अनुसार, इसके बाद वह पीड़िता को एक निजी स्थान पर ले गया, जहां कथित तौर पर धार्मिक अनुष्ठान करने के बहाने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया। बाद में पुलिस से संपर्क किया गया और बिना किसी घटना के संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपी की पहचान राजेंद्रनाथ दूदनाथ माराज (50 वर्ष) के रूप में हुई है, जो रिचमंड हिल, न्यूयॉर्क का निवासी है। उस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है और उसे जमानत सुनवाई के लिए हिरासत में लिया गया है।

डरहम क्षेत्रीय पुलिस ने कहा कि उन्हें आशंका है कि अन्य पीड़ित भी हो सकते हैं।

उन्होंने जांच के तहत आरोपी की तस्वीर जारी की है।

स्पा सेंटर में कस्टमर्स से सेक्स करने दबाव बनाया

दिल्ली की युवती बोली– मना करने पर संचालक ने सैलरी रोकी, छेड़छाड़–मारपीट की, मोबाइल तोड़ा

बिलासपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 36 सिटी मॉल स्थित एक्वा वेलनेस स्पा सेंटर में काम करने वाली दिल्ली की युवती ने संचालक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती के मुताबिक संचालक उस पर ग्राहकों को खुश करने के लिए देह व्यापार करने का दबाव बनाता था।

युवती ने ऐसा करने से मना किया तो उसकी सैलरी रोक दी गई। आरोप है कि रुकी हुई सैलरी मांगने पहुंचने पर स्पा संचालक और उसके भाइयों ने उसके साथ बदसलूकी और मारपीट की। इस दौरान उसका मोबाइल भी छीन लिया गया।

युवती की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने स्पा संचालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दरअसल, दिल्ली की मूल निवासी 22 वर्षीय युवती सकरी थाना क्षेत्र में रहती है। उसने पुलिस को बताया कि वह करीब तीन महीने से 36 सिटी मॉल स्थित एक्वा वेलनेस स्पा सेंटर में काम कर रही थी।

युवती का आरोप है कि स्पा संचालक अमन सेन और उसका बड़ा भाई लोकेश सेन उस पर देह व्यापार करने का दबाव बनाते थे। अमन उसे अक्सर प्राइवेट केबिन में ले जाता और उसके साथ गलत तरीके से छूने की हरकत करता था। युवती का आरोप है कि, 22 अगस्त को वह सैलरी मांगने पहुंची तो अमन सेन ने फिर बदसलूकी की। 25 अगस्त की शाम करीब 7 बजे वह दोबारा स्पॉ सेंटर पहुंची। वहां मौजूद लोकेश सेन ने भाई को बदनाम करने की बात कहते हुए उसके साथ छेड़छाड़ की।

पीड़िता ने घटना का वीडियो बनाने की कोशिश की तो आरोपी ने मोबाइल छीन लिया। आरोप है कि उसने अश्लील गालियां देते हुए मुक्के से मारपीट की और दायां हाथ मरोड़ दिया। इससे उसके हाथ और कंधे में चोट आई। युवती ने बताया कि, साक्ष्य मिटाने स्पा सेंटर में लगे सीसीटीवी फुटेज डिलीट कर दिया गया है। वहीं, अपनी रसूख की धमकी देकर युवती को अपनी पहुंच का डर दिखाया। बाद में अमन सेन ने भी फोन कर गाली-गलौज की और पुलिस में जाने पर जान से मारने की धमकी दी।

मोहम्मद यूनुस का साथी और अमेरिका का मोहरा

खलीलुर रहमान ने रद्द कराई तारिक रहमान की भारत यात्रा?

ढाका, 27 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की भारत यात्रा लगभग रद्द हो चुकी है। सिर्फ औपचारिक ऐलान होना बाकी है। भारत ने तारिक रहमान को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के के आउटरीच सेशन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था।

भारत ने बीआईएमएसटीईसी के मौजूदा अध्यक्ष के रूप में बांग्लादेश को यह निमंत्रण भेजा है। हालांकि, बांग्लादेश का विदेश मंत्रालय शेख हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर अड़ गया है और तारिक रहमान की यात्रा के लिए भारत से उचित माहौल बनाने को कह रहा है। इस बीच ऐसी रिपोर्ट है कि तारिक रहमान की भारत यात्रा रद्द कराने के पीछे बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान का हाथ है।

यह बात सामने आ रही है कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान के दौरे को एकतरफा ढंग से रद्द करने के बांग्लादेश सरकार के फैसले के पीछे मुख्य सूत्रधार विदेश मंत्री खलीलुर रहमान हैं, जिन्होंने शेख हसीना के प्रत्यर्पण के मुद्दे पर अड़ियल रुख अपनाया है। रिपोर्ट में ढाका स्थित सुरक्षा जानकारों के हवाले से कहा गया, भारत-बांग्लादेश के राजनयिक संबंधों की बहाली को एक ऐसे मुद्दे का बंधक बनाया जा रहा है जिस पर आधिकारिक स्तर पर चर्चा हो रही थी। इसमें आगे कहा गया है कि इससे भारत नाराज हो सकता है या तारिक रहमान को बुलाने में उसकी दिलचस्पी खत्म हो सकती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने दिल्ली के ताज होटल में तारिक रहमान और उनके प्रतिनिधिमंडल के लिए 21 अगस्त से ठहरने की व्यवस्था कर दी थी। भारत और अमेरिका के बीच राजनयिक बातचीत के दौरान यह तय हुआ था कि तारिक अपनी पत्नी और बेटी के साथ द्विपक्षीय यात्रा पर 21 अगस्त को भारत आएंगे। इससे यह भी माना जाने लगा था कि तारिक रहमान सरकार मोहम्मद यूनुस की भारत विरोधी विदेश नीति से दूर हो गई है। हालांकि, अमेरिका ने दोहरा गेम खेला और भारत-बांग्लादेश संबंधों में अपने 'डीप स्टेट' को एक्टिव कर दिया। इस डीप स्टेट को विदेश मंत्री खलीलुर रहमान बताया जा रहा है। खलीलुर रहमान ऐसे शख्स हैं, जो शेख हसीना के तख्तापलट के बाद अमेरिकी हस्तक्षेप से बनाई गई मोहम्मद यूनुस के अंतरिम सरकार में भी शामिल थे और तारिक रहमान की सरकार में भी बड़े पद पर हैं।

अमेरिका लौटते समय थाईलैंड में क्यों रुकेगा युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन?

वॉशिंगटन, 27 अगस्त (एजेंसियां)। थाई अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि अमेरिका का शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन पश्चिम एशिया में अपनी मुश्किल तैनाती के बाद कुछ दिन थाईलैंड में रुकेगा। यूएसएस मिडिल ईस्ट में अपनी मुश्किल तैनाती के बाद थाईलैंड में रुकेगा।

यह युद्धपोत ईरान के खिलाफ अमेरिकी युद्ध में मदद कर रहा था, और इसकी तैनाती के दौरान इसने समुद्र में लगातार 250 दिनों से ज्यादा समय बिताया, जो एक रिकॉर्ड है। क्रू की बिगड़ती मानसिक सेहत और खाने-पीने व साफ-सफाई के सामान जैसी जरूरी चीजों की कमी की खबरों के बाद लिंकन की लंबी तैनाती को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं।

थाई रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सुरसंत कोंगसिरी ने कहा कि लिंकन अगले हफ्ते अपने अमेरिकी बेस पर लौटने से पहले आराम और रिकवरी के लिए थाईलैंड में रुकेगा। बैंकॉक में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'थाईलैंड में रुकना क्रू के लिए जमीन पर उतरने और आराम करने का एक मौका है।' मंगलवार को रॉयल थाई नेवी ने कहा कि अमेरिकी नेवी के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के तीन जहाज पूर्वी थाईलैंड में रुकेंगे और इस यात्रा के दौरान कोई सैन्य अभ्यास नहीं किया जाएगा।

कैरियर की लंबी तैनाती से लंबे समय तक घर से दूर रहने वाले जवानों पर असर पड़ता है और जहाज व उसके उपकरणों पर भी दबाव बढ़ता है।

रक्षाबंधनः क्या है ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पौराणिक कथा

रक्षा बंधन एक पवित्र त्योहार है, जो भाई-बहन के पवित्र और सजीव रिश्ते का प्रतीक है। यह न केवल पारिवारिक बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है और यह रिश्तों की अनुकूलता को सिद्ध करता है। भारत त्योहारों का देश है। भारत में हर महीने एक नया त्योहार आता है जो लोगों को एक साथ लाता है। ऐसा ही एक त्योहार है रक्षा बंधन। यह बहनों और भाइयों के बीच के बंधन का एक बहुत ही खास अवसर है। बहनें अपने भाई की कलाई पर विश्वास और आस्था की डोर बांधती हैं।

रक्षाबंधन भाई बहनो के बीच मनाया जाने वाला पर्व है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को रक्षाधागा बंधती हैं और भाई अपनी बहनों को जीवन भर उनकी रक्षा करने का वचन देते हैं। इस त्यौहार के दिन सभी भाई बहन एक साथ भगवान की पूजा आदि करके आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। रक्षाबंधन से सम्बंधित कुछ पौराणिक कथाएं जुडी हुईं है। भविष्यत पुराण के अनुसार दैत्यों और देवताओं के मध्य होने वाले एक युद्ध में भगवान इंद्र को एक असुर राजा, राजा बलि ने हरा दिया था। इस समय इंद्र की पत्नी सची ने भगवान विष्णु से मदद माँगी। भगवान विष्णु ने सची को सूती धागे से एक हाथ में पहने जाने वाला वयल बना कर दिया। इस वलय को भगवान विष्णु ने पवित्र वलय कहा। सची ने इस धागे को इंद्र की कलाई में बाँध दिया तथा इंद्र की सुरक्षा और सफलता की कामना की। इसके बाद अगले युद्द में इंद्र बलि नामक असुर को हारने में सफ़ल हुए और पुनः अमरावती पर अपना अधिकार कर लिया। यहाँ से इस पवित्र धागे का प्रचलन आरम्भ हुआ।इसके बाद युद्द में जाने के पहले अपने पति को औरतें यह धागा बांधती थीं। इस तरह यह त्योहार सिर्फ भाइयों बहनों तक ही सीमित नहीं रह गया।

भगवत पुराण और विष्णु पुराण के आधार पर यह माना जाता है कि जब भगवान विष्णु ने राजा बलि को हरा कर तीनों लोकों पर अधिकार कर लिया, तो बलि ने भगवान विष्णु से उनके महल में रहने का आग्राह किया।भगवान विष्णु इस आग्रह को मान गये।हालाँकि भगवान विष्णु की पत्नी लक्ष्मी को भगवान विष्णु और बलि की मित्रता अच्छी नहीं लग रही थी, अतः उन्होंने भगवान विष्णु के साथ वैकुण्ठ जाने का निश्चय किया।इसके बाद माँ लक्ष्मी ने बलि को रक्षा धागा बाँध कर भाई बना लिया।इस पर बलि ने लक्ष्मी से मनचाहा उपहार मांगने के लिए कहा।इस पर माँ लक्ष्मी ने राजा बलि से कहा कि वह भगवान विष्णु को इस वचन से मुक्त करे कि भगवान विष्णु उसके महल मे रहेंगे।बलि ने ये बात मान ली और साथ ही माँ लक्ष्मी को अपनी बहन के रूप में भी स्वीकारा।

भगवान विष्णु के दो पुत्र हुए शुभ और लाभ। इन दोनों भाइयों को एक बहन की कमी बहुत खलती थी, क्यों की बहन के बिना वे लोग रक्षाबंधन नहीं मना सकते थे।इन दोनों भाइयों ने भगवान गणेश से एक बहन की मांग की।कुछ समय के बाद भगवान नारद ने भी गणेश को पुत्री के विषय में कहा।इस पर भगवान गणेश राज़ी हुए और उन्होंने एक पुत्री की कामना की। भगवान गणेश की दो पत्नियों रिद्धि और सिद्धि, की दिव्य ज्योति से माँ संतोषी का अविर्भाव हुआ। इसके बाद माँ संतोषी के साथ शुभ लाभ रक्षाबंधन मना सके।

महाभारत युद्ध के समय द्रौपदी ने कृष्ण की रक्षा के लिए उनके हाथ मे राखी बाँधी थी।इसी युद्ध के समय कुंती ने भी अपने पौत्र अभिमन्यु की कलाई पर सुरक्षा के लिए राखी बाँधी। एक अन्य पौराणिक कहानी के अनुसार, मृत्यु के देवता यम जब अपनी बहन यमुना से 12 वर्ष तक मिलने नहीं गये, तो यमुना दुखी हुई और माँ गंगा से इस बारे में बात की।गंगा ने यह सुचना यम तक पहुंचाई कि यमुना

संजय कुमार सुमन

उनकी प्रतीक्षा कर रही हैं।इस पर यम युमना से मिलने आये।यम को देख कर यमुना बहुत खुश हुईं और उनके लिए विभिन्न तरह के व्यंजन भी बनायीं।यम को इससे बेहद ख़ुशी हुई और उन्होंने यमुना से कहा कि वे मनचाहा वरदान मांग सकती हैं।इस पर यमुना ने उनसे ये वरदान माँगा कि यम जल्द पुनः अपनी बहन के पास आयें।यम अपनी बहन के प्रेम और स्नेह से गद गद हो गए और यमुना को अमरत्व का वरदान दिया। भाई बहन के इस प्रेम को भी रक्षा बंधन के हवाले से याद किया जाता है।

रक्षाबंधन का इतिहास

विश्व के इतिहास में भी रक्षाबंधन का बहुत महत्व रहा है।एक महान ऐतिहासिक घटना के अनुसार जब 326 ई पू में सिकंदर ने भारत में प्रवेश किया, सिकंदर की पत्नी रोशानक ने राजा पोरस को एक राखी भेजी और उनसे सिंकदर पर जानलेवा हमला न करने का वचन लिया।परंपरा के अनुसार कैकेय के राजा पोरस ने युद्ध भूमि में जब अपनी कलाई पर बंधी वह राखी देखी तो सिकंदर पर व्यक्तिगत हमले नहीं किये।

एक अन्य ऐतिहासिक गाथा के अनुसार रानी कर्णावती और मुग़ल शासक हुमायूँ से सम्बंधित है। सन 1535 के आस पास की इस घटना में जब चित्तोड़ की रानी को यह लगने लगा कि उनका साम्राज्य गुजरात के सुलतान बहादुर शाह से नहीं बचाया जा सकता तो उन्होंने हुमायूँ, जो कि पहले चित्तोड़ का दुश्मन था, को राखी भेजी और एक बहन के नाते मदद माँगी।हालाँकि इस बात से कई बड़े इतिहासकार इत्तेफाक नहीं रखते, जबकि कुछ लोग पहले के हिन्दू मुस्लिम एकता की बात इस राखी वाली घटना के हवाले से करते हैं।

भारत में जिस समय अंग्रेज अपनी सत्ता जमाये रखने के लिए 'डिवाइड एंड रूल' की पालिसी अपना रहे थे, उस समय रविंद्रनाथ टैगोर ने लोगों में एकता के लिए रक्षाबंधन का पर्व मनाया। वर्ष 1905 में बंगाल की एकता को देखते हुए ब्रिटिश सरकार बंगाल को विभाजित तथा हिन्दू और मुस्लिमों में सांप्रदायिक फूट डालने की कोशिश करती रही।इस समय बंगाल में और हिन्दू मुस्लिम एकता बनाए रखने के लिए और देश भर में एकता का सन्देश देने के लिए रविंद्रनाथ टैगोर ने रक्षा बंधन का पर्व मनाना शुरू किया।

18 वीं शताब्दी के दौरान सिख खालसा आर्मी के अरविन्द सिंह ने राखी नामक एक प्रथा का अविर्भाव किया, जिसके अनुसार सिख किसान अपनी उपज का छोटा सा हिस्सा मुस्लिम आर्मी को देते थे और इसके एवज में मुस्लिम आर्मी उन पर आक्रमण नहीं करते थे।महाराजा रणजीत सिंह, जिन्होंने सिख साम्राज्य की स्थापना की, की पत्नी महारानी जिन्दान ने नेपाल के राजा को एक बार राखी भेजी थी।नेपाल के राजा ने हालाँकि उनकी राखी स्वीकार ली किन्तु, नेपाल के हिन्दू राज्य को देने से इनकार कर दिया रक्षाबंधन को अगर असल मायने में इसे मनाना हैं तो इसमें से सबसे पहले लेन देन का व्यवहार खत्म करना चाहिये।साथ ही बहनों को अपने भाई को हर एक नारी की इज्जत करे, यह सीख देनी चाहिये।जरुरी हैं कि व्यवहारिक ज्ञान एवम परम्परा बढे तब ही समाज ऐसे गंदे अपराधो से दूर हो सकेगा।

रक्षाबंधन का यह त्यौहार मनाना हम सभी के हाथ में हैं और आज के युवावर्ग को इस दिशा में पहला कदम रखने की जरुरत हैं। इसे एक व्यापार ना बनाकर एक त्यौहार ही रहने दे। जरूरत के मुताबिक अपनी बहन की मदद करना सही हैं लेकिन बहन को भी सोचने की जरुरत हैं कि गिफ्ट या पैसे पर ही प्यार नहीं टिका हैं।जब यह त्यौहार इन सबके उपर आयेगा तो इसकी सुन्दरता और भी अधिक निखर जायेगी।

'विश्वास की चाबी' से खुलते हैं कारोबार के दरवाजे

अचलेश्वर महादेव से जुड़ी अनोखी परंपरा; 365 दिन व्यापारी तिजोरी-दुकान की चाबी लेकर पहुंचते हैं मंदिर

सुबह के करीब साढ़े छह बजे हैं। लश्कर का बाजार अभी पूरी तरह जागा भी नहीं है, लेकिन अचलेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की चहल-पहल शुरू हो चुकी है। खास बात यह है कि यहां आने वाले कई व्यापारियों के हाथ में पूजा की थाली के साथ दुकान, शोरूम, ऑफिस या तिजोरी की चाबी भी होती है।

जलाभिषेक और बेलपत्र चढ़ाने के बाद व्यापारी इस चाबी को भगवान की पिंडी से स्पर्श कराते हैं और माथे से लगाकर अपनी दुकान खोलने निकल जाते हैं। यह किसी खास पर्व की परंपरा नहीं, बल्कि लश्कर के व्यापारियों के बीच सालों से चली आ रही लोक आस्था है।

चाबी पिंडी से लगाई, माथे से छुआई और खुला शटर सराफा बाजार से लेकर टोपी बाजार और महाराज बाड़े तक के कई व्यापारी दिन की शुरुआत बाबा

अचलेश्वर के दर्शन से करते हैं। मान्यता है कि भगवान के चरणों से स्पर्श कराई गई चाबी से दुकान या तिजोरी खोलने पर कारोबार में बरकत बनी रहती है। गहना ज्वेलर्स के संचालक राकेश मंगल बताते हैं कि उनके आसपास के व्यापारियों में यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। आज भी कई व्यापारी दुकान या ऑफिस की चाबी मंदिर की देहरी पर लाते हैं, भगवान को नमन करते हैं और इसके बाद ही कारोबार शुरू करते हैं।

सराफा कारोबारी विनय सिंगल बताते हैं कि पहले उनके परिवार में यह परंपरा नहीं थी, लेकिन अब वे खुद दुकान खोलने से पहले बाबा के दर्शन करते हैं और चाबी भगवान के चरणों से स्पर्श कराते हैं। उनके मुताबिक, कोई इस मान्यता को माने या न माने, लेकिन ग्वालियर के व्यापारी इसे वर्षों से निभाते आ रहे हैं।

अचलेश्वर नाम के पीछे भी जुड़ी है रोचक मान्यता स्थानीय इतिहास और परंपरा के अनुसार अचलेश्वर महादेव मंदिर का संबंध सिंधिया काल से जोड़ा जाता है। मान्यता है कि लश्कर क्षेत्र में सड़क निर्माण के दौरान यह शिवलिंग रास्ते में आ गया था। इसे हटाने की कोशिश की गई, लेकिन पिंडी अपनी जगह से नहीं हिली।

हाथियों से खिंचवाया, फिर भी नहीं हिली पिंडी

कहा जाता है कि शिवलिंग को हटाने के लिए मजदूरों के बाद हाथियों की मदद ली गई। पिंडी को जंजीरों से बांधकर खींचने की कोशिश की गई, लेकिन वह टस से मस नहीं हुई। खुदाई करने पर भी उसका आधार काफी गहराई तक जाता मिला।

इस घटना के बाद खुदाई रोक दी गई और शिवलिंग को उसी स्थान पर रहने दिया गया। इसी मान्यता से इसका नाम 'अचलेश्वर' पड़ा—यानी जो अपने स्थान से अचल रहे।

स्थानीय मान्यताः जिस पिंडी को कोई शक्ति अपनी जगह से नहीं हिला सकी, उसी 'अचल' स्वरूप को व्यापारियों ने अपने कारोबार की स्थिरता और समृद्धि से जोड़ लिया।

'अचल' से जुड़ी व्यापारियों की आस्था व्यापारियों की मान्यता है कि बाबा अचलेश्वर के चरणों से चाबी स्पर्श कराने का भाव केवल पूजा नहीं, बल्कि अपनी दुकान और कमाई की जिम्मेदारी भगवान को सौंपना है। इसी विश्वास के साथ कई कारोबारी हर सुबह मंदिर पहुंचते हैं।

मंदिर में सिर्फ व्यापारी ही नहीं, हर शुभ काम से पहले पहुंचते हैं लोग

मंदिर के पुजारी गौरव शर्मा बताते हैं कि चाबी को भगवान के चरणों से स्पर्श कराने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। व्यापारी दुकान या ऑफिस खोलने से पहले जल, फूल और माला अर्पित करते हैं और चाबी पिंडी से लगाकर दिन की शुरुआत करते हैं। उनके अनुसार, लोग नई गाड़ी या प्रॉपर्टी खरीदने के बाद भी बाबा के दर्शन करने आते हैं। शादी के सीजन में भी कई परिवार बारात रवाना करने से पहले मंदिर पहुंचकर भगवान का आशीर्वाद लेते हैं।

डिजिटल कारोबार के दौर में भी नहीं बदली आस्था आज कारोबार ऑनलाइन हो गया है, भुगतान डिजिटल हो गए हैं और तिजोरी की जगह बैंकिंग सिस्टम ने ले ली है, लेकिन अचलेश्वर के प्रति व्यापारियों की यह आस्था अब भी कायम है। सुबह दुकान का शटर उठाने से पहले चाबी को बाबा के चरणों से स्पर्श कराने की यह परंपरा ग्वालियर के व्यापारिक जीवन और धार्मिक आस्था का अनूठा मेल बन चुकी है।

दानपेटी में पर्चियां भी छोड़ जाते हैं भक्त

अचलेश्वर महादेव मंदिर की दानपेटी में श्रद्धालु सिर्फ रुपए-पैसे ही नहीं, बल्कि अपनी मनोकामनाओं, परेशानियों, इच्छाओं और भावनाओं की पर्चियां भी डालते हैं। दानपेटी खुलने पर ऐसी पर्चियां मिलती हैं, जिनमें किसी ने शादी की मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना करते तों तो कोई नौकरी और परीक्षा में सफलता मांगता है।

रक्षाबंधन को बहन की राशि के अनुसार दें गिफ्ट

सुख-समृद्धि में होगी वृद्धि

मेष और वृश्चिक राशि

अगर आपकी बहन की राशि मेष या वृश्चिक है तो आपको उन्हें लाल रंग की चीजें उपहार के रूप में देनी चाहिए। लाल रंग के वस्त्र, डेली इस्तेमाल की चीजें, सोना आप अपनी बहन को दे सकते हैं। इसके साथ ही बहन का झुकाव अगर खेलकूद में है तो आप फिटनेस से जुड़ी चीजें भी उन्हें दे सकते हैं। अक्सर देखा गया है कि मंगल के स्वामित्व के कारण मेष और वृश्चिक वालों का झुकाव खेलकूद में होता है।

वृषभ और तुला राशि

ये दोनों राशियों शुक्र के स्वामित्व वाली हैं। अगर आपकी बहन की राशि भी वृषभ या तुला है तो आप रक्षाबंधन के दिन मेकअप किट, सिल्वर ज्वैलरी, कला से जुड़ी चीजें, घर को सजाने वाली चीजें, परफ्यूम आदि देकर अपनी बहन को खुश कर सकते हैं।

मिथुन और कन्या राशि

मिथुन और कन्या राशियां बुध के स्वामित्व वाली हैं। आपकी बहन की राशि अगर मिथुन या कन्या है तो आप उन्हें तकनीकी चीजें जैसे लेपटॉप, स्मार्टवॉच,फोन उपहार में दे सकते हैं। इसके साथ ही किताबें और डायरी भी आपकी बहन को पसंद आ सकते हैं।

कर्क राशि

आपकी बहन की राशि अगर कर्क है तो चंद्र ग्रह का उनपर गहरा प्रभाव देखने को मिलेगा। आप रक्षाबंधन पर अपनी बहन को चांदी के आभूषण, मोती, सफेद या गुलाबी रंग के वस्त्र देकर खुश कर सकते हैं।

सिंह राशि

आपकी बहन की राशि अगर सिंह है तो आपको उन्हें गोल्ड से बने आभूषण आप दे सकते हैं। इसके साथ ही स्टाइलिश चीजें, लग्जरी देने वाली वस्तुएं आप उन्हें दे सकते हैं।

धनु और मीन राशि

आपकी बहन की राशि अगर धनु या मीन है तो आपको पीले रंग के वस्त्र उन्हें उपहार में देने चाहिए। इसके साथ ही धार्मिक किताबें, पीतल से बनी चीजें भी उनके लिए लकी साबित होंगी।

मकर और कुंभ राशि

इन दोनों ही राशियों के स्वामी ग्रह शनि हैं। आपकी बहन भी मकर या कुंभ राशि की है तो आपको रक्षाबंधन के दिन ब्रांडेड बैग, स्टील या लोहे से बने बर्तन, काले कपड़े उन्हें उपहार के रूप में देने चाहिए।

रक्षाबंधन के दिन चंद्रग्रहण भी है ऐसे में अगर आपके मन में सूतक काल और राखी बांधने के सही समय के बारे में जानना चाहते हैं तो हमारी वेबसाइट पर विस्तार से इसपर लेख पढ़ सकते हैं।

रक्षाबंधन पर समृद्धि और सुख-शांति के लिए किसे राखी बांधनी चाहिए?

कुल देवी-देवता और श्रीकृष्ण को बांधें राखी

रक्षाबंधन के त्योहार पर बहनों को अपने भाई की कलाई पर राखी बांधने से पहले अपने कुल देवी-देवताओं को राखी बांधनी चाहिए। क्योंकि, कुल देवी-देवता ही हमारे पूरे परिवार की रक्षा करते हैं और बुरी नजर से बचाव करते हैं। इसलिए सबसे पहले इन्हें राखी अर्पित करनी चाहिए। इसके बाद, भगवान कृष्ण को भी राखी जरूर बांधें। मान्यता है कि ऐसा करने से परिवार की संकटों से रक्षा होती है। साथ ही, रिश्तों में मिठास और आपसी तालमेल बना रहता है।

अपने वाहन को बांधें राखी

पं. राकेश झा बताते हैं कि भाई के साथ-साथ अपने घर के वाहन में भी रक्षासूत्र जरूर बांधना चाहिए। जब भी हम मोटरसाइकिल, स्कूटी या गाड़ी में बैठते हैं, तो खुद को संपूर्ण रूप से इन्हें सौंप देते हैं। साथ ही, ये हमारे साथी के प्रकार ही हमारे साथ चलते हैं। इसलिए जब हम नया वाहन खरीदते हैं तब भी उसकी पूजा करते हैं और उसमें रक्षासूत्र यानी कलावा बांधते हैं। इसी प्रकार रक्षाबंधन पर भी वाहन में राखी बांधनी चाहिए ताकि हमारी और उस पर बैठने वाले सदस्य की सुरक्षा बनी रहे।

गौ माता को अवश्य बांधें राखी

मान्यता है कि रक्षाबंधन पर गौ माता को भी राखी जरूर बांधनी चाहिए। शास्त्रों और हिंदू धर्म के अनुसार, गाय में सभी देवी-देवताओं

का वास होता है। ये हमारा पोषण करती है और इनके अंग-अंग में भगवान विराजमान हैं। ऐसे में गाय को विधिपूर्वक राखी बांधना बहुत शुभ माना जाता है। इससे जीवन में सुख-शांति के संयोग बनते हैं। साथ ही, परिवार के सदस्यों पर देवी-देवताओं की कृपा बनी रह सकती है।

धार्मिक पुस्तकों में रखें राखी

ये हमारे धर्म और ज्ञान की रक्षा करते हैं। पंडितजी बताते हैं की पुराणों के हर श्लोक में ईश्वर का वास माना गया है। ऐसे में रक्षाबंधन के पर्व पर पुराणों, वेदों, रामायण, गीता आदि धार्मिक पुस्तकों पर राखी बांधनी चाहिए। अगर ऐसा संभव न हो तो आप पुस्तकों के बीच में रक्षासूत्र रख सकते हैं। भागवत पुराण में भी लिखा है कि वेदों को भगवान स्वरूप मानकर उनकी भी नियमित पूजा करनी चाहिए। उनकी कृपा से घर में सुख-समृद्धि और शांति के संयोग बनते हैं।

लैपटॉप और औजारों को बांधे राखी

रक्षाबंधन पर अपने लैपटॉप अथवा औजारों पर भी राखी बांधनी चाहिए। वर्तमान समय में स्थिति बदल गई है और अब यही वस्तुएं हमारी आजीविका की रक्षा करते हैं। मनुष्य के जीवन को बेहतर बनाने का काम करते हैं। यही कारण है की विश्वकर्मा पूजा के दिन मशीनों, लैपटॉप, वाहन आदि की पूजा की जाती है। बिल्कुल इसी प्रकार रक्षाबंधन पर अपने औजारों और लैपटॉप पर रक्षासूत्र बांधना चाहिए। साथ ही, कामना करनी चाहिए की हमारा जीवन में सुख-सुविधाएं बनी रहे। महाभारत में युद्ध के समय श्रीकृष्ण ने सहयोग देने के लिए युधिष्ठिर से रक्षाबंधन मनाने के लिए बोला था और सभी सैनिकों को रक्षासूत्र बांधने की सलाह दी थी।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 28 अगस्त - 2026

नेपाल में प्रकृति का प्रकोप

नेपाल-चीन सीमा क्षेत्र में आई विनाशकारी बाढ़ ने हिमालयी क्षेत्र की बढ़ती आपदा-चिंताओं को एक बार फिर सामने ला दिया है। भोटेकोशी नदी में अचानक आई बाढ़ ने रसुवा, नुवाकोट, धादिंग सहित कई इलाकों में भारी तबाही मचाई। दो सौ से ज्याद लोग मारे गए और हजारों लोग लापता हैं। इनमें भारतीय नागरिक और कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए तीर्थयात्री भी शामिल हैं। बाढ़ ने पुलों, सड़कों, बस्तियों और जलविद्युत परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचाया है। नेपाल पुलिस के अनुसार मृतकों की संख्या दो सौ पार कर चुकी है, जबकि नेपाल सरकार के अनुसार अब भी हजारों लोग लापता हैं। यह आपदा इसलिए भी अधिक भयावह है कि यह सामान्य बारिश से आई बाढ़ नहीं थी। प्रारंभिक आकलनों के अनुसार नेपाल-चीन सीमा के पास ल्हेंदे नदी में हिम और चट्टानों के खिसकने से नदी का प्रवाह बाधित हुआ और उसके बाद अचानक मलबे के साथ पानी का प्रचंड बहाव नीचे की ओर आया। भोटेकोशी के रास्ते यह पानी त्रिशूली नदी में पहुंचा और कई जिलों को अपनी चपेट में लेता चला गया। इसलिए इस घटना को केवल नेपाल की स्थानीय बाढ़ मानना भूल होगी; यह पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए बढ़ते जोखिम का संकेत है। हालांकि इस त्रासदी के बाद चेतावनी तंत्र पर सवाल उठाना स्वाभाविक है, लेकिन तथ्यों को सही संदर्भ में देखना भी जरूरी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अधिकारियों को सुबह करीब 9:05 बजे तिब्बत की ओर से आई बाढ़ की सूचना मिली और कुछ ही मिनटों में रासुवा, नुवाकोट, धादिंग तथा चितवन के नदी किनारे बसे इलाकों में चेतावनी संदेश भेजे गए। छह लाख से अधिक संदेश भेजे जाने की जानकारी भी सामने आई है। समस्या यह थी कि पानी का वेग असाधारण था और कुछ स्वचालित निगरानी केंद्र स्वयं पानी की चपेट में आकर काम करना बंद कर गए। यही इस त्रासदी का सबसे बड़ा सबक है। आपदा आने के बाद राहत और बचाव जरूरी है, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है ऐसी व्यवस्था बनाना जो आपदा से पहले लोगों तक विश्वसनीय सूचना पहुंचा सके। यदि खतरा सीमा पार किसी नदी या हिमनद क्षेत्र से उत्पन्न हो रहा है तो नेपाल को चीन से तत्काल और स्वचालित सूचना साझा करने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। भारत को भी ऐसी सूचनाओं से जोड़ा जाना चाहिए, क्योंकि नेपाल की नदियां आगे चलकर भारतीय भूभाग में प्रवेश करती हैं। भारत की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बातचीत कर हरसंभव मानवीय सहायता का आश्वासन दिया है और राहत सामग्री भी भेजी गई है। यह सहायता केवल पड़ोसी धर्म नहीं, बल्कि साझा मानवीय जिम्मेदारी का उदाहरण है। नेपाल को इस आपदा से दीर्घकालिक सबक लेना होगा। पिछले वर्ष भी भोटेकोशी क्षेत्र में बाढ़ ने जान-माल को नुकसान पहुंचाया था। ऐसे में हिमालयी नदियों, हिमनदों, भूस्खलन और संभावित ग्लेशियल झीलों की निरंतर निगरानी जरूरी है। साथ ही सीमा पार रियल-टाइम डेटा साझा करना, सायरन आधारित चेतावनी, सुरक्षित निकासी मार्ग और स्थानीय प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत करना होगा। प्रकृति के प्रकोप को पूरी तरह रोकना मनुष्य के वश में नहीं है, लेकिन उससे होने वाली जनहानि को कम करना अवश्य संभव है।

न्यूनतम वेतन सरकारी क्षेत्र के बराबर हो

डा. शैलेश शुक्ला

एक ही शहर में, एक ही डिग्री और एक ही काम के लिए दो अलग-अलग वेतन क्यों होने चाहिए, यह सवाल अब अनदेखा नहीं किया जा सकता। एक सरकारी कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का शुरुआती वेतन आज भत्तों को मिलाकर पच्चीस हजार रुपये से कम नहीं है जबकि उसी शहर की एक निजी कंपनी में, उसी योग्यता के साथ, दिन में दस घंटे काम करने वाले कर्मचारी को दस से बारह हजार रुपये पर हस्ताक्षर करने पड़ते हैं। यह केवल आंकड़ों का अंतर नहीं है, यह दो भारत बनने की कहानी है। एक भारत जिसे राज्य ने सुरक्षित कर रखा है और दूसरा भारत जो बाजार की दया पर छोड़ दिया गया है। इस असमानता का बचाव अक्सर इस तर्क से किया जाता है कि सरकारी नौकरी की भर्ती प्रक्रिया कठिन है और निजी क्षेत्र में दक्षता के अनुसार वेतन मिलता है। यह तर्क सतह पर सही लगता है पर सच्चाई यह है कि आज निजी क्षेत्र दक्षता का नहीं, सस्ते श्रम का लाभ उठा रहा है। जिस देश में निजी क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद का सत्तर प्रतिशत से अधिक पैदा करता है, वहां उसी क्षेत्र के श्रमिक को न्यूनतम जीवन स्तर से भी नीचे रखा जाना किसी भी आर्थिक तर्क से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

हमारे संविधान ने इस स्थिति की कल्पना पहले ही कर ली थी। अनुच्छेद 39 में समान काम के लिए समान वेतन और अनुच्छेद 43 में सभी कामगारों के लिए निर्वाह योग्य मजदूरी की बात कही गई है। राज्य एक आदर्श नियोक्ता के रूप में जब यह मान लेता है कि महंगाई के इस दौर में अठारह हजार रुपये से कम में किसी परिवार का गुजारा संभव नहीं, तो फिर वह उसी महंगाई का सामना कर रहे निजी कर्मचारी के लिए यह मानक क्यों बदल देता है? सरकार का वेतन आयोग केवल सरकारी कर्मचारियों के लिए नहीं, बल्कि देश में वेतन का एक मानक तय करने के लिए भी होना चाहिए। आमतौर पर कहा जाता है कि यदि निजी क्षेत्र में वेतन बढ़ाया गया तो उद्योगों पर बोझ बढ़ेगा और रोजगार घटेगा। यह डर अतिरंजित है। कम वेतन से उद्योग को तात्कालिक लाभ भले ही दिखे, पर दीर्घकाल में वह खुद ही अपना नुकसान करता है। कम वेतन पाने वाला कर्मचारी न तो मन से काम करता है, न अपनी कुशलता बढ़ाने में निवेश करता है और न ही बाजार में उपभोक्ता के रूप में खर्च कर पाता है। उसकी क्रय शक्ति का न होना अंततः उसी बाजार को कमजोर करता है जिसके लिए उद्योग उत्पादन कर रहा है। जब करोड़ों हाथों में पैसा होगा, तभी तो दुकानों में बिक्री होगी। सम्मानजनक वेतन खर्च नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था में निवेश है। आज देश के युवा में सरकारी नौकरी के प्रति जो असाधारण आकर्षण है, उसका एक बड़ा कारण यही वेतन असमानता है। प्रतिभा सरकारी दफ्तरों की ओर भाग रही है, इसलिए नहीं कि वहां काम अधिक सृजनात्मक है, बल्कि इसलिए कि वहां जीवन अधिक सुरक्षित है। यदि निजी क्षेत्र में भी न्यूनतम सम्मानजनक वेतन सुनिश्चित हो जाए, तो यह अनावश्यक भीड़ कम होगी और युवा अपनी रुचि के अनुसार, भय के बिना, निजी क्षेत्र में भी अपना भविष्य देख सकेंगे। इसका अर्थ यह नहीं कि कल सुबह से ही हर छोटी दुकान को केंद्र सरकार के वेतनमान का पालन करने के लिए कहा जाए। यह व्यावहारिक नहीं है। आवश्यकता एक स्पष्ट और चरणबद्ध राष्ट्रीय नीति की है। देश में एक राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन तय होना चाहिए जो किसी भी राज्य, किसी भी क्षेत्र में सरकारी समूह-ग के प्रारंभिक वेतन से कम न हो और जिसे जीवन-यापन की लागत से जोड़ा जाए।

नेपाल संकट में 'पड़ोसी पहले' की नीति का अनुकरणीय उदाहरण

अशोक भाटिया

इतिहास गवाह है कि जब भी नेपाल पर कोई विपत्ति आई है, भारत ने हमेशा 'प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता' के रूप में अपनी भूमिका निभाई है। भारत का यह दृष्टिकोण केवल राजनीतिक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह उस 'रोटी-बेटी के रिश्ते' और 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना से प्रेरित है। भारत की यह सहायता नीति किसी रणनीतिक लाभ या भू-राजनीतिक सौदेबाज़ी पर आधारित नहीं है। संकट की घड़ियों में भारत ने जिस तत्परता और निस्वार्थ भाव से नेपाल का हाथ थामा है, उसने वैश्विक कूटनीति में आपदा प्रबंधन और मानवीय सहायता का एक नया प्रतिमान स्थापित किया है। 26 अगस्त नेपाल-तिब्बत सीमा पर स्थित भोटेकोशी और त्रिशूली नदी घाटियों में एक अभूतपूर्व और प्रलयकारी प्राकृतिक आपदा देखने को मिली है। यह अचानक आई भयानक बाढ़ हिमालयी क्षेत्र के नाजुक पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरों का साक्षात प्रमाण है। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलनों के अनुसार, पहाड़ों के उच्च शिखर पर एक विशाल ग्लेशियर के टूटने और उसके कारण हुए तीव्र भूस्खलन ने भोटेकोशी नदी के मार्ग को अवरुद्ध कर दिया था। यह भूस्खलन इतना शक्तिशाली था कि भूकंपीय तरंगों ने इसे स्थानीय स्तर पर रिक्टर स्केल पर 5.2 तीव्रता के रूप में दर्ज किया। जैसे ही मलबे का यह प्राकृतिक बांध टूटा, पानी और भारी कीचड़ का एक भयावह रेला 30 फीट ऊंची लहरों के रूप में निचले इलाकों की तरफ बढ़ा। इस प्रलय ने उत्तरी नेपाल के रसुवा, नुवाकोट और धादिंग जिलों में भीषण तबाही मचाई है। चीन के तिब्बत क्षेत्र स्थित जाइरोंग पोर्ट से लेकर नेपाल के सीमावर्ती बस्तियों तक पूरा इलाका कीचड़ और मलबे में दफन हो गया है।

इस त्रासदी में अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत की आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है और 1000से अधिक लोग लापता हैं, जिनमें स्थानीय पनबिजली परियोजनाओं के कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी और बड़ी संख्या में विदेशी नागरिक शामिल हैं। विशेष रूप से, पवित्र कैलाश मानसरोवर यात्रा के मार्ग पर होने के कारण वहां करीब 133 भारतीय तीर्थयात्री और पर्यटक भी लापता या फंसे हुए हैं, जिनकी सुरक्षा को लेकर दोनों देशों की चिंताएं चरम पर हैं। बाढ़ का वेग इतना भीषण था कि इसने नेपाल-चीन व्यापार की लाइफलाइन माने जाने वाले कई प्रमुख पुलों, रणनीतिक राजमार्गों, दर्जनों गांवों और कम से कम 12 निर्माणाधीन व संचालित जलविद्युत परियोजनाओं को पूरी तरह से मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया है। इस महासंकट के सामने आते ही भारत ने पलक झपकते ही अपनी 'फर्स्ट रेस्पॉन्डर' की भूमिका को धरातल पर उतारा। आपदा के कुछ ही घंटों के भीतर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से सीधी बात की और भारत की ओर से बिना शर्त पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। कूटनीतिक औपचारिकताओं से परे हटकर भारतीय वायुसेना ने तुरंत अपने विशेष सी-130जे सुपर हरक्यूलिस मालवाहक विमान को काठमांडू के लिए रवाना किया, जो 10 टन से अधिक आपातकालीन मानवीय सहायता और चिकित्सा सामग्री की पहली खेप लेकर पहुंचा। इस राहत सामग्री में प्रभावित परिवारों के लिए तिरपाल, वाटरप्रूफ टेंट, स्लीपिंग बैग, कंबल, जल शोधन के लिए क्लोरीन की गोलियां और भारी मात्रा में जीवन रक्षक दवाएं शामिल थे । इसके समानांतर, काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने नेपाल के गृह मंत्रालय और नेपाली सेना के साथ मिलकर एक 24x7 विशेष समन्वय केंद्र और हेल्पलाइन की शुरुआत की है।

दुर्गम पहाड़ी घाटियों में फंसे भारतीय नागरिकों, तीर्थयात्रियों और नेपाली भाइयों को सुरक्षित निकालने के लिए भारतीय खोजी टीमों और नेपाली सेना के हेलीकॉप्टरों द्वारा संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मलबे के कारण संचार और बिजली व्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाने के कारण, भारत ने नेपाल को सैटेलाइट फोन और तकनीकी सहायता भी प्रदान की है ताकि दुर्गम इलाकों से संपर्क बहाल किया जा सके।भनेपाल की यह उफनती नदियां अंततः भारत के मैदानी इलाकों में प्रवेश करती हैं, इसलिए भारत सरकार इस प्राकृतिक आपदा को एक साझा संकट के रूप में देख रही है। भोटेकोशी और त्रिशूली का यह पानी बिहार की गंडक (नारायणी) और उत्तर प्रदेश की नदियों में भारी मात्रा में मलबा और पानी ला रहा है, जिससे भारत के सीमावर्ती जिलों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। इस आसन्न खतरे को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय के समन्वय से उत्तर प्रदेश और बिहार सरकारों ने अपनी सीमा पर हाई-लेवल अलर्ट जारी कर दिया है। वाल्मीकिनगर बराज सहित सभी प्रमुख तटबंधों पर जलस्तर की निगरानी के लिए विशेषज्ञों और इंजीनियरों की टीमें तैनात की गई हैं। इस कठिन समय की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि दोनों देशों का स्थानीय प्रशासन वास्तविक समय के डेटा को आपस में साझा कर रहा है। ऊपरी क्षेत्रों से आने वाले पानी के वेग की सटीक जानकारी भारत को मिल रही है, जिससे भारत अपने निचले इलाकों में जान-माल के नुकसान को रोकने के लिए पूर्व-तैयारी कर पा रहा है। यह आपसी तालमेल दिखाता है कि संकट के समय दोनों देश राजनीतिक सीमाओं को भूलकर एक ही परिवार की तरह काम करते हैं। अगस्त 2026 की यह बाढ़ पहली घटना नहीं है जब भारत ने नेपाल की ढाल बनकर अपनी प्रतिबद्धता दिखाई हो। वर्ष 2015 का नेपाल भूकंप इसका एक ऐतिहासिक उदाहरण है, जब भीषण भूकंप ने नेपाल के बुनियादी ढांचे को तोड़ दिया था। तब भारत ने कुछ ही घंटों के भीतर 'ऑपरेशन मैत्री' शुरू किया था, जो किसी भी विदेशी भूमि पर भारत का सबसे बड़ा नागरिक राहत अभियान था। भारतीय जवानों ने मलबे से जिंदगियां निकाली थीं और भारत ने नेपाल के दीर्घकालिक पुनर्निर्माण के लिए एक अरब डॉलर की आर्थिक सहायता दी थी। इसी तरह, कोविड-19 महामारी के दौरान जब दुनिया स्वार्थी 'वैक्सीन राष्ट्रवाद' से घिरी थी, तब भारत ने 'वैक्सीन मैत्री' पहल के तहत कोविशील्ड टीकों की लाखों खुराकें मुफ्त अनुदान के रूप में नेपाल भेजी थीं। नेपाल में ऑक्सीजन का संकट गहराने पर भारत ने घरेलू किल्लत के बावजूद सीमाओं को खुला रखा और टैंकरों के माध्यम से लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की थी। एक भू-आबद्ध देश होने के कारण नेपाल की आर्थिक प्रगति काफी हद तक भारत के पारगमन मार्गों पर निर्भर है।

भारत ने नेपाल को हमेशा एक संप्रभु और सक्षम राष्ट्र बनाने के लिए अपने बुनियादी ढांचे के द्वार खोले हैं। भारत-नेपाल सीमा पर एकीकृत जांच चौकियां और जयनगर-बर्दीबास जैसी सीमा पार रेल लिंक दोनों देशों के बीच व्यापार को आधुनिक बना रहे हैं। दक्षिण एशिया की पहली सीमा पार पेट्रोलियम पाइपलाइन (मोतिहारी-अमलेखगंज पाइपलाइन) भारत की ही देन है, जिसने नेपाल की ईंधन सुरक्षा को हमेशा के लिए सुनिश्चित कर दिया है।

सामाजिक न्याय से आगे समानता की ओर

जितेंद्र अग्रवाल

भारत आजादी के आठ दशक पूरे करने की ओर बढ़ चुका है। संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे भारत की कल्पना की थी जिसमें जन्म किसी व्यक्ति की योग्यता, सम्मान, अवसर और भविष्य का निर्धारण न करे। सामाजिक रूप से वंचित समुदायों को मुख्यधारा में लाने के लिए संविधान ने विशेष प्रावधान किए और आरक्षण को सामाजिक न्याय के एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में स्वीकार किया।

लेकिन आज, इतने लंबे समय बाद, एक बुनियादी प्रश्न पूछना क्या अनुचित है-क्या आरक्षण की वर्तमान व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य को पूरी तरह प्राप्त कर चुकी है? यह प्रश्न किसी जाति के विरुद्ध नहीं है। यह प्रश्न व्यवस्था की प्रभावशीलता का है। आरक्षण का उद्देश्य यदि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों को अवसर देना था, तो समय-समय पर यह देखना भी आवश्यक है कि उन अवसरों का वास्तविक लाभ किन लोगों तक पहुँचा और कौन अब भी उनसे वंचित रह गया। आरक्षण पर बहस जाति बनाम जाति नहीं, नीति बनाम परिणाम की होनी चाहिए आज आरक्षण के पक्ष और विरोध में समाज तेजी से विभाजित दिखाई देता है। एक पक्ष इसे ऐतिहासिक अन्याय के विरुद्ध आवश्यक सुरक्षा मानता है, जबकि दूसरा पक्ष इसे योग्यता और समान अवसर के सिद्धांत के विरुद्ध मानता है। लेकिन शायद वास्तविक समाधान इन दोनों अतियों के बीच है। हमें यह पूछना चाहिएः क्या जिस व्यक्ति या परिवार को सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से पर्याप्त अवसर मिल चुके हैं, उसे हर पीढ़ी में वही विशेष सुविधा मिलती रहनी चाहिए? और दूसरी ओरःक्या किसी अत्यंत गरीब परिवार को केवल इसलिए अवसर से वंचित रहना चाहिए क्योंकि वह ऐसी जाति से आता है जिसे आरक्षण का लाभ नहीं मिलता? इन दोनों प्रश्नों का ईमानदार उत्तर आवश्यक है। आरक्षण का लाभ अंतिम वंचित तक पहुँचना चाहिए आरक्षण की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि किसी भी लक्षित कल्याणकारी नीति की तरह इसके लाभों का वितरण समान नहीं होता।किसी समुदाय के भीतर कुछ परिवार शिक्षा, सरकारी सेवा, प्रशासन, राजनीति और आर्थिक संसाधनों में काफी आगे निकल सकते हैं, जबकि उसी समुदाय के दूसरे परिवार अभी भी अत्यंत पिछड़े रह सकते हैं। इसलिए अब केवल यह देखना पर्याप्त नहीं कि व्यक्ति किस जाति से आता है। यह भी देखना चाहिए कि उसकी पारिवारिक सामाजिक-आर्थिक स्थिति, शिक्षा, संपत्ति, माता-पिता की सरकारी सेवा में स्थिति, ग्रामीण/शहरी पृष्ठभूमि और वास्तविक अवसरों तक पहुँच क्या है। आरक्षण की समीक्षा का उद्देश्य किसी समुदाय से उसका अधिकार छीनना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि एक ही सुविधा बार-बार अपेक्षाकृत सक्षम वर्ग तक सीमित न रह जाए और सबसे अधिक वंचित व्यक्ति पीछे न छूट जाए। क्रीमी लेयर पर गंभीर और व्यापक विचार आवश्यक यदि किसी आरक्षित वर्ग के भीतर आर्थिक और सामाजिक रूप से अत्यधिक सक्षम परिवार मौजूद हैं, तो यह विचार करना स्वाभाविक है कि क्या उनके लिए अलग नियम होने चाहिए।

हालाँकि इसे केवल आय की सीमा तक सीमित करना पर्याप्त नहीं होगा। संपत्ति, माता-पिता की उच्च सरकारी/सार्वजनिक पदों पर स्थिति, शिक्षा और परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति जैसे अनेक संकेतकों को मिलाकर एक पारदर्शी व्यवस्था बनाई जा सकती है। साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि सामाजिक भेदभाव केवल आय बढ़ जाने से हर परिस्थिति में समाप्त नहीं हो जाता। इसलिए किसी भी क्रीमी-लेयर व्यवस्था को वैज्ञानिक अध्ययन और वास्तविक सामाजिक परिस्थितियों के आधार पर तैयार करना होगा, न कि राजनीतिक नारों के आधार पर। क्या आर्थिक पिछड़ापन भी नीति का आधार होना चाहिए? यह प्रश्न अब टाला नहीं जा सकता। भारत में आर्थिक रूप से कमजोर परिवार हर सामाजिक समूह में मौजूद हैं। इसलिए शिक्षा, छात्रवृत्ति, कौशल-विकास, फीस सहायता, आवास, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी योजनाओं में आर्थिक वंचना को अधिक प्रभावी ढंग से शामिल करना चाहिए। लेकिन यहाँ एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगा। गरीबी और सामाजिक भेदभाव एक ही चीज नहीं हैं। गरीब व्यक्ति आर्थिक रूप से पिछड़ा हो सकता है, जबकि कोई दूसरा व्यक्ति सामाजिक भेदभाव का सामना कर सकता है। इसलिए यदि भविष्य की नीति केवल आर्थिक आधार पर बना दी गई और सामाजिक भेदभाव के वास्तविक प्रभाव को नजरअंदाज कर दिया गया, तो वह भी अधूरी व्यवस्था होगी।

समाधान शायद एक ऐसी बहु-आयामी नीति में है जिसमें सामाजिक वंचना + आर्थिक कमजोरी + शैक्षणिक पिछड़ापन + अवसरों की वास्तविक कमी को साथ देखा जाए। आरक्षण खत्म करो और आरक्षण कभी खत्म नहीं होगा-दोनों अतियां हैं लोकतंत्र में किसी नीति को अनंतकाल तक बिना समीक्षा के चलाना भी उचित नहीं और ऐतिहासिक कारणों से बनाई गई सुरक्षा को अचानक समाप्त कर देना भी उचित नहीं।आरक्षण पर बहस का सही प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि-आरक्षण रहेगा या नहीं?बल्कि प्रश्न होना चाहिए-आरक्षण किसके लिए, कितना, कब तक और किन परिस्थितियों में आवश्यक है?हर बड़ी सार्वजनिक नीति की तरह इसकी भी समय-समय पर स्वतंत्र समीक्षा होनी चाहिए। यदि किसी नीति के परिणाम अच्छे हैं तो आंकड़े उसे प्रमाणित करें। यदि कमियाँ हैं तो उन्हें स्वीकार किया जाए। यदि किसी समूह के भीतर लाभ का असमान वितरण है तो उसे सुधारा जाए। संविधान को राजनीतिक हथियार नहीं, मार्गदर्शक दस्तावेज मानना होगा यह कहना सही नहीं होगा कि संविधान ने शिक्षा और नौकरियों में आरक्षण केवल दस वर्षों के लिए दिया था। दस वर्ष की व्यवस्था मुख्यतः विधानसभाओं और लोकसभा में SC/ST के राजनीतिक प्रतिनिधित्व से संबंधित थी।

लेकिन इस तथ्य के साथ एक बड़ा सिद्धांत भी जुड़ा है-संविधान ने सामाजिक न्याय को स्थायी लक्ष्य बनाया, किसी एक प्रशासनिक व्यवस्था को हमेशा के लिए अपरिवर्तनीय नहीं बनाया। इसलिए आरक्षण की समीक्षा संविधान-विरोधी नहीं होनी चाहिए। बल्कि यदि समीक्षा का उद्देश्य अधिक न्यायपूर्ण और प्रभावी व्यवस्था बनाना है, तो वह संवैधानिक भावना के अनुरूप ही हो सकती है। क्या विदेश जाने वाली प्रतिभा का कारण केवल आरक्षण है? यह दावा करना कि भारत से प्रतिभाओं के विदेश जाने का एकमात्र या प्रमुख कारण आरक्षण है, तथ्यात्मक रूप से अत्यधिक सरल निष्कर्ष होगा।

बेहतर वेतन, शोध के अवसर, उच्च शिक्षा, संस्थागत स्वतंत्रता, जीवन-स्तर, वैश्विक करियर और अनेक अन्य कारण भी प्रतिभा के पलायन में भूमिका निभाते हैं।

कौन खा रहा है बलूचिस्तान की मलाई?

रामस्वरूप रावतसरे

बलूचिस्तान की जिस जमीन के नीचे सोना, तांबा और गैस का विशाल भंडार होने पर भी यहां के आधे लोग गरीबी रेखा के नीचे जीने को मजबूर हैं। पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत आज इसी बड़े विरोधाभास से जूझ रहा है। कड़े सैन्य अभियानों के बावजूद यहां असंतोष कम नहीं हो रहा, क्योंकि बुनियादी सुविधाओं और हक की पाकिस्तानी सरकार द्वारा अनदेखी बरसों से जारी है। अफगान डायस्पोरा नेटवर्क में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की संघीय सरकार बलूचिस्तान को सिर्फ एक सुरक्षा समस्या मानती है, जबकि इसके पीछे की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक वजहों को पूरी तरह से अनदेखा कर रही है। बलूचिस्तान में अस्थिरता की सबसे बड़ी वजह संसाधनों की अमीरी और स्थानीय लोगों की गरीबी के बीच का भारी अंतर है। स्थानीय लोगों में इसलिए आक्रोश है क्योंकि उनकी जमीन से होने वाली कमाई की मलाई पाकिस्तान और चीन खा रहा है, जबकि उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। जब बलोच जनता अधिकारों की मांग करती है, तो सरकार सामाजिक-आर्थिक समाधान निकालने के बजाय इसे सिर्फ एक सुरक्षा संकट मानकर सैन्य बल से उन्हें दबाने की कोशिश करती है, जिससे बलूचिस्तान में असंतोष और हिंसा लगातार बढ़ती जा रही है।

बलूचिस्तान के चागाई जिले में रेको डिक और सैंदक जैसी दुनिया की सबसे बड़ी खदानें मौजूद हैं। इन खदानों से मिलने वाला सोना और तांबा पाकिस्तान के लिए विदेशी मुद्रा कमाने का बड़ा जरिया है। बलूचिस्तान में अरबों टन कोयले के समृद्ध भंडार बताए जा रहे हैं। इस कोयले का इस्तेमाल पाकिस्तान के सीमेंट कारखानों, ईंट-भट्ठों और थर्मल पावर प्लांटों में बड़े पैमाने पर होता है।

रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के कुल खनिज उत्पादन का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अकेले बलूचिस्तान से आता है। साथ ही विशाल लोह अयस्क के भंडार पाकिस्तान के स्टील उद्योग की नींव हैं। खनिजों के अलावा बलूचिस्तान का गहरे पानी वाला ग्वादर पोर्ट पाकिस्तान की सबसे बड़ी आर्थिक संपत्ति है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के जरिए चीन और मध्य एशिया से व्यापार इसी तट पर टिका है। बलूचिस्तान की सबसे बड़ी विरोधाभासी स्थिति यह है कि यह तांबा, सोना और प्राकृतिक गैस जैसे अमूल्य संसाधनों से भरा हुआ है, फिर भी यह पाकिस्तान का सबसे गरीब प्रांत है। यहां की लगभग 47 प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर है। पूरे देश को ऊर्जा देने वाले इस क्षेत्र के अपने निवासियों के पास पीने का साफ पानी, बिजली और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाएं तक नहीं हैं। अफगान डायस्पोरा नेटवर्क की रिपोर्ट में पाकिस्तान की ''सुरक्षा-केंद्रित'' नीति की आलोचना की गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तानी सरकार बलोचिस्तान के संकट को केवल आतंकवाद और सुरक्षा का मुद्दा मानती है, जबकि इसके पीछे की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक वजहों जैसे नागरिक अधिकार, विकास और संसाधनों के निष्पक्ष बंटवारे को पूरी तरह अनदेखा कर देती है।बलूचिस्तान में स्थित ''ग्वादर पोर्ट'' और ''सैंदक कॉपर-गोल्ड प्रोजेक्ट'' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स से होने वाला आर्थिक मुनाफा स्थानीय बलोच लोगों को नहीं मिल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन संसाधनों और विकास परियोजनाओं का लाभ मुख्य रूप से चीन तथा पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत के हितधारकों को मिल रहा है। बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह और सैंदक तांबा और सोना की खदान को चीन चलाता है। इनमें काम करने वाले भी बलूचिस्तान के नहीं है। इस प्रांत की अवाम रोजगार से भी महरूम है।

पाकिस्तान द्वारा समय समय पर चलाये जा रहे सैन्य अभियानों को लेकर जानकारों का कहना है कि सैन्य अभियान सिर्फ अल्पकालिक सफलता दे सकते हैं या उग्रवादियों को मार सकते हैं, लेकिन जब तक गरीबी, शिक्षा, रोजगार , खराब गवर्नेंस, अधिकारों के हनन और संसाधनों की लूट जैसे मूल मुद्दों का समाधान नहीं किया जाता, तब तक सैन्य बल के दम पर बलूच प्रांत में स्थायी शांति स्थापित नहीं की जा सकती।

बलूचिस्तान में उग्रवाद और अलगाववाद के पीछे मुख्य वजह बुनियादी सुविधाओं का अभाव, मानवाधिकारों की अनदेखी और अपने ही संसाधनों से बेदखल किए जाने के चलते बलूचिस्तान के युवाओं में भारी आक्रोश है। रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व न मिलने की वजह से कई युवा हथियार उठा लेते हैं और विदेशी व बाहरी लोगों की मौजूदगी के खिलाफ विद्रोह करने लगते हैं। यही यहां हो रहा है। हाल ही में ''बलोच रिपब्लिकन गार्ड्स'' (बीआरजी) ने नासिराबाद में ओच पावर प्लांट से पंजाब जाने वाले दो 220 केवी बिजली टावरों को विस्फोट से उड़ा दिया था। संगठन के प्रवक्ता दूस्तीन बलूच ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि जब तक बलूचिस्तान को स्वतंत्रता नहीं मिलती, तब तक सरकारी बुनियादी ढांचे पर ऐसे हमले जारी रहेंगे। यह घटना दर्शाती है कि सुरक्षा बलों के कड़े रुख के बावजूद प्रांत में उग्रवाद थम नहीं रहा है। दरअसल, बलूचिस्तान के चागाई जिले में स्थित सैंदक कॉपर-गोल्ड प्रोजेक्ट सबसे बड़ा उदाहरण है। चीनी कंपनी एमसीसी इसे पाकिस्तान की सरकारी कंपनी के साथ मिलकर चलाती है।

गुरुत्व के गुरु और उनका अंधा चेला

डॉ टी महादेव राव

सुबह सैर के बाद आकर चाय पी ही रहा था कि फोन बज उठा। बिना किसी परिचय के उस ओर से दहाड़ती सी आवाज आई आप क्या रहे हैं? आप गलत कर रहे हैं क्या आप जानते हैं? मैंने कहा काफी दिनों से आदत है बस निभाये जा रहा हूं। मैं जानता हूं चाय पीना बुरी बात है। वह भी शक्कर के दाम बढ़ने की वजह से दिन में सिर्फ दो बार पीता हूं वह भी एक-एक चम्मच शक्कर से चला लेता हूं दो चम्मच की बजाय। उधर से हूंकार भरी आवाज आई मैं चाय के बारे में या सिगरेट के बारे में या शराब के बारे में नहीं बोल रहा हूं। मैंने कहा मुझे तो चाय के अलावा कोई दूसरी बुरी आदत नहीं है तो आप किस बारे में बात कर रहे हैं?उधर से फिर बड़ी गंभीर आवाज में उस शख्स ने कहा आज का अखबार देखा है? मैंने कहा हां मालूम है महंगाई फिर बढ़ गई है। रुपए का अवमूल्यन हो गया है डॉलर की तुलना में। सेंसेक्स कई पॉइंट गिर गया है और प्रधानमंत्री ने कल सब के साथ मिलकर ओणम मनाया। मैं आप से हेडलाइंस नहीं पूछ रहा हूं भाई। आपका जो कॉलम है, जिसमें आपने हमारे भगवान को खरी खोटी बातें जो सुनाई हैं, मैं उसके बारे में बातें कर रहा हूं। मैंने कहा मैं कभी किसी भी धर्म या भगवान या खुदा या यीशु के बारे में नहीं लिखा करता या खरी खोटी सुनाया नहीं करता। आपने शायद गलत नंबर पर फोन लगाया है। उधर से उस आदमी ने मेरे नाम की पुष्टि की और कहा आप तो वही है न जो एक व्यंग्य कॉलम लिखते हैं? मैंने कहा हां तो आपने आज के कॉलम में क्या लिखा है? मैंने बताया व्यस्त बड़े भैया की बातें लिखी हैं और क्या लिखा है नो आराम सिर्फ काम। जिसके करोड़ों भक्तहैं, लाखों अनुयाई हैं और सैकड़ो शिष्य हैं ऐसे लोकप्रिय विश्व गुरु के बारे में आपका यह कथन, यह व्यंग्य क्या शोभा देता है आपको? यह सब तुरंत बंद होना चाहिए।

मैंने कहा आपको शायद याद हो एक कहावत है चोर की दाढ़ी में तिनका। इसका मतलब है कि किसी को भी कुछ भी कहा जाए तो अपनी दाढ़ी में तिनका ढूंढने की जो कोशिश करते हैं आपकी तरह। यह इसका उदाहरण है आपके साथ संवाद।

समर्पण के बारे में और उनकी वेशभूषा और दौड़ धूप के बारे में जो लिखा है उसमें गलत क्या है? यह तो सबको पता है कि वे दिन में अठारह घंटे काम करते हैं। यह भी पता है कि बहुत काम करते हैं चाहे विकास आधारित हो या ना हो, लोगों का कल्याण हो या ना हो। कर्मण्ये वाधिकारस्ते माफलेशु कदाचन। बस काम करना है जिस तरह एक गीत है मुसाफिर हूं यारों ना घर है ना ठिकाना मुझे चलते जाना है। इसी तरह काम करते जाना है। फिर मैने पूछा इतना कुछ कह रहे हो आप, अपना नाम तो बताते जाएं। आवाज आई मेरा नाम गुरु गंभीर घंटाल और मैं अपने बड़े भैया का सबसे बड़ा चेला क्योंकि वे विश्व गुरु हैं। जब बात आ गई विश्व गुरु की तो मेरी बात सुन लें। विश्व गुरु की बात तब तक सही थी जब तक आप बाईडेन का पक्ष लेकर अपना काम करते रहे। जब से ट्रंप अमेरिका में आया है तब से विश्व गुरु का जो प्रभामंडल है उसमें भारी कमी आई है, धूमिल हुआ जा रहा है और पहली बार भारत का इस तरह से अपमान अमेरिका ने किया है कि कहते नहीं बनता। बार-बार विदेश यात्रा करने की बजाय यदि हम अपने युवाओं को, जो कि भारत की जनसंख्या का बहुत बड़ा प्रतिशत है, को रोजगार मुहैया कराते, महंगाई कम करते, जनकल्याण करते तो शायद कुछ ठीक ही होता।

नेहा धूपिया ने करण जौहर को तीन बार किया शादी के लिए प्रपोज, हर बार मिला ऐसा जवाब

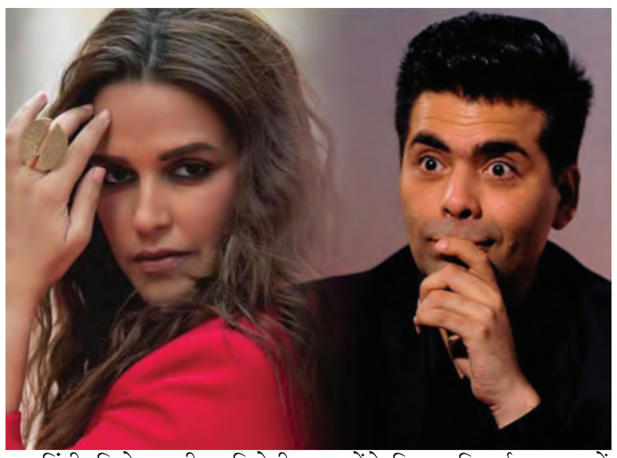

हिंदी सिनेमा की अभिनेत्री नेहा धूपिया पहले मॉडलिंग और ब्यूटी पेजेंट की दुनिया में नजर आईं, फिर उन्होंने फिल्मों में काम किया और बाद में टीवी और पॉडकास्ट होस्ट के तौर पर भी अलग जगह बनाई। उनका शो 'नो फिल्टर नेहा' भी काफी चर्चा में रहा। इस शो में नेहा ने खुद एक इंटरव्यू में करण जौहर से जुड़ा मजेदार किस्सा सुनाया था। यह किस्सा करण जौहर को शादी के लिए प्रपोज किए जाने से जुड़ा था। नेहा धूपिया का जन्म 27 अगस्त 1980 को केरल के कोच्चि में हुआ था। उनके पिता भारतीय नौसेना में अधिकारी थे, इसलिए बचपन में परिवार को अलग-अलग जगहों पर रहना पड़ा। बाद में नेहा दिल्ली में पली-बढ़ीं।

अभिनय की दुनिया में आने से पहले उन्होंने मॉडलिंग की और स्टेज पर भी काम किया। वह विज्ञापनों और म्यूजिक वीडियो में भी दिखाई दीं। नेहा को बड़ी पहचान साल 2002 में मिली, जब उन्होंने फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता। इसके बाद, उन्होंने मिस यूनिवर्स 2002 में भारत का प्रतिनिधित्व किया और प्रतियोगिता में टॉप 10 में जगह बनाई। यह उनके करियर का बड़ा मोड़ था। इस जीत के बाद फिल्मों के दरवाजे उनके लिए खुलने लगे।

फिल्मों में नेहा ने हिंदी के साथ दूसरी भाषाओं में भी काम किया। साल 2003 में 'कयामतः सिटी अंडर थ्रेट' से उन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान बनानी शुरू की। इसके बाद 2004 में आई 'जूली' ने उन्हें काफी चर्चा दिलाई।

फिर 'क्या कूल हैं हम', 'चुप चुप के', 'शूटआउट एट लोखंडवाला' और 'सिंह इज किंग' जैसी फिल्मों में वह अलग-अलग भूमिकाओं में नजर आईं। उन्होंने 'हिंदी मीडियम', 'तुम्हारी सुलु', 'लस्ट स्टोरीज' और 'ए थर्सडे' जैसी फिल्मों में भी काम किया।

लेकिन, नेहा ने खुद को सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रखा। वह टेलीविजन पर भी सक्रिय रहीं और 'रोडीज' जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो से जुड़ीं। इसके अलावा, उन्होंने 'स्टाइल्ड बाय नेहा' जैसे शो को भी होस्ट किया। उनकी सबसे अलग पहचान 'नो फिल्टर नेहा' से बनी, जिसमें वह फिल्मी सितारों से उनकी निजी जिंदगी, पसंद और अनुभवों पर खुलकर बातचीत करती थीं।

इसी शो के दौरान करण जौहर से जुड़ा वह मजेदार किस्सा सामने आया। नेहा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उन्होंने करण जौहर को अलग-अलग जगहों पर तीन बार मजाक में शादी के लिए प्रपोज किया था, लेकिन करण ने हर बार उनका प्रपोजल ठुकरा दिया। उन्होंने बताया कि करण ने उन्हें मना करने की कई वजहें बताईं। इनमें एक वजह ऐसी भी थी, जिसे सुनकर खुद उनको हंसी आ गई थी।

नेहा ने कहा, करण ने मेरे प्रपोजल को रिजेक्ट करने की वजह में बताया था कि उन्हें मेरी बॉडी अट्रैक्टिव नहीं लगती।" करण के साथ नेहा ने उनके निर्देशन में बनी 'लस्ट स्टोरीज' में काम किया था।

उन्होंने 'ऐ दिल है मुश्किल' में एक रिपोर्टर के किरदार के लिए अपनी आवाज भी दी थी। नेहा ने बाद में बताया कि उन्होंने करण को अपने पॉडकास्ट के लिए कई बार फोन किया था और उनकी आवाज इतनी बार सुनकर करण ने उन्हें उस वॉयस रोल के लिए बुला लिया था। निजी जिंदगी की बात करें, तो 10 मई 2018 को नेहा ने अभिनेता अंगद बेदी से शादी की। दोनों ने दिल्ली में निजी समारोह में शादी की थी।

चुंबक से कॉमेडी में कदम रख रहीं संदीपा धर

मुंबई अभिनेत्री संदीपा धर अपनी आगामी वेब सीरीज़ 'चुंबक' के साथ अभिनय का एक नया पहलू दर्शकों के सामने लाते हुए पहली बार कॉमेडी की दुनिया में कदम रख रही हैं। उनका मानना है कि इस शैली में उनकी शुरुआत बिल्कुल उसी तरह के हास्य के साथ हो रही है, जिसका वह हमेशा हिस्सा बनना चाहती थीं।

अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, "ये बात बिल्कुल सही है कि मैंने पहले कभी आउट एंड आउट कॉमेडी नहीं की है, खासकर इस तरह की कॉमेडी तो बिल्कुल नहीं। हालांकि मैंने हमेशा से सोचा था कि अगर मुझे कॉमेडी करनी है, तो वह आतिश और जेडी जैसी कॉमेडी हो, और मैं बहुत भाग्यशाली हूँ कि मुझे वही मिला।"

गौरतलब है कि संदीपा धर के लिए 'चुंबक' सिर्फ एक नई शैली में काम करने का एक मौक़ा नहीं है, बल्कि यह कॉमेडी को एक अलग और ताज़े अंदाज़ में समझने और प्रस्तुत करने का मौका भी है। वह इस बात को लेकर बेहद खुश हैं कि उन्हें इस शो का हिस्सा बनने का अवसर मिला।

इस सिलसिले में वे कहती हैं, "मैं बहुत खुश हूँ कि उन्होंने मुझे 'चुंबक' का हिस्सा बनाया और निश्चित रूप से नेटफ्लिक्स का भी शुक्रिया, जिसने इस तरह के प्रोजेक्ट को अपना समर्थन दिया। पर्सनली मैं अगर आतिश और जेडी सर की बात करूं तो एक दर्शक के तौर पर मुझे उनके पिछले शोज़ बहुत पसंद आए हैं। स्पेशियलि, एक मिलेनियल होने के नाते मैं खुद भी अब कुछ ऐसा ही देखना चाहती थी। इसलिए मैं सच में बहुत खुश हूँ कि मुझे इसका हिस्सा बनने का मौका मिला।"

वैसे ये बात उनके दर्शकों के लिए काफी दिलचस्प है कि 'चुंबक' के साथ कॉमेडी की दुनिया में अपनी नई शुरुआत कर रही संदीपा धर का ये अंदाज़ कितना लुभावना होगा। इसके अलावा आधुनिक, अलग और मनोरंजक कहानी कहने के अंदाज़ को सामने लानेवाले इस शो का इंतज़ार सिर्फ संदीपा के दर्शकों को ही नहीं बल्कि खुद संदीपा को भी है।

अमिताभ बच्चन ने शादीशुदा पुरुषों को दी मजेदार सलाह, बोले-'विवाह की तिथि कभी मत भूलिएगा'

मेगास्टार अमिताभ बच्चन अपनी फिल्मों और दमदार एक्टिंग के लिए तो मशहूर हैं ही लेकिन उनकी हाजिरजवाबी भी लोगों को खूब पसंद आती है। जब भी उन्हें मौका मिलता है, वह अपनी बातों में ऐसा मजाक जोड़ देते हैं कि सामने बैठे लोग हंसने लगते हैं। इन दिनों 'कौन बनेगा करोड़पति 18' में भी अमिताभ का यही अंदाज देखने को मिल रहा है। शो में प्रतिभागियों के साथ बातचीत करते हुए वह कई बार अपनी जिंदगी और परिवार से जुड़े किस्से भी सुनाते हैं।

हाल ही में एक कंटेस्टेंट से बात करते हुए उन्होंने शादीशुदा पुरुषों को ऐसी सलाह दी, जिसे सुनकर वहां मौजूद दर्शक हंस पड़े। दरअसल, शो में अमिताभ एक कंटेस्टेंट से बात कर रहे थे। उन्होंने देखा कि कंटेस्टेंट को अपनी पहली मुलाकात और शादी की सालगिरह की तारीख अच्छी तरह याद थी। कंटेस्टेंट की इस बात से वह काफी प्रभावित हुए। इसके बाद उन्होंने मौके का फायदा उठाते हुए वहां मौजूद सभी पतियों और घर पर शो देख रहे शादीशुदा पुरुषों को एक जरूरी सलाह दे दी।

अमिताभ ने कहा, जितने भी यहां पति लोग हैं, एक बात ध्यान से सुन लीजिए। जिस दिन आपका ब्याह हुआ था अपनी पत्नी के साथ, सारी दुनिया को भूल जाइए; उस डेट को कभी मत भूलिएगा। यह बहुत जरूरी तारीख है। पत्नियां कई बार पूछ सकती हैं कि आपको शादी की तारीख याद है या नहीं। अमिताभ ने कहा, 'और कहीं आपने गलती कर दी, भाई साहब, तो जूता, चप्पल, और बेलन सब चल पड़ेंगे।' उनकी यह बात सुनते ही शो का माहौल हंसी से भर गया।

अमिताभ कई बार अपनी शादीशुदा जिंदगी के किस्से साझा करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने बताया था कि जब शूटिंग की वजह से उन्हें घर पहुंचने में देर होने वाली होती है, तो वह पहले से ही परिवार को इसकी जानकारी दे देते हैं। ऐसा करने से घर पहुंचने पर उनसे ज्यादा सवाल-जवाब नहीं होते।

बिग बी ने घर के काम को लेकर भी एक दिलचस्प बात बताई थी। उन्होंने कहा था कि अगर घर में स्टाफ नहीं होता, तो वह खुद घर के काम संभाल लेते हैं। हालांकि उन्हें खाना बनाना नहीं आता, ऐसे में कई बार वह जया से अपने लिए कुछ बनाने के लिए कह देते हैं।

मां बनने के बाद पब्लिक में दिखीं कैटरीना कैफ, बढ़े वजन को देखकर ट्रोलर्स ने उड़ाया मजाक

सेलिब्रिटीज की ट्रोलिंग सोशल मीडिया पर एक आम बात बन गई है, जहां उनके पहनावे, बयानों या सार्वजनिक दिखावे पर अक्सर अनावश्यक टिप्पणियां की जाती हैं। इसी बीच अभिनेत्री कटरीना कैफ सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हो गईं।

हाल ही में अभिनेत्री कटरीना कैफ पति विक्की कौशल के साथ मुंबई में फिल्ममेकर कुकू कोहली के अंतिम संस्कार में पहुंचीं। इस दौरान वह प्रेग्नेंसी के बाद बढ़े वजन के साथ नजर आईं। उनकी तस्वीरें और वीडियो सामने आते ही कई ट्रोलर्स ने उनके लुक पर कमेंट करना शुरू कर दिया और सवाल

उठाने लगे कि एक्ट्रेस को क्या हो गया है। बता दें कि यह कपल दिवंगत फिल्ममेकर को अंतिम श्रद्धांजलि देने पहुंचा था और शोकाकुल परिवार से मिलने के बाद श्मशान घाट से रवाना हो गया। कुकू कोहली का मंगलवार (25 अगस्त) को 77 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया था।

श्मशान घाट पर कैटरीना के लुक की तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन सामने आए, जिससे सोशल मीडिया यूजर्स के एक ग्रुप ने मां बनने के बाद उनके बदले हुए लुक पर कमेंट करना शुरू कर दिया। कुछ कमेंट्स तो बहुत बुरे थे, यूजर्स ने लिखा, यह बहुत बुरा है, कैटरीना को क्या हो गया?, तो एक ने लिखा, वह रसगुल्ले जैसी लग रही है।

यह लुक कैटरीना और विक्की के पेरेंट बनने के कुछ महीने बाद आया है। कपल ने 7 नवंबर, 2025 को अपने पहले बच्चे, एक लड़के का स्वागत किया। बता दें कि कटरीना और विक्की ने सितंबर 2025 में अपनी प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी।

कपल ने 9 दिसंबर, 2021 को राजस्थान में एक छोटी सी शादी में शादी की। मां बनने के बाद, कैटरीना ज्यादातर पब्लिक लाइमलाइट से दूर रही हैं। हालांकि, कटरीना ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को अपनी जिंदगी की झलकें दिखाना जारी रखा है, लेकिन अपने बेटे के बारे में ज्यादा नहीं बताया और न ही अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में ज्यादा कुछ शेयर किया है।

ऑनलाइन अभद्र भाषा बोलने वाले ने श्वेता तिवारी से मांगी माफी

अभिनेत्री श्वेता तिवारी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर मौजूद कुछ ऐसे कमेंट्स और मैसेज सामने रखे, जिनमें महिलाओं के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक और गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल किया गया था। इस मामले को लेकर अभिनेत्री ने सवाल उठाया कि आखिर सोशल मीडिया पर महिलाओं को इस तरह अपमानित कब तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उनकी पोस्ट के बाद महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) की सदस्य स्नेहल अडारकर ने उनसे संपर्क साधा और मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिश की। कुछ दिन पहले श्वेता तिवारी ने सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे कमेंट्स के स्क्रीनशॉट और स्टोरीज शेयर की थीं, जिनमें कुछ पुरुष महिलाओं के लिए बेहद आपत्तिजनक और गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। श्वेता ने उन लोगों के इंस्टाग्राम अकाउंट भी शेयर किए थे। उन्होंने सवाल उठाया था कि क्या महिलाओं के साथ इस तरह का व्यवहार उन लोगों के लिए सही है, जो खुद को मनसे प्रमुख राज ठाकरे का समर्थक बताते हैं।

इसके बाद मनसे की सदस्य स्नेहल अडारकर ने श्वेता से संपर्क किया। अभिनेत्री ने बताया कि स्नेहल ने उनसे साफ कहा कि पार्टी महिलाओं के खिलाफ इस तरह के व्यवहार का समर्थन नहीं करती और न ही ऐसे व्यवहार को पसंद करती है। पोस्ट में जिन लोगों का जिक्र किया गया था, वे मनसे के सदस्य नहीं थे।

श्वेता ने कहा, स्नेहल ने कहा कि वह इस मामले में शामिल लोगों को ढूंढने की कोशिश करेंगी और इसके लिए कुछ दिन का समय मांगा था। इसके बाद महज तीन दिनों के अंदर स्नेहल ने उन्हें उस व्यक्ति का फोन नंबर भेजा, जो इस मामले में शामिल था। साथ ही उस व्यक्ति की ओर से हाथ से लिखा माफी पत्र भी शेयर किया गया।

श्वेता ने इस पूरी कोशिश के लिए स्नेहल अडारकर और मनसे की टीम का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, मैं इस बात की सराहना करती हूं कि टीम ने इस मामले को गंभीरता से लिया और संबंधित व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिश की। मुझे यह जानकर अच्छा लगा कि किसी ने महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपमान को गंभीरता से लिया। स्नेहल ने मुझे यह भी भरोसा दिया कि अगर भविष्य में मुझे इस तरह की किसी परेशानी का सामना करना पड़ता है तो वह मेरे साथ खड़ी हैं।

श्वेता ने आगे कहा, एक-दो लोगों को पकड़ लेना अच्छी बात है, लेकिन सवाल यह है कि उन हजारों या शायद लाखों लोगों का क्या होगा, जो स्क्रीन के पीछे छिपकर खुद को सुरक्षित समझते हैं। असली समस्या उस सोच की है, जिसमें कुछ लोग यह मान लेते हैं कि वे सोशल मीडिया पर महिलाओं को कुछ भी कह सकते हैं और उन्हें इसका कोई नतीजा नहीं भुगतना पड़ेगा। महिलाओं के खिलाफ ऑनलाइन दुर्व्यवहार एक बड़ी समस्या है और इसे बदलने के लिए लोगों की सोच बदलना जरूरी है। सोशल मीडिया की आड़ में किसी को भी महिलाओं का अपमान करने की आजादी नहीं मिलनी चाहिए।

मेरे लिए जन्मदिन खुद के बारे में सोचने का एक समय है : इशिता दत्ता

'दृश्यम' और 'बेपनाह' जैसी फिल्मों और टीवी शो का हिस्सा रह चुकीं एक्ट्रेस इशिता दत्ता बुधवार को अपना 36वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। इस खास दिन पर उन्होंने अपनी जिंदगी और अब तक की जर्नी को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि उनके लिए बर्थडे वह समय होता है, जब वह थोड़ा रुककर जिंदगी को देखती हैं और सोचती हैं कि अब तक उन्होंने क्या हासिल किया है। एक्ट्रेस का कहना है कि जिंदगी में आगे बढ़ने और नए सपने देखने जरूरी हैं, लेकिन साथ ही उन चीजों की कद्र करना भी जरूरी है, जो हमारे पास पहले से मौजूद हैं। इशिता ने अपने इस साल के अनुभव को शेयर किया।

उन्होंने कहा, जब मैं पीछे मुड़कर अपने बीते साल को देखती हूं, तो मुझे अपनी जिंदगी के लिए सिर्फ खुशी और आभार महसूस होता है। ऐसे कई मौके आए, जब मुझे महसूस हुआ कि मैं वाकई बहुत लकी हूं कि ऐसी जिंदगी जी रही हूं। जाहिर है, जिंदगी में हमेशा कुछ नया हासिल करने और आगे बढ़ने की इच्छा रहती है। कुछ नए लक्ष्य होते हैं और कुछ ऐसी जगहें होती हैं, जहां हम पहुंचना चाहते हैं। लेकिन, हमारे पास पहले से जो कुछ है, उसे देखना और उसकी कद्र करना भी बहुत जरूरी है। इस जन्मदिन पर मैं बस इन्हीं चीजों के लिए बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही हूं।

इशिता इस समय अपनी अपकमिंग प्रोजेक्ट 'घमासान' के प्रमोशन में बिजी हैं। एक्ट्रेस ने कहा, इस प्रोजेक्ट का अनुभव मेरे लिए बहुत शानदार रहा है। मेरे जन्मदिन के आसपास इसका प्रमोशन करना काफी स्पेशल लग रहा है। किसी भी प्रोजेक्ट में आप अपनी पूरी मेहनत लगाते हैं और फिर एक ऐसा वक्त आता है, जब आप उसे ऑडियंस के सामने लेकर जाते हैं। अब मैं यह देखने के लिए काफी उत्साहित हूं कि लोगों का इस प्रोजेक्ट को लेकर कैसा रिएक्शन आता है।

इशिता ने बताया, मैं इस नए साल को लेकर खुद पर ज्यादा प्रेशर नहीं डालना चाहती। मैं बस इसे जीना चाहती हूं, इसका मजा लेना चाहती हूं और इसमें पूरी तरह मौजूद रहना चाहती हूं। मैं ऐसा काम करती रहना चाहती हूं, जिससे मुझे खुशी मिले।

मैं उन लोगों के साथ वक्त बिताना चाहती हूं, जो मेरे लिए मायने रखते हैं और लगातार कुछ नया सीखना चाहती हूं। अगर मैं ऐसा कर पाई, तो मुझे लगता है कि मेरा साल काफी खूबसूरत रहेगा।

वर्कफ्रंट की बात करें तो इशिता आने वाले समय में 'दृश्यम 3' में दिखाई देंगी। 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी को दर्शकों का खूब प्यार मिला है और अब इसका तीसरा पार्ट इस कहानी का आखिरी चैप्टर होने वाला है। इशिता इस फिल्म से दोबारा जुड़ेंगी।

फिल्ममेकर कुकू कोहली के निधन पर सलमान खान दुखी

पत्नी अरुणा ईरानी के लिए लिखा, मेरा दिल आपके साथ है

मशहूर फिल्ममेकर कुकू कोहली के निधन पर बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने गहरा दुख जताया है। सलमान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट शेयर कर कुकू कोहली की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके साथ ही उन्होंने कुकू की पत्नी और सीनियर एक्ट्रेस अरुणा ईरानी समेत पूरे परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

77 साल के कुकू कोहली का 25 अगस्त को कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया था, जिसके बाद 26 अगस्त को मुंबई के ओशिवारा श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

'अरुणा जी, भगवान आपको हिम्मत दे'

सलमान खान ने कुकू कोहली पर पोस्ट करते हुए लिखा, ₹भगवान आपकी आत्मा को शांति दे कुकू जी। अरुणा जी, मेरा दिल आपके साथ है। भगवान आपको हिम्मत दे।₹ सलमान की इस पोस्ट के बाद उनके फैंस और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग भी कुकू कोहली को श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

अरुणा ईरानी और परिवार से सलमान का खास रिश्ता

सलमान खान का अरुणा ईरानी और कुकू कोहली के परिवार से पुराना और करीबी रिश्ता रहा है। सलमान ने कुकू कोहली की पत्नी अरुणा ईरानी के साथ 'सपने

साजन के' (1992) और 'हम तुम्हारे हैं सनम' (2002) जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। कुकू कोहली की बेटी करिश्मा कोहली का भी सलमान खान से प्रोफेशनल कनेक्शन रहा है। करिश्मा कोहली ने सलमान खान की सुपरहिट फिल्मों 'एक था टाइगर' और 'बजरंगी भाईजान' में डायरेक्टर कबीर खान के साथ बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया था। कुकू कोहली की पत्नी अरुणा ईरानी ने उनकी डायरेक्ट की फूल और कांटे, कोहराम और सुहाग जैसी कई फिल्मों में काम किया था।

कुकू कोहली की पत्नी अरुणा ईरानी ने उनकी डायरेक्ट की फूल और कांटे, कोहराम और सुहाग जैसी कई फिल्मों में काम किया था।

25 अगस्त को कार्डियक अरेस्ट से हुआ निधन

77 साल के कुकू कोहली (अवतार कोहली) का निधन 25 अगस्त को कार्डियक अरेस्ट की वजह से हुआ था। 26 अगस्त को मुंबई के ओशिवारा श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में विक्की कौशल, कटरीना कैफ, रोहित शेट्टी, राजपाल यादव, जावेद अख्तर और शबाना आजमी भी पहुंचे।

कुकू कोहली ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत राज कपूर की फिल्म बॉबी में असिस्टेंट के तौर पर काम करके की थी।

उन्होंने कई साल उनके साथ रहकर फिल्म बनाने की बारीकियां सीखीं। बाद में वह फिल्म बेताब में सेकेंड यूनिट डायरेक्टर रहे। सनी देओल और अमृता सिंह स्टारर यह फिल्म हिट थी। इसके बाद उन्होंने अर्जुन में भी काम किया।

1991 में कुकू कोहली ने फूल और कांटे से बतौर डायरेक्टर शुरुआत की। फिल्म हिट रही और अजय देवगन को बॉलीवुड में पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने कोहराम और सुहाग जैसी फिल्में बनाईं। सुहाग में अजय देवगन और अक्षय कुमार पहली बार साथ नजर आए थे।

1995 में उनकी फिल्म हकीकत रिलीज हुई। इसमें अजय देवगन और तब्बू थे। फिल्म को फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में सात कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला। कुकू को बेस्ट डायरेक्टर के लिए भी नॉमिनेशन मिला।

इसके बाद उन्होंने जुल्मी, अनाड़ी नंबर 1 और ये दिल आशिकाना जैसी फिल्में बनाईं। उनकी आखिरी फिल्म वो तेरा नाम था 2004 में रिलीज हुई थी।

कुकू कोहली और अरुणा ईरानी ने गुपचुप शादी की थी

कुकू कोहली की दो शादियां हुई थीं। कुकू कोहली की पहली पत्नी का नाम रीता कोहली था। रीता कोहली और कुकू कोहली की दो बेटियां पूजा और करिश्मा थीं।

वहीं, कुकू कोहली की दूसरी शादी एक्ट्रेस अरुणा ईरानी से हुई। दोनों की पहली मुलाकात फिल्म कोहराम के सेट पर हुई थी। शुरुआत में दोनों के बीच बिल्कुल नहीं बनती थी। हालांकि, काम के दौरान कुकू कोहली अरुणा का काफी ख्याल रखते थे। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती बढ़ी और यही दोस्ती प्यार में बदल गई।

करीना कपूर ने 'दायरा' को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट

बोलीं- कहानी कई सच्ची घटनाओं से प्रेरित

अभिनेत्री करीना कपूर खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'दायरा' की रिलीज की तैयारी में हैं। गुरुवार को उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस प्रोजेक्ट पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर कर बताया कि इस फिल्म ने उन्हें मुंबई के उन हिस्सों और ऐसी जगहों पर पहुंचाया, जहां वह पहले कभी नहीं गई थीं। करीना ने कहा कि भले ही वह पूरी जिंदगी इसी शहर में रही हैं और पूरे भारत में घूमी हैं, लेकिन 'दायरा' ने उन्हें मुंबई का एक अनदेखा पहलू दिखाया।

अभिनेत्री ने लिखा, मुंबई में मेरा जन्म हुआ। सारी जिंदगी इस शहर में रहते हुए देशभर में काफी सफर करने के बाद, मुझे लगता था कि मैं इस शहर और देश को अच्छे से जानती हूं, लेकिन फिल्म दायरा की शूटिंग के दौरान मैं ऐसी-ऐसी जगहों पर गईं, जो मैंने पहले कभी ना देखी थी और ना जानती थी।

अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म दायरा ने उनकी सामाजिक समझ को भी कई नई हदों तक पहुंचाया। उन्होंने लिखा, ₹दायरा का सफर मेरी रचनात्मकता को उन जगहों तक ले गया, जो मेरे लिए अब तक अनजान थे। दायरा ने मेरी सामाजिक समझ को भी कई नई हदों तक पहुंचाया। मैंने सीखा है

कि हमारी जिंदगी और समाज सिर्फ दोहरा नहीं है, सब कुछ सिर्फ काला या सफेद नहीं होता। इनके बीच एक पूरा स्पेक्ट्रम है, ग्रे का एक पूरा संसार है, जिसमें हम जीते हैं। दायरा उस ग्रे को सिर्फ समझने की कोशिश नहीं करती बल्कि, ये उसके अंदर उतरती है, उसे कुरेदती है। यही दायरा का सार है। क्योंकि दायरा की दुनिया पूरी तरह ग्रे है, लेकिन इसके साथ-साथ, हमेशा दोहरी भी है।

उन्होंने आगे लिखा, यह फिल्म हमेशा से ही दोहरी कहानी वाली रही है। अपने मूल में 'दायरा' सिर्फ दोहराव के बारे में है और यह दोहरापन फिल्म के दो मुख्य किरदारों के जरिए दिखाया गया है। कास्टिंग के लिहाज से, यह मेरे लिए सपने के सच होने जैसा था। हिंदी और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के दो बेहतरीन कलाकारों को एक-दूसरे के सामने लाना। क्योंकि 'दायरा' एक ऐसी कहानी है जो एक नहीं, बल्कि देश भर में हुई कई सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। दायरा की कहानी भारत के किसी एक शहर या राज्य में नहीं घटती, बल्कि यह हमारे देश में लगभग हर जगह घटती है। दायरा की इस दुनिया को बेहतरीन कलाकारों और शानदार टीम ने जीवंत किया है।

उन्होंने बताया कि इस कहानी में दोनों कलाकार कानून के सफर में हैं, लेकिन फिर, दोनों खुद को कानून की नाजुक लकीरों के आर-पार पाते हैं।

फिल्म में मैंने अजूनी का किरदार निभाया है, जो अपने उसूलों को लेकर अटूट है और पृथ्वीराज के रमन के तेवर भी उनके उसूल जितने मजबूत हैं। जिंदगी की तरह, दायरा में भी, दोनों के फैसले न काले हैं, न सफेद। दोनों ग्रे के एक ऐसे इंद्रधनुष में घुले हैं, जहां कुछ भी साफ-साफ, सही या गलत नहीं है। कभी कानून उन्हें रास्ता दिखाता है, तो कभी वही कानून उनके रास्ते रोक देता है। कानून की लकीरों के दरम्यान का सफर, है दायरा।

करीना ने बताया कि इस फिल्म में वे बिल्कुल नए अंदाज में नजर आने वाली हैं। उन्होंने लिखा, दायरा में मेरा बिल्कुल ही नया और अनदेखा पहलू नजर आयेगा उसे पढ़ पाना आसान नहीं है। वो मुश्किल हालात और लोगों पर मुस्कुराते हुए काबू पा लेती है। पृथ्वीराज सुकुमारन का निभाया हुआ रमन, जैसे अजूनी का दूसरा पहलू है। अपने गुस्से को अंदर ही अंदर कैद कर रखा है और वो कभी मुस्कुराता नहीं।

'वो चाहें तो विलन बन जाएं', रणवीर सिंह पर फिर बोले मुकेश खन्ना; 'शक्तिमान' के लिए ठुकराए करोड़ों

मुकेश खन्ना ने हाल ही में अपने आइकोनिक किरदार शक्तिमान पर खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह बड़े पर्दे पर 'शक्तिमान' के किरदार के लिए रणवीर सिंह को सही विकल्प नहीं मानते। जानिए उन्होंने ऐसा क्यों कहा।

'शक्तिमान' को लेकर क्यों नाराज हैं मुकेश खन्ना?

'शक्तिमान' पर फिल्म बनाने की चर्चा काफी समय से चल रही है। इस फिल्म के लिए रणवीर सिंह का नाम भी सामने आया था। लेकिन मुकेश खन्ना ने इस कास्टिंग पर अपनी नाराजगी जाहिर की है।

सुभोजित घोष को दिए एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि कुछ लोग मानते हैं कि उन्हें अब 'शक्तिमान' के किरदार से आगे बढ़ जाना चाहिए, तो उन्होंने कहा, 'मैं आगे क्यों बढ़ूं? मैंने शक्तिमान बनाया है।'

शक्तिमान के लिए ठुकराए करोड़ों

मुकेश खन्ना ने बताया कि उन्होंने सोनी इंडिया और सोनी इंटरनेशनल को अपनी मंजूरी के बिना फिल्म पर आगे बढ़ने से रोक दिया है।

उनके मुताबिक, उन्हें पहले एक पेमेंट मिल चुकी थी, लेकिन जब मेकर्स ने कुछ ऐसी शर्तें रखीं जो उनकी शुरुआती सहमति से अलग थीं, तो उन्होंने अगला चेक रोक दिया।

उन्होंने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि कमर्शियल तौर पर मैं बेवकूफी कर रहा हूं। मैंने लाखों का नहीं, करोड़ों का चेक ठुकराया है।'

एक्टर ने बताया कि उनके ऑफिस में मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें सलाह दी थी कि पैसे ले लें और बाद में इस मामले को देखेंगे।

लेकिन मुकेश खन्ना ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उनके लिए पैसा नहीं बल्कि उनके सिद्धांत ज्यादा जरूरी हैं।

शक्तिमान को डिस्को में नाचते नहीं देख सकता

मुकेश खन्ना को इस बात की भी चिंता है कि फिल्म को मॉडर्न बनाने के नाम पर 'शक्तिमान' के किरदार में जरूरत से ज्यादा बदलाव न कर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि कल फिल्म में शक्तिमान को डिस्को में नाचते हुए दिखाया जा सकता है और उसके बाद कुछ और भी ऐसा किया जा सकता है, जो इस किरदार की असली पहचान से मेल नहीं खाता।

शक्तिमान के लिए रणवीर की इमेज सही नहीं

मुकेश खन्ना ने बताया कि रणवीर ने करीब तीन घंटे तक उन्हें शक्तिमान के किरदार के लिए मनाने की कोशिश की थी। मुकेश खन्ना ने रणवीर की एनर्जी की तारीफ भी की। उन्होंने बताया कि रणवीर बातचीत के दौरान जमीन पर बैठ गए थे और उनकी एनर्जी देखकर उन्हें दिवंगत अभिनेता देव आनंद की याद आ गई थी।

हालांकि, शक्तिमान के किरदार के लिए मुकेश खन्ना को रणवीर की इमेज सही नहीं लगती। उन्होंने कहा, 'रणवीर सिंह 'धुरंधर', 'गली बॉय' और खिलजी का किरदार निभा सकते हैं, लेकिन शक्तिमान नहीं।'

मुकेश खन्ना के मुताबिक, शक्तिमान के लिए एक खास तरह की इमेज और चेहरा चाहिए। उनका मानना है कि रणवीर का चेहरा शरारती और चालाक नजर आता है, जबकि शक्तिमान का चेहरा और व्यक्तित्व पूरी तरह सकारात्मक होना चाहिए।

रणवीर को इस रोल में देखना चाहते हैं मुकेश

दिलचस्प बात यह है कि मुकेश खन्ना रणवीर सिंह को पूरी तरह फिल्म से बाहर नहीं करना चाहते।

उन्होंने रणवीर को किलविश का किरदार ऑफर करने की बात भी कही थी।

उनका मानना है कि रणवीर ने 'पद्मावत' में अलाउद्दीन खिलजी का किरदार जिस तरह निभाया था, उसे देखते हुए वह किलविश के रोल में अच्छे लग सकते हैं।

बता दें कि किलविश 'शक्तिमान' में विलेन का किरदार है।

'मैं कठपुतली नहीं हूं'; भाजपा से अलग राय पर कंगना रनौत की प्रतिक्रिया - '20 साल से मेरी अपनी पहचान है'

कंगना रनौत का कहना है कि वे कोई कठपुतली नहीं हैं। अभिनेत्री और भाजपा सांसद का कहना है कि हो सकता है कि भविष्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उनके साथ न खड़ी हो। कंगना ने आगे कहा कि कई फिल्म निर्देशकों के लिए अब भी वे बेहद पसंदीदा एक्ट्रेस हैं।

भाजपा से अलग राय पर क्या बोलीं कंगना?

कंगना रनौत ने एक इंटरव्यू में अपने निजी विचारों और पार्टी की आधिकारिक राय के बीच अंतर के बारे में बात की। कंगना रनौत ने कहा कि भले ही उनके सार्वजनिक बयान कभी-कभी भाजपा के रुख से मेल नहीं खाते दिखे हों, लेकिन उनकी मुख्य पहचान उनके दो साल के राजनीतिक करियर के बजाय उनके 20 साल के एक्टिंग करियर से जुड़ी है।

बोलीं- 'जान-बूझकर पार्टी से अलग नहीं होना चाहती'

कंगना रनौत ने कहा, 'ऐसा नहीं है कि मैं अपनी पार्टी से अलग होना चाहती हूं, लेकिन साथ ही मुझे लगता है कि जब बहुत ज्यादा शोर-शराबा हो, तो अपनी बात सुनाने के लिए जोर से बोलना पड़ता है। इसलिए मैं कभी-कभी कड़े बयान देती हूं'।

उन्होंने आगे कहा, 'मैं जान-बूझकर पार्टी से अलग नहीं होना चाहती, लेकिन अगर कभी ऐसा करती भी हूं, तो एक व्यक्ति के तौर पर यह ध्यान रखना चाहिए कि मैं कोई कठपुतली नहीं हूं'। 'आज बीजेपी मेरे साथ है, हो सकता है कल न हो। मैं दो साल से सांसद हूं। एक एक्टर के तौर पर मेरा करियर 20 साल से चल रहा है। 20 वर्षों से मेरी अपनी एक पहचान रही है'।

'हां उसने गिफ्ट्स दिए थे', ठग सुकेश चंद्रशेखर संग अफेयर के दावों पर नोरा ने तोड़ी चुप्पी

एक्ट्रेस और डांसर नोरा फतेही अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रहीं हैं। कुछ समय पहले वह तब मुश्किलों में घिर गई थीं, जब उनका नाम ठग सुकेश चंद्रशेखर के साथ जुड़ा था, जो 200 करोड़ के फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग केस में सलाखों के पीछे है। अब हाल ही में नोरा फतेही ने अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर के बारे में बात की, ये दौर वो था जब जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर से उनका नाम जोड़ा गया था।

नोरा ने सुकेश के साथ नाम जोड़े जाने के बारे में बात करते हुए कहा कि इस घटना ने उन्हें बुरी तरह झकझोर दिया था और मानसिक तौर पर काफी परेशान कर दिया था। इस बारे में बात करते हुए नोरा इमोशनल हो गईं और बताया कि, इस विवाद ने उनके काम को भी प्रभावित किया और उन्होंने कई ब्रांड भी गंवा दिए थे।

नोरा फतेही ने उन दावों पर प्रतिक्रिया दी, जिनमें कहा जा रहा था कि वह कॉनमैन सुकेश चंद्रशेखर के साथ रोमांटिक रिलेशनशिप में थीं। उन्होंने कहा कि वह कभी भी उस स्थिति से बाहर नहीं आ सकतीं, क्योंकि इस विवाद ने उन्हें बुरी तरह झकझोर दिया था।

नोरा ने इस पर रिएक्ट करते हुए कहा- 'मैं इस विवाद के बाद इतने सदमे में थी कि अब तक इससे बाहर नहीं आ पाई हूं। आज भी जब कभी मेरी एजेंसी मुझे किसी इवेंट के लिए बुक करती है, तो मैं जाती हूं क्योंकि मुझे पैसे कमाने हैं। लेकिन, मैं यह सोचकर डर जाती हूं कि 'अब क्या होगा?'

नोरा आगे कहती हैं- 'मैंने बहुत मुश्किल से सबक सीखा है। उस विवाद का इस्तेमाल मेरे बारे में गलत बातें फैलाने के लिए भी किया। मगर मेरी मां मुझे जानती है, वो जानती है कि मैं कैसी हूं। उन्हें अपनी परवरिश के बारे में पता है और मेरे दोस्त भी मुझे जानते हैं।'

नोरा ने कहा- 'अगर वे मुझे इतनी अच्छी तरह नहीं जानते होते, तो शायद वे भी उन दावों पर यकीन कर लेते जो लोग मेरे बारे में कर रहे थे। वह मेरे लिए बहुत नाजुक समय था। उस एक घटना के चलते मैंने कई ब्रांड्स के साथ काम खो दिया और बहुत सारा काम गंवाना पड़ा।

आज भी उसका असर है, आज भी लोग ऐसी बातें कहते हैं कि 'अरे, वह उस आदमी को जानती है' या 'उसने उसे डेट किया था'। मगर इन बातों में कोई सच नहीं है।'

नोरा के अनुसार, इस विवाद को लेकर लोगों की सोच लंबे समय तक उन्हें परेशान करती रही। उन्होंने आगे कहा, 'लोगों को सोचना चाहिए कि वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल कैसे कर रहे हैं। कर्मा सच है।

हां, मैं उस इवेंट में गई थी। हां, मैंने उस व्यक्ति के परिवार और पत्नी से बातचीत की थी, उन्होंने मुझे एक कार और दूसरी चीजें तोहफे में दी थीं, लेकिन मुझे बताया गया था कि यह सामान्य बात है।'

'भोजपुरी बवाल' के बाद इंडस्ट्री में दो फाड़

अंजना सिंह ने काजल राघवानी पर साधा निशाना

वेब रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' के शो प्रीमियम होने के बाद पूरी भोजपुरी इंडस्ट्री दो हिस्सों में बटती दिख रही हैं। काजल राघवानी द्वारा पवन सिंह, आम्रपाली दुबे और दिनेश लाल यादव निरहुआ पर गंभीर आरोप लगाए थे, जिस विवाद पर अभिनेत्री अंजना सिंह ने काजल का नाम लिए बिना उन पर सहानुभूति लेने बात की। अभिनेत्री अंजना सिंह ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए काजल राघवान को अपने रिश्ते संभालने की हिदायत दी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर तीन नोट शेयर किए, जिसमें उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से काजल के लिए कहा कि वे सभी से सहानुभूति मांगती हैं। उन्होंने अपनी पहली स्टोरी में नोट लिखा, हमारी इंडस्ट्री में एक मौसी हैं (खाला), जो ऑन-ऑफ स्क्रीन पूरी मंथरा का रोल प्ले करती हैं। उन्होंने अपनी दूसरी स्टोरी में लिखा, राम राम क्या दिन आ गए हैं, गाड़ी एक और मालिक दो। सही है, सही है।

आखिरी में लिखा, लोगों को बहुत सहानुभूति चाहिए। ये लोग जब किसी के साथ रहते हैं तो कहते हैं, 'क्योंकि मैं इनके साथ हूं, इसलिए लोग काम नहीं देते,' और जब इंसान साथ नहीं रहता तो लोगों के पास रो रो कर बुराई करना और सहानुभूति पाना शुरू कर देते हैं। भाई, अपने रिश्ते खुद संभालो, लोगों के पास जाकर रोने और बुराई करने से कुछ नहीं मिलेगा, बड़े हो जाओ।

हालांकि, अभिनेत्री अंजना सिंह ने अपने पोस्ट में कहीं भी काजल राघवानी के नाम का जिक्र नहीं किया है।

दरअसल, रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' में अभिनेत्री काजल राघवानी ने मुख्य रूप से पवन सिंह, दिनेश लाल यादव (निरहुआ) और आम्रपाली दुबे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। काजल राघवानी ने पवन सिंह पर आरोप लगाते हुए कहा कि 2008 की फिल्म 'कैसे हो जा प्यार' की शूटिंग के दौरान उनसे बिना बताए और उनकी सहमति के बिना जबरदस्ती किसिंग सीन करवाने की कोशिश की गई थी। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो पवन सिंह कथित तौर पर सेट छोड़कर चले गए थे।

वहीं, काजल ने निरहुआ और आम्रपाली दुबे पर आरोप लगाया था कि 'आशिक आवारा' के दौरान उनका एक गाना शूट होने वाला था, जिसे बाद में उनसे लेकर आम्रपाली दुबे और निरहुआ पर फिल्मा लिया गया था। उन्होंने आम्रपाली पर असुरक्षा महसूस करने का भी जिक्र किया था।

1 लाख जीविका दीदियों के खातों में पहुंचे 20-20 हजार

महिला रोजगार योजना की दूसरी किश्त जारी, 4 लाख को मिली 10-10 हजार की पहली किश्त

पटना, 27 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन से ठीक पहले सीएम सम्राट चौधरी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की दूसरी किश्त जारी कर दी है। बिहार की 1 लाख जीविका दीदियों के खातों में 20-20 हजार रुपए ट्रांसफर किए गए हैं।

योजना के लिए 4 लाख नए रजिस्ट्रेशन हुए थे। इसके तहत 4 लाख जीविका दीदियों के खातों में 10-10 हजार रुपए भेजे गए हैं। कुल 400 करोड़ रुपए की राशि खातों में ट्रांसफर की गई है।

इसके साथ ही पटना के बापू सभागार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 'समृद्ध महिला-समृद्ध बिहार अभियान' की शुरुआत की। अभियान का उद्देश्य राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ उन्हें रोजगार, स्वरोजगार, उद्यमिता, पशुपालन, डेयरी, शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना है।

जीविका दीदियों तक सीमित नहीं रहेगा अभियान

इस अभियान का दायरा केवल

स्वयं सहायता समूहों और जीविका दीदियों तक सीमित नहीं रखा गया है। इसमें महिला उद्यमियों, पशुपालक महिलाओं, डेयरी क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं, उच्च शिक्षा एवं शोध करने वाली छात्राओं तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही बेटियों को भी शामिल किया गया है।

विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में अपना व्यवसाय शुरू करने की इच्छुक महिलाओं को भी अभियान के माध्यम से प्रोत्साहन दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने अगले 3 सालों में 1 करोड़ महिलाओं को सीधे रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने का लक्ष्य रखा है।

इसके तहत करीब 60 लाख महिलाओं को पशुपालन और डेयरी, 25 लाख को विनिर्माण तथा 15 लाख महिलाओं को सेवा क्षेत्र से जोड़ने की योजना है। सरकार का उद्देश्य महिलाओं की आय बढ़ाने के साथ उन्हें आर्थिक निर्णयों में अधिक सक्षम बनाना है।

महिलाओं और बेटियों में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 'बिहार की बेटी स्टार्टअप चैलेंज योजना' शुरू की गई है। नए और इनोवेटिव बिजनेस आइडिया वाली बेटियों को 50 हजार से 2 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जाएगी। इससे युवा महिलाओं को अपने कारोबारी विचारों को धरातल पर उतारने में मदद मिलेगी।

प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रारंभिक परीक्षा पास करने वाली छात्राओं को आगे की तैयारी के लिए 30 हजार से 1 लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। सरकार का उद्देश्य आर्थिक कारणों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में आने वाली बाधाओं को कम करना है।

उच्च शिक्षा और शोध के क्षेत्र में बेटियों को प्रोत्साहित करने के लिए, मुख्यमंत्री बालिका पीएचडी फेलोशिप योजना के तहत करीब 1,000 छात्राओं को सहायता दी जाएगी। चयनित छात्राओं को चार वर्षों तक हर महीने 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी।

एयर चीफ मार्शल बोले- बच्चे ही देश चलाएंगे

पत्नी के साथ पहुंचे, छात्रों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का एक्शन दिखाया

गोरखपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। गोरखपुर शहर से करीब 30 किमी दूर माथाबारी गांव में गुरुवार को एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह पत्नी सरिता के साथ पहुंचे। यहां सरस्वती गुरुकुल में फूल बरसाकर उनका स्वागत किया गया। एयर चीफ मार्शल ने कहा- यही बच्चे एक दिन देश को चलाएंगे।

गुरुकुल में बनाई गई लाइब्रेरी का एयर चीफ मार्शल की पत्नी ने शुभारंभ किया। छात्र-छात्राओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के नाटक का मंचन किया। पहले पहलगाम में आतंकी हमले फिर भारत का आर्मी एक्शन दिखाया गया। इस दौरान भारत माता की जय के भी जयकारे लगे।

एयर चीफ मार्शल ने कहा- आप बच्चों को जो भी बनाएं, लेकिन सबसे पहले हमें एक अच्छा इंसान बनना है। अगर अच्छा इंसान उन्हें बना पाएंगे तो आगे जाकर वो अच्छा काम करेंगे। सभी के नाम के आगे अगर उसके सपनों का सरनेम है

तो उसका मिडिल नेम इंसान रख दिया जाए। जैसे मोहित इंसान डॉक्टर, अर्पिता इंसान आईएएस।

यंग जनरेशन से मिलकर बहुत खुशी होती है

एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने कहा- जब भी किसी स्कूल में यंग जनरेशन से मिलते तो बहुत खुशी होती है।

आप सब लोग देश का भविष्य हैं। यह देश कुछ अच्छा करता है तो भी आपके कारण ही होगा। अच्छा नहीं करता है तो भी आपके कारण होगा। आप सबको बड़े होकर इस देश को चलाना है।

बच्चे जब कोई खंभा गाड़ते हैं तो पहले गड्ढा खोदते हैं। फिर खंभा गाड़ने के बाद उसके अगल-बगल कंक्रीट डाला जाता है। उसके सूखने पर खंभे को चाहे जितना हिलाओ, नहीं हिलेगा। क्योंकि, उसकी जड़ मजबूत हो जाती है। आज जब आप पढ़ रहे हो, वह आपकी जड़ है। बड़े होकर आप कितने काबिल बनोगे, वह इसी जड़ पर निर्भर करेगा।

आजादी की कीमत के बारे में बच्चों को बताते रहिए

एयर चीफ मार्शल ने बच्चों के माता-पिता और शिक्षकों से कहा- देश के बारे में बच्चों को नहीं बताएंगे तो कल जब उन्हें बड़े होने पर यह पता नहीं चलेगा कि हमारा देश क्या है। तब उन्हें आजादी की कीमत नहीं पता चलेगी। इसलिए ये बात बार-बार बताना बड़ों का कर्तव्य है।

आज बच्चों को जो सिखाया जा रहा, उसे अच्छे से सीखे। जो टीचर बोलें, घर में माता-पिता बोलें, उसे करना है। आप अभ्यास करोगे तो अच्छा बनोगे। कोशिश हमेशा जारी रहनी चाहिए। एक बार आपने ठान लिया, तो उसके लिए प्रयास करते रहें।

बच्चों को जो भी बनाएं, सबसे पहले अच्छा इंसान बनाएं

एयर चीफ मार्शल ने कहा- अच्छा इंसान हमेशा बने रहना है। अच्छा नागरिक बनना है। वैल्यू हमेशा बनी रहनी चाहिए।

हमें अपने आस-पड़ोस में भी अच्छा व्यवहार करना है। उसके दुख-सुख में शामिल होना है। कालोनी की किसी जरूरत में अपना योगदान देना है तो देना चाहिए। वो चाहे श्रमदान से हो या फिर पैसे से।

हम कहां पहुंचेंगे वह महत्वपूर्ण नहीं है, हम कैसे चल रहे हैं, वह महत्वपूर्ण है। हमें जिधर जाना है, उसी रास्ते पर चलना है। यदि आपको कोई समझाता है अच्छी बात तो उसका पालन करना चाहिए।

घर में माता-पिता आपको जो बोलते हैं। आपके फायदे के लिए बोलते हैं, इसलिए उसका पालन करना चाहिए। यदि आपको और कुछ लगता है तो उसे मांगिए। उन्हें सही लगेगा तो देंगे।

चौकीदार पर दो बार कार चढ़ाई, मौत

टाउनशिप में जबरन घुसने से रोका था, थप्पड़ मारा फिर रिश्तेदार समेत दोनों को कुचला

इंदौर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर के लसूड़िया इलाके में टाउनशिप में कार लेकर जबरन घुसने से रोकने पर चौकीदार को कार से कुचलकर मार डाला। विवाद के दौरान आरोपी ने पहले चौकीदार को थप्पड़ मारा। इसके बाद कार मोड़कर आया और चौकीदार और उसके रिश्तेदार को कुचल दिया।

इतने पर भी जी नहीं भरा तो आरोपी दोबारा कार लेकर लौटा और चौकीदार को फिर कुचलकर भाग निकला। गंभीर हालत में चौकीदार को एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। हादसे में उसका रिश्तेदार भी घायल हुआ है।

टीआई राजकुमार यादव के मुताबिक, घटना द एक्जोटिका टाउनशिप के गेट के पास बुधवार रात करीब 10 बजे की है। अरडिया गांव निवासी राजा उर्फ

धर्मेंद्र, मृतक

कमल कुमावत अपने दोस्तों के साथ कार लेकर टाउनशिप में प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। वहां तैनात चौकीदार धर्मेंद्र पुत्र रामचंद मालवीय ने उसे रोक दिया। उस समय धर्मेंद्र के साथ उसका रिश्तेदार गोविंद भी मौजूद था। धर्मेंद्र के चाचा मनोहर ने बताया कि प्रवेश को लेकर विवाद के दौरान राजा ने धर्मेंद्र को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद टाउनशिप के मालिक से मोबाइल पर उसकी बात कराई गई। मालिक ने राजा को कार लेकर वहां से जाने के लिए कहा। इसके बाद वह कार लेकर बाहर चला गया। आरोप है कि कुछ देर बाद राजा कार लेकर वापस आया और धर्मेंद्र व गोविंद पर कार चढ़ा दी। हादसे में गोविंद के पैर में फ्रैक्चर हो गया। इसके बाद आरोपी ने कार को फिर पलटाया और दूसरी बार धर्मेंद्र के ऊपर चढ़ाकर मौके से भाग गया। गंभीर रूप से घायल धर्मेंद्र को परिजन एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। धर्मेंद्र करीब एक साल से टाउनशिप में चौकीदारी कर रहा था और मूल रूप से देवास का रहने वाला था। उसके परिवार में पत्नी, दो बच्चे और मां हैं। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश में उसके घर पर दबिश दी, लेकिन वह नहीं मिला। पुलिस उसकी तलाश कर रही है और घटना के सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

नेपाल में बाढ़, बिहार का गंडक बैराज 4 बार खोला

हर सेकेंड 79.3 लाख लीटर पानी निकल रहा, सीएम सम्राट बोले- खतरा अभी टला नहीं

बगहा, बेतिया, 27 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल के रसुवा जिले में बुधवार को आई बाढ़ के बाद बिहार के गंडक बैराज से सुबह से 4 बार पानी छोड़ा जा चुका है। रात 12 बजे तक नेपाल की ओर से करीब डेढ़ लाख क्यूसेक, यानी क्यूबिक फीट प्रति सेकेंड पानी छोड़ा गया। बगहा स्थित गंडक बैराज के 36 गेट खोल दिए गए हैं।

रात 12 बजे बैराज से 1 लाख 52 हजार क्यूसेक, सुबह 6 बजे 88 हजार, 7 बजे 92,900 हजार, 10 बजे 104,400, 12 बजे 106,600 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। मतलब बैराज से हर सेकेंड 79.3 लाख लीटर पानी निकल रहा है। गंडक बैराज पर नेपाल में हुई तबाही का मलबा भी दिखाई दे रहा है। पानी के साथ भैंस, फ्रिज और घरों का सामान भी बहकर आ रहा है।

क्यूसेक पानी की प्रवाह दर की यूनिट है, पानी की मात्रा की नहीं। 1 क्यूसेक यानी एक सेकेंड में 1 घन फुट बह रहा है। 1 घन फुट पानी करीब 28.32 लीटर होता है।

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, इस बाढ़ के बाद गंडक में 3 मीटर ऊंची लहरें उठ सकती हैं, फ्लैश फ्लड आने की भी आशंका है। बिहार के 8 जिलों में हाई अलर्ट जारी है। ये जिले पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी और शिवहर हैं।

बदलेंगे राजद के 43 में से 20 जिला अध्यक्ष

53% यादव-मुस्लिम, सवर्ण 2, नई कमेटी में क्या बदलने जा रहे तेजस्वी यादव

पटना, 27 अगस्त (एजेंसियां)। बांकीपुर में जमानत जब्त होने के बाद तेजस्वी यादव ब्लॉक से लेकर जिला स्तर तक राजद नेतृत्व बदलने जा रहे हैं। उन्होंने पार्टी के सभी प्रकोष्ठों सहित जिला कमिटियों से लेकर पंचायत कमिटियों तक को भंग कर दिया है।

भंग किए जाने से पहले राजद के करीब 43 जिला अध्यक्ष थे। पार्टी सूत्रों के अनुसार इनमें से करीब 20 को बदला जा सकता है। तेजस्वी युवाओं को ज्यादा जगह देने जा रहे हैं, 60 साल से अधिक उम्र वालों को संगठन की बड़ी जिम्मेदारी से हटाया जाएगा। इन सबके अलावा विवादों में रहने वाले जिला अध्यक्षों को भी हटाया जा सकता है।

नए नेतृत्व के चुनाव में तेजस्वी पार्टी के कोर वोट बैंक (यादव-मुस्लिम) के साथ अन्य समाज के लोगों को भी जोड़ने की कोशिश करेंगे। कमेटी भंग किए जाने से पहले राजद के 43 जिला अध्यक्ष में से यादव 16 और मुसलमान 7 थे।

वहीं, गैर यादव ओबीसी-ईबीसी

9, एससी 6, सवर्ण 2 वैश्य 1 और एसटी समाज से आने वाले 1 नेता जिला अध्यक्ष थे। किसे नया जिला अध्यक्ष बनाना है? यह फैसला राजद के नेताओं ने तेजस्वी के हाथों में छोड़ा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, समर्पित कार्यकर्ताओं को यह पद मिलेगा।

इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि युवाओं को मौका मिले। क्षेत्रीय सामाजिक समीकरण का भी ख्याल रखा जाएगा। तेजस्वी सभी जाति, वर्ग, धर्म को जोड़कर पार्टी ए टू जड का फार्मूला फिट करने पर फोकस रखेंगे।

तीन आधार पर चुने जाएंगे नए जिला अध्यक्ष

60 साल या उससे अधिक उम्र नहीं हो। विवादित चेहरा नहीं हो, इलाके में अच्छी छवि हो। परिपक्व युवाओं को मौका मिलेगा।

बिहार में 38 जिले हैं, लेकिन राजद के जिलाध्यक्षों की संख्या करीब 43 है। इसकी वजह कई जिलों में एक से अधिक जिला अध्यक्ष होना है।

पार्टी ने सभी कमेटी भंग की है। इसलिए वर्तमान में राजद का कोई जिला अध्यक्ष नहीं है। पार्टी सूत्रों के अनुसार करीब 20 पूर्व जिला अध्यक्षों को फिर से यह पद नहीं मिलने वाला।

करीब 15 नेताओं को यह पद अधिक उम्र के चलते वापस नहीं मिलेगा। वहीं, विवादों में रहने के चलते 5-6 नेताओं को वापस जिला अध्यक्ष बनाए जाने की उम्मीद कम है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार तेजस्वी का फोकस युवा नेतृत्व को आगे लाने पर है। इसके चलते 60 साल या इससे अधिक उम्र वाले पूर्व जिला अध्यक्षों को फिर से यह पद मिलना मुश्किल है।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला

मध्यप्रदेश में सियासत गरमाई, पूर्व सैनिक मैदान में उतरे, मंत्री शाह के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग

इंदौर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। आपरेशन सिंदूर के दौरान सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के संबंध में भाजपा सरकार के मंत्री कुंवर विजय शाह द्वारा की गई अपमानजनक टिप्पणी को लेकर प्रदेश में राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस के बाद अब पूर्व सैनिकों ने भी मंत्री शाह के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर मोर्चा खोल दिया है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई 'और ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के संबंध में मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कुंवर विजय शाह द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला एक बार फिर गरमा गया है। पूर्व सैनिकों ने कड़ी निंदा की है। पूर्व सैनिक विभाग ने केंद्र एवं मध्य प्रदेश सरकार से मंत्री विजय शाह के विरुद्ध उचित एवं कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस वीभत्स घटना में अनेक परिवार उजड़ गए और 26 महिलाओं के सुहाग उनकी आंखों के सामने छिन गए।

इस घटना से पूरे देश में जबरदस्त आक्रोश और गहरा दुःख व्याप्त हुआ था। भारत सरकार के निर्णय के बाद भारतीय सेना ने 7 मई 2025 की रात 'ऑपरेशन सिंदूर' के अंतर्गत पाकिस्तान तथा पाकिस्तान अधिकृत क्षेत्र में स्थित नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की। भारतीय सेना की इस कार्रवाई ने आतंकवाद के विरुद्ध देश की दृढ़ इच्छाशक्ति को प्रदर्शित किया।

इस पूरी कार्रवाई के दौरान भारतीय सेना की प्रवक्ता के रूप में कर्नल सोफिया कुरैशी ने देश की जनता को सैन्य कार्रवाई से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां अत्यंत संयम, स्पष्टता और जिम्मेदारी के साथ उपलब्ध कराईं। ऐसे समय में, जब पूरा देश भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को सलाम कर रहा था, मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री कुंवर विजय शाह द्वारा 13 मई 2025 को इंदौर के समीप महू (मानपुर) में आयोजित एक जनसभा में कर्नल सोफिया कुरैशी को कथित रूप से 'आतंकवादियों की बहन' कहकर संबोधित किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण, निंदनीय और देश की सेना की एक महिला अधिकारी का अपमान करने वाला कृत्य था।

इस आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद पूरे देश में आक्रोश उत्पन्न हुआ। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए मंत्री शाह के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए। FIR दर्ज होने के बाद भी इस मामले में अपेक्षित कार्रवाई न होने से पूर्व सैनिकों और देशवासियों में निराशा उत्पन्न हुई। न्यायालय द्वारा भी मामले में जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के संबंध में निर्देश दिए गए।

इसके बावजूद मंत्री विजय शाह को मंत्रिमंडल में बनाए रखा गया है। इस पर सैनिक विभाग के पूर्व अध्यक्ष सेवानिवृत्त मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव व अन्य पूर्व सैनिकों ने मध्य प्रदेश सरकार के निर्णय अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताया है।

पूर्व सैनिक विभाग ने स्पष्ट किया है कि भारतीय सेना किसी राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि पूरे देश की सेना है। सेना के किसी अधिकारी या जवान का अपमान देश के करोड़ों नागरिकों की भावनाओं, सैनिकों के त्याग और राष्ट्र की गरिमा का अपमान है।

कर्नल सोफिया कुरैशी ने देश की सेना का प्रतिनिधित्व करते हुए अत्यंत जिम्मेदारी और गरिमा के साथ देशवासियों को सैन्य कार्रवाई की जानकारी दी थी।

गुरुग्राम में एअर इंडिया कर्मी की पत्नी का सुसाइड

सोसाइटी फ्लैट में फंदा लगाया रियल एस्टेट कंपनी में काम करती थी

गुरुग्राम, 27 अगस्त (एजेंसियां)। गुरुग्राम में एअर इंडिया कर्मी की वाइफ ने सुसाइड कर लिया। महिला सेक्टर-71 स्थित सीएचडी एवेन्यू सोसाइटी में पति संग रह रही थी, जहां उसने अपने फ्लैट में फंदा लगा लिया।

मृतका की पहचान कीर्तिमई मिश्रा के रूप में हुई है। वह रियल एस्टेट कंपनी स्मार्ट वर्ल्ड में काम करती थीं और पति युवराज शर्मा एयर इंडिया ट्रेनिंग एकेडमी में सेवाएं दे रहे हैं। दंपति मूल रूप से ओडिशा के भुवनेश्वर के रहने वाले हैं। घटना की सूचना मिलने पर बादशाहपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस मृतका के पति से पूछताछ कर रही है। साथ ही महिला के ऑफिस कर्मियों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिजनों से बातचीत के बाद ही मौत की वजह साफ हो सकेगी।

2 लाख की घूस लेते महिला डीसीएलआर गिरफ्तार

घर से 13 लाख जब्त, जमीन विवाद निपटाने के बदले पैसे-वॉशिंग मशीन गिफ्ट मांगी थी

समस्तीपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। समस्तीपुर के रोसड़ा अनुमंडल की डीसीएलआर कंचन कुमारी झा को निगरानी की टीम ने 2 लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। सूत्रों की मानें तो टीम ने उनके घर से 13 लाख कैश भी जब्त किए हैं।

कंचन ने विभूतिपुर के रहने वाले मनोज कुमार महतो से जमीन विवाद से जुड़े केस को सुझलाने के एवज में 2 लाख कैश और वॉशिंग मशीन की डिमांड की थी। आज सुबह निगरानी की टीम मनोज कुमार के साथ कंचन के घर पहुंची। फिल्मी स्टाइल में टीम ने डीसीएलआर को 2 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

सुबह करीब 9 बजे 2 गाड़ियों से निगरानी की टीम कंचन के सरकारी आवास पर पहुंची थी। छापेमारी के दौरान डीसीएलआर सरकारी आवास में ही मौजूद थीं।

तलाशी के वक्त किसी भी बाहरी व्यक्ति के अंदर आने या बाहर जाने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई थी।

टीम के सदस्यों ने आवास पर जमीन विवाद से जुड़े फैसलों, म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) की फाइलों, बैंक पासबुक, निवेश के कागजात और लॉकर से संबंधित कड़ियों को खंगाला।

डीसीएलआर का काम अनुमंडल स्तर पर जमीन के रिकॉर्ड, राजस्व मामलों और भूमि विवादों की सुनवाई और उसका निपटारा करना होता है। दाखिल-खारिज की अपील की सुनवाई करते हैं। अंचल अधिकारी (सीओ) ने दाखिल-खारिज के आवेदन को रद्द कर दिया है या उनके निर्णय से असंतुष्ट हैं तो उनके खिलाफ डीसीएलआर कोर्ट में अपील कर सकते हैं।

जमीन के कब्जे, बंटवारे या मालिकाना हक से जुड़े शिकायतों की सुनवाई और समाधान डीसीएलआर करते हैं। डीसीएलआर को दोनों पक्षों को सुनकर एक तय समय सीमा में सुलझाना होता है। इसके साथ ही सीओ कार्यालयों के कार्यों की निगरानी भी करते हैं।

शुद्ध शाकाहारी हूं, मछली खाने का प्रमाण दें तो राजनीति से संन्यास ले लूंगा

लखनऊ, 27 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पर अयोध्या में मछली की दावत करने का आरोप लगाया था। इस आरोप का लगातार हो रहे विरोध के बीच उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एक खुला पत्र लिखकर प्रदेश के मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकाने और झूठी बयानबाजी करने का गंभीर आरोप लगाया है। पत्र में उन्होंने कहा कि जनता ने लगातार दूसरी बार समस्याओं के समाधान के लिए सत्ता सौंपी है, न कि राजनीतिक विरोधियों पर व्यक्तिगत और

अजय राय का पलटवार

आधारहीन आक्षेप लगाने के लिए। अजय राय ने नसीहत देते हुए कहा कि केवल भगवा वस्त्र धारण कर लेने से संत का आचरण सिद्ध नहीं होता। इसके लिए सत्य, संयम, करुणा और जनसेवा जरूरी है। यदि मुख्यमंत्री इन जिम्मेदारियों को निभाने में असमर्थ हैं, तो पद से इस्तीफा देकर मठ लौट जाना ही प्रदेश के हित में होगा। अपने पत्र में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अयोध्या दर्शन के बाद 'मछली की दावत' उड़ाने के आरोप पर पलटवार करते हुए स्पष्ट किया कि वह पूर्णतः शाकाहारी हैं और जिस कार्यक्रम का जिक्र किया गया, वह निषाद समाज का एक सामाजिक निमंत्रण था। उन्होंने सीएम को सीधी चुनौती देते हुए लिखा कि 'यदि मेरे मछली खाने की कोई भी प्रमाणित तस्वीर या वीडियो आपके पास है तो उसे जनता के सामने लाएं, मैं तुरंत राजनीति से संन्यास ले लूंगा।' उन्होंने आरोप लगाया कि चुनौती देने के पांच दिन बीत जाने के बाद भी मुख्यमंत्री की ओर से कोई तथ्यपरक उत्तर नहीं आया। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'माफिया के सामने थर-थर कांपने' वाले बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए अजय राय ने कहा कि उनके भाई स्व. अवधेश राय की हत्या के बाद उन्होंने कभी माफिया के आगे सिर नहीं झुकाया।

मर्डर केस में पूर्व विधायक को उम्रकैद

आढ़ती को गोली मारी थी, 15 साल बाद फैसला, हार्ट पेशेंट बता बाली ने कोर्ट से रहम मांगा

रोहतक, 27 अगस्त (एजेंसियां)। रोहतक कोर्ट ने दो बार विधायक रहे बलबीर सिंह उर्फ बाली पहलवान को मर्डर केस में कठोर उम्रकैद की सजा सुनाई है। बाली समेत 7 लोगों को एक दिन पहले ही कोर्ट ने दोषी ठहराया था। यह फैसला मई 2011 को कलानौर अनाज मंडी में आढ़ती विष्णु निगाना मर्डर केस में आया है। बाली इस केस में सात साल तक जेल में भी रहा।

लंच टाइम के बाद अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एएसजे) कपिल राठी की कोर्ट ने सजा सुनाई। बुधवार को बाली के अलावा कोर्ट ने सुनील, पवन, सुनील उर्फ सोलर, राजेश, दिनेश उर्फ काला और मुकेश को भी दोषी ठहराया था। जबकि दिनेश, राजेंद्र, सत्येंद्र, फूल कुमार, कुलदीप, परमजीत, सतीश और रविंद्र को सबूतों के अभाव में बरी किया गया।

बता दें कि साल 2011 में पूर्व विधायक की गिरफ्तारी रोकने के लिए हजारों समर्थक जुट गए थे। कई दिन तक पुलिस हिम्मत नहीं जुटा पाई थी। महिलाओं ने बंदूकें तक उठा ली थी। तीन सप्ताह बाद बाली भारी भीड़ के साथ सरेंडर करने पहुंचा था। अब सजा से बचने के लिए कोर्ट से रहम की भीख मांगी। बाली साल 1996 में रोहतक के महम हलके से समता पार्टी और 2000 में इनेलो के टिकट पर दो बार विधायक रहा है। 2024 में भी निर्दलीय चुनाव लड़ा, लेकिन हार गया।

पट्टा नहीं बना तो पटवारी का सिर फोड़ा

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 27 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में पट्टा का काम नहीं होने से नाराज लड़के ने पटवारी का सिर फोड़ दिया। सचराटोला का रहने वाला प्रकाश पेंड्रो लोहे की पाइप लेकर दफ्तर पहुंचा। वह पटवारी शुद्धू राम कोल के केबिन में घुसकर दरवाजा बंद कर उन पर जानलेवा हमला कर दिया। वहां मौजूद लोगों ने खिड़की से उसे रोकने की कोशिश की और पिटाई का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में प्रकाश पेंड्रो ने कहा कि वह 3 साल से चक्कर लगा रहा है, पटवारी न तो पैसा वापस कर रहा न ही काम करवा रहा है। मामला मरवाही थाना क्षेत्र का है।

घटना बुधवार की है। दानीकुंडी स्थित हल्का क्रमांक-26 के पटवारी शुद्धू राम कोल अपने दफ्तर में मौजूद थे।

तभी सचराटोला का रहने वाला प्रकाश पेंड्रो लोहे की रॉड लेकर उनके दफ्तर में घुस आया और दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद सीधे रॉड से पटवारी पर हमला कर दिया।

वैश्विक तनाव : ईरान पर अमेरिकी शिकंजे से भारत की बढ़ेगी मुश्किल

100 डॉलर तक पहुंच सकता है कच्चा तेल

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ छेड़े गए ताज़ा आर्थिक युद्ध और कड़े प्रतिबंधों की घोषणा ने भारत सहित दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में भारत का ईरान के साथ सीधा व्यापार घटकर बेहद सीमित रह गया है, लेकिन इस भू-राजनीतिक तनाव का सबसे बड़ा झटका अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में आपूर्ति संकट और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के रूप में लगेगा। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने अपनी ताजा रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि वैश्विक तेल बाजार में कच्चे तेल का स्टॉक तेजी से घट रहा है और मध्य पूर्व से सामान्य सप्लाई बहाल होने में 2027 तक का समय लग सकता है। इसके चलते ब्रोकरेज ने साल 2026 की चौथी तिमाही के लिए ब्रेंट क्रूड के अपने पूर्वानुमान को 75 डॉलर से बढ़ाकर सीधे 100 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है।

क्यों महंगा होगा कच्चा तेल?

मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, वैश्विक ऊर्जा बाजार उम्मीद से कहीं अधिक तेजी से सख्त हो रहा है। 13 जुलाई के बाद से समुद्र में जहाजों पर मौजूद तेल करीब 17 करोड़ बैरल घट चुका है, जो लगभग 47 लाख बैरल प्रतिदिन की गिरावट दर्शाता है। इसके अलावा चीन सहित कई देशों में तटवर्ती डिपो का स्टॉक भी तेजी से घटा है। उधर, अमेरिकी स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व से अतिरिक्त तेल जारी करने की समयसीमा सितंबर के बाद खत्म हो रही है। रिफाइनिंग क्षमता की सीमाओं के चलते गैसोलीन और ब्रेंट के बीच का क्रैक स्प्रेड रिकॉर्ड 75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच चुका है (गैसोलीन 175 डॉलर और ब्रेंट 92 डॉलर), जो भौतिक बाजार में कच्चे माल की भारी किल्लत की पुष्टि करता है।

शेयर बाजारों के लिए खतरा

मॉर्गन स्टेनली के मुख्य अमेरिकी इक्विटी रणनीतिकार माइकल विल्सन ने आगाह किया है कि कच्चे तेल की कीमतों में नया उछाल वैश्विक इक्विटी बाजारों के लिए सबसे बड़ा जोखिम साबित हो सकता है। यह बॉन्ड यील्ड को ऊपर धकेलेगा और महंगाई को काबू करने के लिए केंद्रीय बैंकों को ब्याज दरों में कटौती टालने पर मजबूर करेगा।

भारत पर क्या होगा असर?

भारत अपनी कुल पेट्रोलियम जरूरतों का 85 फीसदी से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। यदि ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर के स्तर को छूता है, तो देश की अर्थव्यवस्था पर इसके गंभीर प्रभाव पड़ेंगे। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव के मुताबिक, यदि ईरान संकट के चलते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते तेल टैंकरों की आवाजाही बाधित होती है, तो भारत का तेल आयात बिल अनियंत्रित रूप से बढ़ जाएगा। महंगा तेल सीधे तौर पर देश के व्यापार घाटे और चालू खाता घाटे को बढ़ाएगा। विदेशी मुद्रा की मांग बढ़ने से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में कमजोरी गहराएगी। कच्चे तेल के महंगा होने से पेट्रोल, डीजल और एविएशन फ्यूल की लागत बढ़ेगी। माल ढुलाई महंगी होने से रोजमर्रा की वस्तुओं और खाद्य पदार्थों की खुदरा महंगाई में उछाल आएगा। साथ ही, उर्वरक सब्सिडी का सरकारी बजट भी बढ़ जाएगा। फारस की खाड़ी में युद्ध के जोखिम के कारण जहाजों का 'युद्ध जोखिम बीमा प्रीमियम' और कंटेनर मालभाड़ा कई गुना बढ़ गया है, जिससे आयातित कच्चे माल की लागत लगातार ऊंची बनी हुई है। ईरान संकट के बीच अमेरिका ने रूस से सस्ता तेल खरीदने वाले देशों पर भी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

ओणम पर केरल में बह गई 'शराब की नदियां'!

8 दिनों में गटक गए 770 करोड़ की शराब

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। केरल में ओणम त्यौहार का रंग पूरे शबाब पर है, और इस दौरान राज्य में शराब की बिक्री ने पुराने सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। राज्य की नोडल शराब वितरण संस्था केरल स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, ओणम उत्सव के शुरुआती 8 दिनों (18 अगस्त से 25 अगस्त 2026) में कुल 771.29 करोड़ रुपये की शराब बिकी है. यह आंकड़ा पिछले साल (2025) की इसी 8-दिवसीय अवधि में हुई 694.96 करोड़ की बिक्री की तुलना में लगभग 76.33 करोड़ अधिक है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर शराब की बिक्री को लेकर केरल से किस तरह का आंकड़ा सामने आया है.

10 दिन में रिकॉर्ड शराब की सेल

केरल में 10 दिन के ओणम सीजन के पहले आठ दिनों में शराब की बिक्री 770 करोड़ रुपए को पार कर गई, जिससे सरकारी बेवको पिछले साल की त्योहारी बिक्री को पीछे छोड़ने की राह पर है. एक्साइज डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने बताया कि 18 अगस्त से 25 अगस्त के बीच राज्य भर में केरल स्टेट बेवरेजेज कॉर्पोरेशन (बेवको) के आउटलेट्स से रुपये 771.29 करोड़ की शराब बेची गई. यह आंकड़ा पिछले साल के ओणम सीजन के इसी आठ दिनों के दौरान रुपये 694.96 करोड़ से ज्यादा था.

एक दिन में 126 करोड़ की सेल

थिरुवोनम से एक दिन पहले उत्रादम पर बिक्री खास तौर पर अच्छी रही, जब बेवको आउटलेट्स से 126.31 करोड़ रुपए की शराब बेची गई थी. हालांकि, यह पिछले साल इसी दिन दर्ज रुपये 137.64 करोड़ से कम था. एक दिन की कम बिक्री के बावजूद, अधिकारियों को उम्मीद है कि इस साल ओणम की कुल बिक्री पिछले साल के आंकड़े को पार कर जाएगी. बेवको ने 2025 के ओणम सीजन के दौरान शराब की बिक्री में 826.38 करोड़ रुपए दर्ज किए.राज्य भर के आउटलेट्स में भारी भीड़ देखने को मिली, जिनमें कुछ विशिष्ट आउटलेट्स ने रिकॉर्ड कमाई की. उत्थराडम के दिन करुनागपल्ली आउटलेट ने सर्वाधिक 1.15 करोड़ रुपए का व्यापार दर्ज किया. जबकि दूसरे स्थान पर रहे इस आउटलेट से 1.06 करोड़ रुपए की सेल हुई. तिरुवनंतपुरम, कसारगोड और अलप्पुझा के आउटलेट्स ने भी 90 लाख रुपए से 1 करोड़ रुपए के बीच की डेल सेल दर्ज की.

बेवको क्या है?

बेवको केरल सरकार की पूरी तरह से मालिकाना हक वाली कंपनी है जो राज्य में शराब खरीदने और बेचने या बांटती है. इसके पोर्टफोलियो में भारत में बनी विदेशी शराब, बीयर, वाइन, विदेश में बनी विदेशी शराब, और विदेश में बनी वाइन शामिल है. 10 दिन के ओणम सीजन के दो दिन अभी बाकी हैं, अधिकारियों को उम्मीद है कि बिक्री पिछले साल के 826.38 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर जाएगी.

ब्लिंकिट-स्विगी, डीमार्ट से 5 किलो से ज्यादा शक्कर नहीं मिलेगी

रिटेल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ने लिमिट तय की, एक महीने में 35% महंगी हुई

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। ब्लिंकिट, जेप्टो जैसे क्विक-कॉमर्स एप्स से अब ग्राहक एक बार में 2 से 5 किलो तक ही चीनी खरीद पाएंगे। देश में त्योहारी सीजन की शुरुआत से ठीक पहले चीनी की सप्लाई घटने और कीमतों में अचानक आई तेजी के बाद यह फैसला लिया गया है। उपभोक्ता मामले विभाग के मुताबिक, 26 अगस्त को देश में चीनी की औसत खुदरा कीमत 65.05 रुपए किलो पर पहुंच गई है। महज एक महीने पहले 26 जुलाई को यह 48 रुपए प्रति किलो थी। यानी 30 दिनों में चीनी 35.5% से महंगी हुई है। ऑफलाइन बाजार में डीमार्ट और रिलायंस रिटेल जैसे सुपरमार्केट्स ने प्रति ग्राहक 2 से 3 किलो चीनी खरीदने की सीमा तय की है। प्रमुख चीनी ब्रांड्स के एक सीनियर एग्जीक्यूटिव के मुताबिक, रिटेलर्स यह कदम जमाखोरी रोकने और हर ग्राहक को स्टॉक उपलब्ध कराने के लिए उठा रहे हैं।थोक बाजार में भी 34% महंगी हुई चीनी

थोक बाजार में भी चीनी के दाम 45 रुपए किलो से बढ़कर 60.36 रुपए किलो तक पहुंच गए हैं। पीआईबी के आंकड़ों के मुताबिक, 20 जुलाई से 20 अगस्त के बीच ही चीनी के दाम 16% तक बढ़ गए थे, जो अगस्त के आखिरी हफ्ते तक और तेज हो गए।

त्योहारी सीजन में आम बजट बिगड़ेगा

रक्षाबंधन और आने वाले गणेशोत्सव, नवरात्रि व दिवाली जैसे त्योहारों के दौरान मिठाइयों और चीनी आधारित व्यंजनों की मांग काफी बढ़ जाती है। ऐसे समय में चीनी की कीमतों में प्रति किलो 17 रुपए किलो तक की बढ़ोतरी से आम परिवारों के महीने के राशन का बजट सीधे तौर पर प्रभावित होगा।

10 लाख टन चीनी इंपोर्ट होगी, जमाखोरी रोकने के निर्देश

चीनी के दाम कम करने के लिए केंद्र सरकार ने पिछले हफ्ते 10 लाख टन चीनी के इंपोर्ट को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही ज्यादा चीनी खरीदने वाले बड़े ग्राहकों के लिए स्टॉक की लिमिट तय कर दी गई है। सरकार ने सभी राज्यों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे बाजारों में चेकिंग बढ़ाएं ताकि चीनी की जमाखोरी और सट्टेबाजी को पूरी तरह रोका जा सके। सरकार चीनी व्यापारियों और डीलरों पर स्टॉक रखने की सीमा लागू कर चुकी है।

रक्षाबंधन से पहले सोना-चांदी के दाम गिरे

सोना 2,860 सस्ता होकर 1.58 लाख पर आया, 1 किलो चांदी की कीमत 2,791 कम हुई

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन से एक दिन पहले यानी आज 27 अगस्त को सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,860 रुपए घटकर 1.58 लाख रुपए हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 2,791 रुपए कम होकर 2.40 लाख रुपए पर आ गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 29 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.58 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.40 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

दैनिक पंचांग

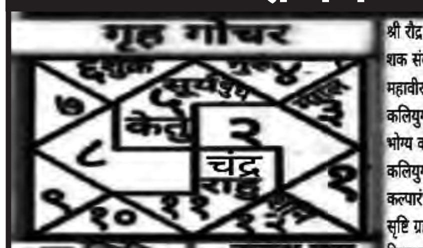

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 06-01
सूर्यास्त. 18-42
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - श्रावण शुक्ल पक्ष शुक्रवार 28 August 2026
तिथि - पूर्णिमा 09-48 तक उपरान्त भा कृ प्रतिपदा
नक्षत्र - शतभिषा 03-13 रात्रि तक उपरान्त पूर्वाभाद्रपद
योग - अतिगण्ड 07-27 तक सुकर्मा
करण - बव 09-48 तक उप बालव

विशेष:पूर्णिमा पुण्य, पंचक रक्षाबंधन, संस्कृत दिवस

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय
सूर्य	सिंह	मे	सिंह---- 05-20 बजे
चंद्र	कुंभ	मे	कन्या--- 07-26 बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला---- 08-30 बजे
बुध	सिंह	मे	वृश्चिक---11-41 बजे
गुरु	कर्क	मे	धनु---- 13-56 बजे
शुक्र	कन्या	मे	मकर--- 16-00 बजे
शनि	मीन	मे	कुंभ--- 17-52 बजे
राहु	कुंभ	मे	मीन--- 19-29 बजे
केतु	सिंह	मे	मेष---- 21-05 बजे
			वृष---- 22-48 बजे
			मिथुन--- 00-52 बजे
			कर्क--- 03-08 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 10-44 से 12-17 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
चंचल 06 -01 - 07-36 शुभ	रोग 18-42 - 19-58 अशुभ
लाभ 07-36 - 09-10 शुभ	काल 19-58 - 21-25 अशुभ
अमृत. 09-10 - 10-44 शुभ	लाभ 21-25 - 22-51 शुभ
काल 19-44 - 12-17 अशुभ	उत्पात22-51 - 00-17 अशुभ
शुभ. 12-17 - 13-51 शुभ	शुभ 00-17 - 01-44 शुभ
रोग 13-51 - 15-25 अशुभ	अमृत 01-44 - 03-10 शुभ
उत्पात15-25 - 16-58 अशुभ	चंचल 03-10 - 04-37 शुभ
चंचल 16-58 - 18-42 शुभ	रोग 05-37 - 06-01 अशुभ

छोटे व्यापारियों को खुद का बिजनेस बढ़ाने का बड़ा मौका, बिना गारंटी पाएं 50000 तक का लोन

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। कोरोना (कोविड-19 महामारी) के समय देश में छोटे व्यापारियों को काफी अधिक नुकसान हुआ था। इनमें स्ट्रीट वेंडर्स की संख्या ज्यादा थी। लॉक डाउन की वजह से उनको अपनी फैमली को चलाना और बच्चों को पालना काफी मुश्किल हो गया था। देश के छोटे व्यापारियों को ध्यान में रखते हुए केंद्र की मोदी सरकार ने पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना की शुरुआत की। यह एक केंद्रीय योजना है, जो कोरोना के दौरान लॉक डाउन में कुछ ढील के बाद छोटे व्यापारियों, स्ट्रीट वेंडर्स (पथ विक्रेताओं) को अपनी आजीविका और रोजगार को दोबारा शुरू करने के लिए चलाई गई।

यह योजना आज भी जारी है। अगर आप इस योजना की पात्रता में आते हैं और अपने व्यापार को और आगे बढ़ाना चाहते हैं तो आपके पास एक बड़ा मौका है। सरकार इस योजना के लिए छोटे व्यापारियों को बिना गारंटी या जमानत के 50 हजार रुपये तक का लोन दे रही है। लोन लेने के लिए किसी प्रोसेसिंग फीस की जरूरत नहीं होती है। सबसे खास बात यह है कि इसके लिए किसी क्रेडिट स्कोर के अच्छा या खराब होने से लोन लेने में कोई परेशानी नहीं होती है। आइए इसके बारे में अहम बातें जानते हैं...

50 हजार रुपये तक का लोन

पीएम स्वनिधि योजना के तहत पात्र व्यापारियों को पहले चरण में पांच हजार से लेकर 15 हजार रुपये तक का लोन मिलता है। इसको एक साल में चुकाना होता है, जिसमें 12 ईएमआई भरने होते हैं। अगर कोई इस लोन को समय पर चुका देता है तो वह दूसरे चरण के लोन को पाने के लिए पात्र हो जाता है। इतना ही नहीं समय पर लोन का भुगतान करने पर उसे ब्याज सब्सिडी के रूप में लगभग 400 रुपये भी मिलते हैं। पीएम स्वनिधि के तहत दूसरा लोन कम से कम 15 हजार रुपये से लेकर के अधिकतम 25 हजार रुपये तक का होता है। इसे कुल 18 ईएमआई (अधिकतम 18 महीना)में चुकाने होते हैं। दूसरा लोन चुकाने वाला व्यक्ति पीएम स्वनिधि के तहत मिलने वाले तीसरे चरण के लोन के लिए पात्र हो जाता है। इस योजना के तहत तीसरा लोन कम से कम 30 हजार रुपये से लेकर अधिकतम 50 हजार रुपये तक का होता है। इसे 36 ईएमआई (अधिकतम 36 महीना) में चुकाने होते हैं। इस लोन की खास बात यह भी है कि समय पर या समय से पहले इसे चुकाने पर 7 फीसदी की वार्षिक ब्याज सब्सिडी भी दी जाती है, जो सीधे आपके खाते में सरकार के द्वारा भेज दी जाती है। वहीं, लोन को डिजिटल रूप से चुकाने पर कैश बैक की भी सुविधा है।

पीएम स्वनिधि के लिए पात्रता

पीएम स्वनिधि के लिए पात्रता की बात करें तो यह शहरी और अर्ध शहरी क्षेत्रों में लगे सभी स्ट्रीट वेंडर्स (एसवी) या रेहड़ी-पटरी वालों के लिए है, जिन्हें अक्सर छोटा व्यापारी भी कहा जाता है।

आपका राशिफल

राशि	फल
मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)	आप कुछ मिलनसार नए लोगों या विदेशी प्रतिनिधियों से आज के दिन मिल सकते हैं ! स्वतंत्र रूप से उन लोगों के साथ संवाद करे और जितनी उपयोगी जानकारी इकट्ठा कर सके करे क्योंकि यह आपकी परियोजना के पूरा होने में आप के लिए बहुत मददगार साबित होगा । किसी भी विचलित करने वाले परिदृश्य से परेशान न हो जो की आपके वरिष्ठ सहकर्मी ने आपके लिए बनाया हो ।
वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)	आज के दिन आपको एक अप्रत्याशित रूप से उपहार आपके दिल के निकट के व्यक्ति से मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए काफी उत्तम रहेगा । आपके सहकर्मी और आपसे उच्च पद पर तैनात सहकर्मी आपसे खुश रहेंगे तथा आपसे पूरा सहयोग एवं सहायता करेंगे जिसकी वहज से आप अपना काम समय पर पूरा कर पाएंगे।
मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)	हास्य की आपकी भावना आपकी सबसे बड़ी संपत्ति है, अपने आप को और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के बीच की खाई को पाटने के लिए यह सबसे उपयुक्त है । बोले गए कठोर शब्दों को अपने दिल में न रखे बल्कि ये कठोर शब्द के बारे में सोचे क्यों की ये बोले गए कठोर शब्द ही आपको आगे ले जाने में मदद करेंगे । आज अप्रत्याशित स्रोतों से धन प्राप्ति के संकेत है ।
कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)	आज पैसे को संभलकर खर्च करें । सितारों के अनुसार आज आप बिना किसी बात के काफी खर्च कर सकते हैं । अगर आप ध्यान नही देंगे तो काफी बड़ी रकम आज आपसे खर्च हो सकती है । आज विवादो और टकराव से बचना ही बेहतर होगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी कोई परेशानी नही होगी और आप बाहर घुमने का आनंद ले सकते हैं ।
सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)	आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा । कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी । आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं । जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।
कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)	आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें ।तर्कशक्ति से काम लें। अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है । अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।
तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)	अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें । कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है । अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें । आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं ।
वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,)	आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा । पहचान और इज्जत भी मिलेगी । वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी । वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है । सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे । आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें । इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी ।
धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)	आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योंकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योंकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा ।
मकर (भो, ज, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)	एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।
कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)	अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।
मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)	आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

सिंगापुर के बैंक अकाउंट में थे 24 करोड़ रुपये

आयकर विभाग ने भेजा नोटिस, आईटीएटी ने सुनाया बड़ा फैसला

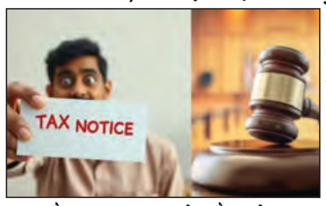

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अगर आपको विदेश में कोई बैंक अकाउंट है और उसमें रकम है, तो इनकम टैक्स रिटर्न भरते समय उस रकम का खुलासा जरूर करें। नहीं तो इनकम टैक्स विभाग के नोटिस का सामना करना पड़ सकता है।

वहीं अगर आपके नाम और डॉक्यूमेंट का इस्तेमाल कर किसी और ने बैंक अकाउंट खुलवा लिया है और आपको उसके बारे में नहीं पता, तो परेशानी कुछ और ज्यादा हो सकती है। ऐसा ही कुछ दिल्ली के अजय शर्मा (बदला हुआ नाम) के साथ हुआ। हालांकि आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण में उस टैक्सपेयर को बड़ी जीत मिली। आईटीएटी ने माना कि केवल किसी विदेशी बैंक खाते में किसी व्यक्ति का नाम होने से यह साबित नहीं होता कि खाते का पैसा उसी का है। ट्रिब्यूनल ने टैक्सपेयर अजय शर्मा पर लगाए गए 23.91 करोड़ रुपये के टैक्स और जुर्माने की मांग को खारिज कर दिया।

क्या था पूरा मामला?

आयकर विभाग को सिंगापुर के दो बैंकों यूनाइटेड ओवरसीज़ बैंक (यूओबी) और ओवरसीज़-चाइनीज़ बैंकिंग कॉर्पोरेशन (ओसीबीसी) में अजय शर्मा के बैंक अकाउंट होने की जानकारी मिली थी। इन खातों में लगभग 23.91 करोड़ रुपये जमा थे। विभाग का आरोप था कि अजय शर्मा ने इस विदेशी संपत्ति का खुलासा अपने टैक्स रिटर्न में नहीं किया। इसलिए विभाग ने 'ब्लैक मनी एक्ट' के तहत उन पर 30% टैक्स और जुर्माना लगा दिया।

आईटीएटी का अहम फैसला

शुरुआत में मामला सीआईटी(ए) पहुंचा।

टैक्स कमिश्नर (अपील) ने पुलिस जांच और कोर्ट के कागजात देखकर माना कि ये खाते फर्जी तरीके से बनाए गए थे और अजय शर्मा इसके असली मालिक नहीं हैं। इसलिए 23.91 करोड़ रुपये की टैक्स मांग को हटा दिया गया। इसके बाद आयकर विभाग आईटीएटी पहुंचा। ट्रिब्यूनल ने भी विभाग की अपील खारिज कर दी। आईटीएटी ने कहा कि अजय शर्मा के पिछले 10 साल के टैक्स रिटर्न से पता चलता है कि उनकी इतनी आर्थिक क्षमता ही नहीं थी कि वे विदेश में करोड़ों रुपये जमा कर सकें।

द बोनस मार्केट अपडेट : एक्सपायरी के दिन सेंसेक्स 539 अंक लुढ़का

निफ्टी भी कमजोर, जानें बाजार का हाल

मुंबई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को वीकली एक्सपायरी के दिन भारी गिरावट दर्ज की गई। सुबह की शुरुआती बढ़त पूरी तरह खत्म हो गई और बाजार लाल निशान में बंद हुआ। यह गिरावट सत्र के अंतिम घंटों में देखने को मिली। सेंसेक्स 539 अंक या 0.7 फीसदी गिरकर 76,934 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 117 अंक या 0.48 फीसदी की हानि के साथ 24,091 से नीचे आ गया। दोनों प्रमुख सूचकांकों ने सुबह की सारी बढ़त गंवा दी। सेंसेक्स में गिरावट निफ्टी की तुलना में अधिक तेज थी। यह गिरावट क्लोजिंग ऑक्शन सेशन की शुरुआत के बाद पहली मासिक एक्सपायरी के दिन हुई। बाजार बंद होने के समय सेंसेक्स 76,933.59 और निफ्टी 24,090.85 पर थे। हिन्दालको के शेयर में 3 फीसदी की बड़ी गिरावट आई। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी 2 फीसदी नीचे बंद हुए।

वैश्विक बाजारों का क्या रुख रहा?

वैश्विक बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। टोक्यो समय के अनुसार दोपहर 2:07 बजे तक एस एंड पी 500 फ्यूचर्स में 0.3 फीसदी की वृद्धि हुई। जापान का निक्केई 225 फ्यूचर्स 0.3 फीसदी नीचे रहा। जापान का टॉपिक्स 0.1 फीसदी ऊपर बंद हुआ। ऑस्ट्रेलिया का एस एंड पी/एएसएक्स 200 सूचकांक 1.1 फीसदी गिरा।

अन्य प्रमुख बाजार कैसे बंद हुए?

हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक 0.5 फीसदी की हानि के साथ बंद हुआ। शंघाई कंपोजिट में 0.6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। यूरो स्टॉक्स 50 फ्यूचर्स में 0.4 फीसदी की वृद्धि देखी गई। दुनिया भर के प्रमुख बाजारों में अलग-अलग रुझान देखने को मिले।

सरकारी प्याज की बिक्री शुरू, एक किलो का दाम 35 रुपए

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार ने दिल्ली एनसीआर में सस्ते प्याज की बिक्री शुरू कर दी है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने आज हरी झंडी दिखा कर सस्ते प्याज के ट्रकों को रवाना किया। इन ट्रकों पर प्रति किलो 35 रुपये की दर से प्याज मिलेगी। इसी समय खुले बाजार में यह 60 से 70 रुपये किलो के भाव मिल रही है।

कृषि भवन से हुई शुरुआत

निधि खरे ने यहां कृषि भवन के गेट संख्या 7 के बाहर खड़े ट्रकों को हरी झंडी दिखा कर प्याज की बिक्री की शुरुआत की। साल 2026-27 के लिए प्राइस स्टेबलाइजेशन फंड का इस्तेमाल कर जो प्याज खरीद कर बफर स्टॉक बनाया गया था, उसी प्याज की बिक्री इन ट्रकों के मार्फत की जा रही है। यह बिक्री एनसीसीएफ, नेफेड और केंद्रीय भंडार के निर्देशन में हो रहा है।

इन स्थानों पर मिलेगी सस्ती प्याज

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के विभाग से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में सस्ते प्याज के ट्रक सीजीओ कंप्लेक्स, कृषि भवन, एनसीयूआई कंप्लेक्स, चित्तरंजन पार्क, पुष्प विहार में पुष्पा भवन के पास, काकाजी नगर, बाराखंभा रोड पर एफसीआई पास, पंडारा पार्क में जोधपुर ऑफिसर्स होस्टल, आश्रम, किदवई नगर, भीकाजी कामा प्लेस, दिल्ली कैंट, आईएनए मार्केट, लाजपत नगर, जंगपुरा, विश्विद्यालय मेट्रो स्टेशन, संत नगर, नरेला, अलीपुर, बकोली, स्वरूप नगर, शाहाबाद, सदर बाजार, रोहिणी सेक्टर 22, अवंतिका, विजय विहार, नत्थूपुरा, शालीमार बाग, शिवराम पार्क, शालीमार बाग, इंद्र लोक, बुध विहार, लोकनायक पुरम, टीकड़ी बार्डर, नजफगढ़ बस स्टैंड, कीर्ति नगर, भजनपुरा, अशोक पार्क, बवाना जे जे कॉलोनी और प्रेम नगर में खड़े रहेंगे। इन स्थानों के अलावा गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद और गुड़गांव में भी कुछ स्थानों पर सस्ते प्याज की बिक्री की व्यवस्था की गई है। बीते दो सप्ताह में ही प्याज के दाम तेजी से बढ़े हैं। दिल्ली और एनसीआर की बात करें तो इस दौरान खुले बाजार में यह दोगुनी महंगी हो गई है। इसी महीने की शुरुआत में जहां प्याज 25 से 30 रुपये किलो बिक रही थी, वहीं अब रिटेल में यह 60 से 70 रुपये किलो मिल रही है। तभी तो सरकार को प्याज बेचने पर मजबूर होना पड़ा है।सरकारी संगठन नेफेड भी सस्ते प्याज की बिक्री कुछ स्थानों पर शुरू कर दिया है। हम इन लोकेशंस का नाम उपरोक्त फोटो में दे रहे हैं।

'आपके साथ वो लोग हैं जो लोकसभा में आग लगाना चाहते हैं'

बीजेपी विधायक ने सीजेपी के आशुतोष रांका को दी अंतिम चेतावनी!

जयपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के बगरू में सीजेपी पर हुए हमले की घटना से प्रदेश में काफी हलचल रही। बगरू के विधायक कैलाश चंद वर्मा और सीजेपी नेशनल प्रवक्ता आशुतोष रांका के बीच बयान बाजी का युद्ध चला। इस बीच बगरू विधायक का एक वीडियो फिर से सोशल मीडिया पर चर्चा में है, जहां वह आशुतोष रांका पर निशाना साधते हुए बड़ा हमला करते दिखे। वह कहते हैं कि आप अराजकता फैलाने का काम कर रहे हो, आपके साथ में वह लोग हैं, जो हिंदुस्तान को नेपाल बनाना चाहते हैं। यही नहीं विधायक यह भी कहते हुए नजर आ रहे हैं। यह आपके साथ वह लोग हैं, जो लोकसभा में घुसकर आग लगाना चाहते हैं। विधायक का यह चेतावनी भरा हुआ बयान सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

दरअसल, यह बयानबाजी सीजेपी पर हमले के बाद शुरू हुई, जब आशुतोष रांका ने सीजेपी पर हुए हमले के लिए बगरू विधायक और उनके समर्थकों पर आरोप लगाया। इसके पलटवार में बगरू विधायक कैलाश वर्मा ने यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि 'आप अराजकता फैलाने का काम कर रहे हो, आपके साथ में वह लोग हैं, जो हिंदुस्तान को नेपाल बनाना चाहते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि 'आपके साथ प्रोटेस्ट में वह लोग हैं, जो लोकसभा में घुसकर आग लगाने की बात करते हैं। आपके साथ वह लोग हैं, जो प्रधानमंत्री की स्वर्गीय माताजी को गाली देते हैं।' विधायक ने चेतावनी देते हुए कहा कि मिस्टर रांका यह ठीक नहीं है, अपनी मानसिकता ठीक कर लो।

इस दौरान विधायक कैलाश चंद वर्मा आगे कहते हैं कि 'सोशल मीडिया पर जिस तरह की भाषा का आप उपयोग कर रहे हैं। गांव वालों को अपशब्द बोल रहे हैं, बहन बेटियों को आपत्तिजनक शब्दों से संबोधित कर रहे हो।' उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि या तो आप समय रहते अपनी भाषा और लैंग्वेज को कंट्रोल कर लो, नहीं तो फिर आप जानते हो... विधायक ने कहा कि अगर आप गांव में घुसकर गांव वालों को उकसाओगे, तो फिर गांव वाले क्या करेंगे।

बता दें कि बीते दिनों राजधानी के बगरू क्षेत्र में स्कूल के निरीक्षण के दौरान सीजेपी पर हमला हुआ। इस घटना को लेकर आशुतोष रांका ने बीजेपी का हाथ बताया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने गुंडे भिजवाकर उन पर हमला करवाया है। इस दौरान उन्होंने बगरू के विधायक कैलाशचंद वर्मा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सीजेपी पर हमला करने वाले लोग एक दिन पहले विधायक के साथ नजर आए थे। बता दें कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों की व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए सीजेपी संघर्ष कर रही है। इसको लेकर बीते दिनों उन्होंने बगरू के एक सरकारी स्कूल में निरीक्षण करने का प्रयास किया। इस बीच जब सीजेपी की टीम निरीक्षण के लिए गांव पहुंची, तो कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान तोड़फोड़, मारपीट जैसी घटनाएं सामने आईं। इस दौरान रामपुरा की कंवरपुरा सरकारी स्कूल भैंसों के तबेले में चलने के चलते नेशनल सुर्खियों में रही। हालांकि बाद में उसे दूसरे भवन में शिफ्ट कर दिया गया।

गरमाई सियासत: विजय कौशिक का बड़ा आरोप

सरकार प्रायोजित कॉकरोच पार्टी चला रही

जयपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी पंचायती राज और शहरी निकाय चुनावों के बीच स्वर्ण समाज से जुड़े आंदोलन ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। राष्ट्रीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कौशिक ने अमर उजाला से बातचीत के दौरान सरकार और राजनीतिक दलों पर तीखा हमला बोलते हुए एक कथित आंदोलन को 'सरकार द्वारा प्रायोजित कॉकरोच पार्टी' करार दिया। कौशिक ने आरोप लगाया कि जिस आंदोलन में कथित तौर पर देशविरोधी, मनुवाद विरोधी और ब्राह्मण विरोधी नारे लगाए गए, उसके खिलाफ सरकार ने अपेक्षित कार्रवाई नहीं की, जबकि स्वर्ण समाज की ओर से यूजीसी के प्रावधानों के विरोध में चल रहे आंदोलन पर सख्ती की जा रही है।

कौशिक ने कहा कि एक व्यक्ति के बाहर से आकर एयरपोर्ट पर अनुमति लेने और इसके बाद भूख हड़ताल पर बैठने से लेकर कई दिनों तक आंदोलन जारी रहने तक सरकार की भूमिका पर सवाल खड़े होते हैं। उनके अनुसार, उस दौरान कथित तौर पर कई प्रकार के विवादित नारे लगाए गए, लेकिन सरकार ने संबंधित लोगों के खिलाफ वैसी कार्रवाई नहीं की, जैसी स्वर्ण समाज के आंदोलनकारियों के खिलाफ की जा रही है।

कौशिक ने इसी संदर्भ में 'सरकार द्वारा प्रायोजित कॉकरोच पार्टी' शब्द का इस्तेमाल करते हुए आरोप लगाया कि सरकार की रणनीति समाज को अलग-अलग वर्गों में बांटने की है। उनका कहना था कि सरकार को यह अंदाजा था कि यदि स्वर्ण समाज के आंदोलन के दबाव में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लिया जाता है, तो सामाजिक समीकरण प्रभावित हो सकते हैं। कौशिक ने दावा किया कि जिस मुद्दे को लेकर स्वर्ण समाज आंदोलन कर रहा था, उस पर सरकार ने उनकी मांग स्वीकार नहीं की, जबकि दूसरे आंदोलन के दबाव में कार्रवाई की गई।

उन्होंने यूजीसी से जुड़े प्रावधानों को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। कौशिक का कहना है कि उनका मुख्य मुद्दा यूजीसी रोलबैक है और इसी मांग को लेकर आंदोलन आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान से लेकर चंडीगढ़ तक पैदल यात्राएं की गई हैं और आंदोलनकारियों के पैरों में पड़े छालों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पीड़ा आंदोलन की गंभीरता को दर्शाती है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में दिल्ली में बड़ी संख्या में लोगों को एकत्र कर आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाया जाएगा।

विजय कौशिक ने आंदोलन से जुड़े उन नेताओं पर भी सवाल उठाए, जो एक तरफ स्वर्ण समाज के मुद्दों और यूजीसी रोलबैक की मांग के समर्थन में दिखाई देते हैं, वहीं दूसरी तरफ राजनीतिक दलों से चुनावी टिकट मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई नेता वास्तव में यूजीसी के मुद्दे पर सरकार और राजनीतिक दलों का विरोध कर रहा है तो उसे यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि वह उन्हीं दलों से टिकट लेने की कोशिश क्यों कर रहा है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बेटे-बहू का वोटर आवेदन खारिज, 6 महीने के निवास का प्रमाण नहीं मिला

बारां, 27 अगस्त (एजेंसियां)। बारां जिले के अटरू में वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने को लेकर विवाद सामने आया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बेटे और बहू ने अटरू नगर पालिका के वार्ड 21 में वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया था। हालांकि जांच में उनके वार्ड में रहने के प्रमाण नहीं मिलने पर SDM अंजना सहरावत ने दोनों के आवेदन खारिज कर दिए। मामले में आवेदन के दौरान दी गई जानकारी और वास्तविक स्थिति की जांच के बाद प्रशासन ने यह फैसला लिया। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बेटे और बहू की ओर से वार्ड 21 में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया था। आवेदन में दोनों ने हस्ताक्षर की जगह अंगूठा लगाया था। इस पर एसडीएम अंजना सहरावत ने संदेह जताते हुए मामले की जांच के लिए 5 सदस्यीय कमेटी का गठन किया।

आवेदन में वार्ड 21 में करीब 6 महीने से रहने की जानकारी दी गई थी। एसडीएम के निर्देश पर गठित कमेटी ने मौके पर जाकर मामले की जांच की और संबंधित दस्तावेजों और रहने से जुड़े प्रमाणों की जानकारी जुटाई। जांच के दौरान वार्ड 21 में दोनों के पिछले 6 महीने से रहने की जानकारी सही नहीं पाई गई।

कमेटी ने अपनी जांच रिपोर्ट एसडीएम को सौंप दी। रिपोर्ट में आवेदन में दी गई जानकारी और मौके पर हुई जांच के बीच अंतर सामने आया। इसके बाद एसडीएम अंजना सहरावत ने दोनों आवेदनों को खारिज करने का निर्णय लिया। जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रशासन ने माना कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए दिए गए निवास संबंधी दावे की पुष्टि नहीं हो सकी।

एसडीएम ने आवेदन प्रक्रिया के दौरान हस्ताक्षर की जगह अंगूठा लगाए जाने पर भी संदेह जताया था। इसके बाद मामले की पूरी जानकारी सामने लाने के लिए 5 सदस्यीय कमेटी से जांच करवाई।

पुराने सिक्के-नोट खरीदने के नाम पर 13 लाख रुपए ठगे, लक्ष्मणगढ़ का युवक गिरफ्तार

अलवर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र के एक युवक द्वारा पुराने और दुर्लभ सिक्के तथा नोट खरीदने का झांसा देकर लाखों रुपए की साइबर ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपी फेसबुक पर पुराने सिक्के और नोट खरीदने के विज्ञापन डालकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था। डीडवाना-कुचामन पुलिस ने इस मामले में लक्ष्मणगढ़ निवासी जुनेद खान और डीग जिले के कैथवाड़ा निवासी उसके साथी मोहम्मद कैफ को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने कुचामन क्षेत्र के आसपुरा निवासी बन्नाराम को पुराने दुर्लभ सिक्के और नोट सवा दो करोड़ रुपए में खरीदने का लालच दिया था। इसके बाद दोनों आरोपियों ने अलग-अलग खर्चों और शुल्क के नाम पर पीड़ित से करीब 13 लाख रुपए जमा करवा लिए। पीड़ित बन्नाराम ने 12 अगस्त को साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 और साइबर पुलिस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि फेसबुक पर पुराने सिक्के और नोट खरीदने से जुड़ा विज्ञापन देखने के बाद आरोपियों ने उससे संपर्क किया। बातचीत के दौरान आरोपियों ने पुराने और दुर्लभ सिक्के-नोटों की अच्छी कीमत मिलने का भरोसा दिलाया। आरोपियों ने सवा दो करोड़ रुपए में सिक्के और नोट खरीदने का सौदा तय करने का झांसा दिया। इसके बाद रजिस्ट्रेशन, किराया, निरीक्षण टीम, दस्तावेज तैयार करने और अन्य खर्चों के नाम पर लगातार रुपए मांगे गए। पीड़ित आरोपियों की बातों में आता गया और अलग-अलग बैंक खातों में करीब 13 लाख रुपए जमा करवा दिए। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। तकनीकी जांच और लोकेशन के आधार पर आरोपियों की मौजूदगी अलवर-भरतपुर क्षेत्र में मिली। इसके बाद पुलिस की विशेष टीम ने दोनों की तलाश में कार्रवाई शुरू की।

1 करोड़ की रंगदारी नहीं दी तो बरसाई गोलियां

रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण गैंग से जुड़ा इनामी बदमाश गिरफ्तार

चूरू, 27 अगस्त (एजेंसियां)। एक करोड़ रुपए की रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी और घर के बाहर अंधाधुंध फायरिंग के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। रोहित गोदारा और वीरेन्द्र चारण गैंग से जुड़े 25 हजार रुपए के इनामी अंतरराज्यीय आरोपी बिन्दू उर्फ मिंटू मोडासिया को चूरू पुलिस ने हरियाणा के हिसार से गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार 14 मई की सुबह करीब 5 बजे रेलवे घूमचक्कर के पास रहने वाले सुनील कुमार प्रजापत घर की ऊपरी मंजिल के पोर्च में टहल रहे थे। इसी दौरान दो नकाबपोश व्यक्ति सड़क पर पहुंचे। इनमें एक के हाथ में हथियार था। आरोप है कि हथियार तानकर सुनील को धमकाया गया कि उसने वीरेन्द्र चारण और रोहित गोदारा के कहने पर एक करोड़ रुपए उनके माता-पिता को नहीं भेजे। इसके बाद आरोपी ने जान से मारने की नीयत से अंधाधुंध फायरिंग की और दोनों मौके से फरार हो गए। घटना के बाद सुनील की रिपोर्ट पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक की मॉनिटरिंग में एएसपी सुजानगढ़ पवन कुमार एवं सीओ इनसार अली के सान्निध्य में सीआई संदीप कुमार ने जांच आगे बढ़ाई। विदेशी नंबर से आए कॉल की डिटेल हासिल करने के लिए संबंधित सोशल मीडिया एजेंसियों से रिकॉर्ड के लिए पत्राचार किया गया। पुलिस ने मानवीय और तकनीकी सूचनाओं के आधार पर आरोपियों की गतिविधियों की कड़ियां जोड़ीं।

पुलिस के अनुसार मामले में पहले ही 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अनुसंधान के दौरान बिन्दू उर्फ मिंटू पुत्र कर्णसिंह जाट निवासी सोरड़ा जदीद (मोडासिया), थाना बहल, जिला भिवानी हरियाणा के खिलाफ भी अपराध प्रमाणित पाया गया। इसके बाद पुलिस टीम ने उसके संभावित ठिकानों पर दबिश शुरू की। अंतरराज्यीय पुलिस टीम एवं जिला पुलिस की लगातार कार्रवाई और मजबूत आसूचना तंत्र के जरिए आरोपी को हिसार, हरियाणा से डिटेन किया गया। घटना में संलिप्तता प्रमाणित होने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1), 308(4), 61(2) एवं 3(5) के तहत कार्रवाई की गई है।

पूर्व विधायक महेंद्र शास्त्री का 95 वर्ष की उम्र में निधन

अलवर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले के दिग्गज राजनीतिज्ञ, वरिष्ठ साहित्यकार और मुंडावर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक महेंद्र शास्त्री का सोमवार को 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने अलवर शहर के मोती डूंगरी स्थित अपने निजी आवास पर अंतिम सांस ली। लगभग 80 वर्ष की आयु तक सक्रिय राजनीति में अपना प्रभाव बनाए रखने वाले महेंद्र शास्त्री को राजस्थान के राजनीतिक हलकों में कांग्रेस के 'भीष्म पितामह' के रूप में जाना जाता था। उनके निधन की खबर फैलते ही पूरे अलवर जिले सहित प्रदेश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं, समर्थकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों में शोक की लहर दौड़ गई। दिवंगत नेता की अंतिम यात्रा आज शाम 4 बजे उनके अलवर स्थित मोती डूंगरी निवास स्थान से निकाली जाएगी, जिसमें प्रदेश भर के कई राजनीतिक दिग्गज और गणमान्य नागरिक शामिल होंगे।

महेंद्र शास्त्री का राजनीतिक सफर बेहद प्रेरणादायक और ऐतिहासिक रहा है। उन्होंने वर्ष 1985 के विधानसभा चुनाव में अलवर जिले की मुंडावर सीट से लोकदल के टिकट पर शानदार जीत हासिल की थी। भले ही उन्होंने अपना प्रमुख चुनाव लोकदल से जीता था, लेकिन बाद के वर्षों में राजस्थान कांग्रेस के भीतर उनका मार्गदर्शन और प्रभाव सर्वोपरि रहा। कांग्रेस पार्टी के आंतरिक घटनाक्रमों और चुनावी रणनीतियों पर उनकी गहरी पकड़ के कारण ही उन्हें पार्टी का वरिष्ठ मार्गदर्शक माना जाता था। सहकारिता आंदोलन में उनके अतुलनीय योगदान के लिए वे कोऑपरेटिव सोसाइटी के अध्यक्ष रहे और उन्हें 'सहकारितारत्न' के सम्मान से भी नवाजा गया था।

इनकम टैक्स अधिकारी वाला रौब दिखाकर घुसा

होटल खरीदने की बात की, फिर खुल गया सारा राज

राजसमंद, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जिले की राजनगर थाना पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए एक बड़े ठग को वारदात के महज चार घंटे के भीतर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी ने खुद को फर्जी इनकम टैक्स अधिकारी बताकर एक होटल संचालक को होटल खरीदने और पार्टनरशिप का झांसा दिया और 8.50 लाख रुपये की ठगी कर फरार हो गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के कब्जे से शत-प्रतिशत मशरूका—तीन सोने की चेन, 50 हजार रुपये नकद और वारदात में प्रयुक्त लग्जरी कार बरामद कर ली है। जिला पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि 24 अगस्त को बडारड़ा निवासी पीड़ित वेणीराम कुमावत ने राजनगर थाने में मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट के अनुसार, अतित शाह नामक व्यक्ति पिछले तीन-चार दिनों से लगातार उनके होटल पर आकर खाना खा रहा था। इस दौरान उसने खुद को आयकर विभाग का बड़ा अधिकारी बताया और होटल को खरीदने या उसमें पार्टनर बनने की इच्छा जाहिर की। होटल संचालक आरोपी की मीठी बातों और रुतबे के झांसे में आ गया और उसने होटल लीज पर देने की सहमति दे दी।

घटना के दिन 24 अगस्त को आरोपी अपनी कार से होटल पहुंचा। उसने संचालक से कहा कि उसकी पत्नी और भोपाजी आ रहे हैं। आज ही शुभ मुहूर्त है और उसकी पत्नी का जन्मदिन भी है, इसलिए उसे सरप्राइज गिफ्ट देना है। आरोपी ने झांसा दिया कि पत्नी के पहुंचते ही वह एडवांस राशि और पूरा भुगतान कर देगा।

आरोपी ने होटल मालिक को 500 रुपये के नए नोटों की गड्डी (50 हजार रुपये) और तीन सोने की चेन लाने को कहा। झांसे में आकर वेणीराम ने उसे 50 हजार रुपये नकद दे दिए और कांकरोली स्थित एक सुनार की दुकान से करीब 40 ग्राम वजनी तीन सोने की चेन मंगवाकर सौंप दीं। जेवर और पैसे हाथ में आते ही आरोपी अपनी कार से रफूचक्कर हो गया और अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया।

ठगी का अहसास होते ही पीड़ित ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। राजनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर रेंज स्तर पर सख्त नाकाबंदी करवाई। साइबर टीम की तकनीकी सहायता और खेरवाड़ा थाना पुलिस के विशेष सहयोग से आरोपी का पीछा किया गया। पुलिस टीम ने मोथली चौराहे पर नाकाबंदी के दौरान संदेहास्पद कार को रोककर आरोपी अतित शाह को डिटेन कर लिया। कड़ाई से पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से ठगे गए 50 हजार रुपये नकद तथा 40 ग्राम सोने की तीनों चेन बरामद कर लीं। पुलिस अब आरोपी के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड को खंगाल रही है।

युवक और रोडवेज कर्मचारियों के बीच विवाद, महिला कंडक्टर ने कर दी पिटाई

झुंझुनूं, 27 अगस्त (एजेंसियां)। झुंझुनूं शहर के रोडवेज बस डिपो में एक युवक और रोडवेज कर्मचारियों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच मारपीट हो गई। करीब 25 मिनट तक डिपो परिसर में हंगामा चलता रहा। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर थाने ले गई। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आया है। जानकारी के अनुसार कोटपूतली निवासी एक युवक उदयपुरवाटी से रोडवेज बस में सवार होकर झुंझुनूं पहुंचा था। यहां वह चूरू जाने वाली बस में बैठने लगा। बस के परिचालक ने युवक को शराब के नशे में होने के कारण बस में बिठाने से मना कर दिया और नीचे उतार दिया। बस से उतारे जाने के बाद युवक भड़क गया और परिचालक के साथ गाली-गलौज करने लगा। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ गई। इसी दौरान वहां मौजूद महिला परिचालक भी मौके पर पहुंची। आरोप है कि गाली-गलौज से नाराज होकर उसने हाथ में पाइप लेकर युवक की पिटाई कर दी। घटना के दौरान चालक संत कुमार और अन्य कर्मचारियों ने पहले युवक को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन मामला बिगड़ने पर कई कर्मचारी भी युवक से उलझ गए। इसके बाद झुंझुनूं शहर के रोडवेज बस डिपो परिसर में जमकर हाथापाई हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार करीब 25 मिनट तक हंगामा चलता रहा। झुंझुनूं शहर के रोडवेज बस डिपो पर हुए हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। जिसमें महिला कंडक्टर युवक की पाइप से पिटाई करती नजर आ रही है। वहीं, अन्य रोडवेज कर्मचारी भी युवक के साथ मारपीट करते दिख रहे है। इस दौरान लोगों की भीड़ जमा हो गई। लेकिन, लोग मदद करने की बजाय मारपीट की घटना का वीडियो बनाते रहे।

टिंग ऐप पर लड़कों को फंसाकर सुनसान जगह पर बुलाते, लूटने के बाद करते ब्लैकमेल, 2 आरोपी गिरफ्तार

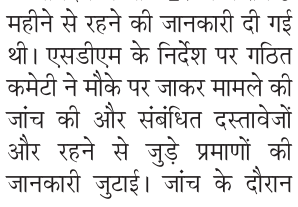

जयपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। डेटिंग ऐप के जरिए लड़कों से संपर्क कर उन्हें सुनसान स्थान पर बुलाने, मारपीट करने और ब्लैकमेल कर लूटपाट करने वाले एक शातिर गिरोह का करधनी थाना पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त कार भी जब्त कर ली। पुलिस के अनुसार आरोपी डेटिंग ऐप पर युवकों से दोस्ती करने के बाद उन्हें बातचीत के जरिए अपने विश्वास में लेते थे। इसके बाद मिलने के बहाने सुनसान स्थान पर बुलाकर वारदात को अंजाम देते थे।

जयपुर पश्चिम डीसीपी प्रशांत किरण ने बताया कि शहर में डेटिंग ऐप के जरिए युवकों को योजनाबद्ध तरीके से सुनसान जगहों पर बुलाकर मारपीट, ब्लैकमेलिंग और लूट की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने गिरोह की गतिविधियों की जानकारी जुटानी शुरू की। पुलिस टीम ने ऐप के जरिए संपर्क करने वाले संदिग्धों पर नजर रखी और उनकी गतिविधियों की निगरानी की। इस पर झोटवाड़ा एसीपी शिव कुमार भारद्वाज के सुपरविजन और करधनी थानाधिकारी सवाई सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

गठित टीम ने संदिग्धों की गतिविधियों पर निगरानी रखी। इसके बाद गिरोह की पहचान कर दो संदिग्धों को पकड़ा गया जिन्होंने पूछताछ में वारदातों का खुलासा किया। पुलिस ने अनिल रूलानिया (21) निवासी रूलानियों की ढाणी, मारोठ जिला डीडवाना-कुचामन और मदन नेहरा (23) निवासी ढाबा वाली ढाणी, ड्योढ़ी थाना फुलेरा, जयपुर ग्रामीण को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपियों से गिरोह के तरीके और संभावित अन्य वारदातों को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है।

लेपर्ड का खौफ: 18 घंटे में पांच हमले; गांव खाली कराया

उदयपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। उदयपुर शहर से करीब 18 किलोमीटर दूर उमरड़ा खेड़ा गांव में लेपर्ड की दहशत बनी हुई है। पिछले करीब 18 घंटे में लेपर्ड ने पांच लोगों पर हमला किया। मंगलवार शाम हुए हमले में घायल लोगरलाल मीणा (45) की इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद वन विभाग और प्रशासन ने गांव को खाली कराकर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया। ग्रामीण मोहनलाल मीणा ने बताया कि गांव के पांच लोग पगडंडी से होकर जा रहे थे। उनके आगे चल रहे कालूलाल पर अचानक झाड़ियों से निकले लेपर्ड ने हमला कर दिया और उसे लेकर भागने लगा। मोहनलाल ने बताया कि सभी घबरा गए। इसके बाद चार लोगों ने शोर मचाते हुए लेपर्ड पर पत्थर फेंके। पत्थर लगने के बाद लेपर्ड कालूलाल को छोड़कर झाड़ियों की तरफ भाग गया। ग्रामीण के मुताबिक, अगर पत्थर नहीं फेंकते तो लेपर्ड कालूलाल को उठाकर ले जाता। ग्रामीणों के मुताबिक, इसी दौरान लेपर्ड ने एक अन्य व्यक्ति के कंधे पर भी हमला किया। वहीं, एक महिला के जोर-जोर से शोर मचाने पर लेपर्ड उसे छोड़कर भाग गया। इससे पहले मंगलवार शाम लेपर्ड ने उमरड़ा खेड़ा निवासी लोगरलाल मीणा पर हमला किया था। उसकी बहन गुलाबी ने बताया कि लेपर्ड उसके चचेरे भाई लोगर को पकड़कर भाग रहा था। उसने शोर मचाते हुए लेपर्ड का पीछा किया। शोर सुनकर लेपर्ड लोगर को छोड़कर जंगल की तरफ भाग गया। गंभीर रूप से घायल लोगर को महाराणा भूपाल हॉस्पिटल में भर्ती

पहचान में गलती से दूसरे को लगी गोली, पिस्टल-कारतूस देकर दिया था टारगेट; माउंट आबू गोलीकांड का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

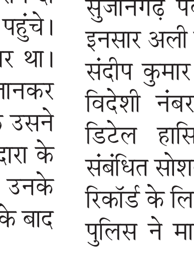

सिरोही, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पर्यटन स्थल माउंट आबू की नक्की झील स्थित गांधी वाटिका में 19 अगस्त को हुई फायरिंग की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य सूत्रधार और 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी राहुल (30) निवासी माउंट आबू को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से पकड़ा। आरोपी ने फायरिंग के लिए तक्ष को देशी पिस्टल और कारतूस उपलब्ध कराकर एक व्यक्ति को निशाना बनाने का टारगेट दिया था।

हालांकि, पहचान में हुई गलती के कारण गोली दूसरे व्यक्ति मनोज राणा को लग गई। थानाधिकारी दलपत सिंह राठौड़ के अनुसार, फायरिंग के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी तक्ष को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया था। उसकी निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त हथियार बरामद किया गया।

घटना में सहयोग करने वाले लोकेश को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि पूरी वारदात की साजिश राहुल ने रची थी। राहुल कुछ महीने पहले ही जेल से जमानत पर बाहर आया था और इसके बाद से अपनी पहचान छिपाकर फरार चल रहा था।

पुलिस के अनुसार, राहुल ने मार्च में नक्की लेक बोट हाउस पर काम करने वाले एक व्यक्ति से रंगदारी मांगी थी, जिस पर उसने थाने में शिकायत कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की। आरोप की पुष्टि होने पर राहुल को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था। पुलिस ने उसके खिलाफ न्यायालय में चार्जशीट भी पेश की थी। जमानत पर बाहर आने के बाद राहुल ने बोट हाउस पर काम करने वाले उक्त व्यक्ति से रंजिश के चलते उसे निशाना बनाने की साजिश रची। उसने तक्ष को देशी पिस्टल और कारतूस देकर फायरिंग करने का टारगेट दिया। तक्ष उस व्यक्ति को पहचानता नहीं था, इसलिए राहुल ने साजिश में लोकेश को भी शामिल किया। लोकेश का काम तक्ष को टारगेट की पहचान करवाना था।

भट्टी का कर्नाटक जेनको कोयला खदानों में सिंगरेणी साझेदारी का प्रस्ताव

डिप्टी सीएम ने कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज से मुलाकात की

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बेंगलुरु दौरे के दौरान, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने गुरुवार को कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज से मुलाकात की। बैठक में दोनों राज्यों में ऊर्जा क्षेत्र की प्रगति, कोयले की आपूर्ति, कोयले की खरीद के लिए भुगतान और प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

बैठक में कर्नाटक के अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता, सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. बुद्धप्रकाश ज्योति, केपीसीएल के प्रबंध निदेशक राजेंद्र चोलन, केपीसीएल के वित्त निदेशक नागराजू, एससीसीएल के कार्यकारी निदेशक (कोल मूवमेंट) बी. वेंकन्ना, जीएम श्रीनिवास और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। भट्टी विक्रमार्क ने प्रस्ताव दिया कि सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड और कर्नाटक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) बिजली की बढ़ती मांग के अनुरूप पर्याप्त कोयले की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक संयुक्त उद्यम (जेवी) के रूप में मिलकर काम करें। कर्नाटक की बढ़ती बिजली आवश्यकताओं को देखते हुए, उपमुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि केपीसीएल और सिंगरेणी छत्तीसगढ़ और ओडिशा में केपीसीएल द्वारा अधिग्रहित कोयला ब्लॉकों में संयुक्त रूप से खनन कार्य कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोयला खनन में लगभग 137 वर्षों का अनुभव रखने वाली सिंगारेनी, केपीसीएल द्वारा अधिग्रहित कोयला ब्लॉकों में खनन कार्य कर सकती है। भट्टी विक्रमार्क ने आगे कहा कि सिंगरेणी द्वारा प्रस्तावित बिजली संयंत्रों के संचालन के लिए कर्नाटक के विद्युत क्षेत्र के व्यापक अनुभव से भी लाभ उठाया जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि पारस्परिक सहयोग, विकास और विस्तार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, दोनों सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों की भागीदारी के साथ सिंगरेणी और केपीसीएल के बीच एक संयुक्त उद्यम स्थापित करने की संभावना का अध्ययन किया जाना चाहिए। कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज ने प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। बैठक में सिंगरेणी द्वारा कर्नाटक को आपूर्ति किए जा रहे कोयले पर भी चर्चा हुई। के.जे. जॉर्ज ने कहा कि कर्नाटक में तीव्र औद्योगिक विकास के परिणामस्वरूप बिजली की मांग में काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने तेलंगाना से राज्य में थर्मल पावर परियोजनाओं के संचालन के लिए कोयले की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। भट्टी विक्रमार्क ने सकारात्मक जवाब दिया और आश्वासन दिया कि केंद्रीय कोयला मंत्रालय द्वारा किए गए आवंटन के अनुसार कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएंगे।

सिंगरेणी वर्तमान में कर्नाटक के येररामरस थर्मल पावर प्लांट को पूर्ण रूप से जुड़े होने के कारण प्रतिवर्ष 5.24 मिलियन टन कोयले की आपूर्ति कर रही है। आंशिक रूप से जुड़े होने के कारण, यह रायचूर थर्मल पावर प्लांट को 3.01 मिलियन टन और बेल्लारी यूनिट-3 थर्मल पावर प्लांट को 2.29 मिलियन टन कोयले की आपूर्ति कर रही है। उन्होंने आगे बताया कि प्रतिदिन कम से कम चार रैक के माध्यम से कर्नाटक को कोयले की आपूर्ति की जा रही है।

नरसिंगी यातायात थाने का संयुक्त आयुक्त ने किया निरीक्षण

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के यातायात संयुक्त पुलिस आयुक्त सुनप्रीत सिंह ने गुरुवार को नरसिंगी यातायात पुलिस थाने का निरीक्षण कर थाने की कार्यप्रणाली, यातायात प्रवर्तन और यातायात प्रबंधन उपायों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान संयुक्त आयुक्त ने थाने के परिसर, कर्मचारियों की कार्य व्यवस्था और उनकी जिम्मेदारियों का जायजा लिया। उन्होंने पुलिसकर्मियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर यातायात संबंधी ड्यूटी के संचालन और क्षेत्र में आने वाली समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने वर्ष 2025-26 के यातायात चालान, दुर्घटना मामलों और अन्य प्रवर्तन संबंधी आंकड़ों की समीक्षा एवं तुलना की।

राजेंद्रनगर हत्याकांड में किशोर समेत दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर पुलिस ने अट्टापुर के एक होटल में काम करने वाले रसोइए नागेंद्र मांझी (23) की हत्या के सिलसिले में एक 17 वर्षीय किशोर सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मोहम्मद सुफियान सोहिल फराश (21) और एक 17 वर्षीय किशोर के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और संदिग्धों की गतिविधियों के विश्लेषण से आरोपियों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने में मदद मिली। पुलिस के अनुसार, नेपाल के मूल निवासी नागेंद्र मांझी 24 अगस्त की रात करीब 11 बजे राजेंद्रनगर के जना चैतन्य फेज-I स्थित अपने घर से सिगरेट पीने के बहाने निकले थे। जब वे वापस नहीं लौटे, तो उनकी पत्नी ने उनकी तलाश की और 25 अगस्त की सुबह करीब 1 बजे उन्हें जना चैतन्य कॉलोनी में निर्माणाधीन प्रणव विला के पास सड़क किनारे सिर में चोट के साथ पड़ा पाया। उनका मोबाइल फोन भी गायब था। उनकी पत्नी की शिकायत के आधार पर, राजेंद्रनगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) और 309(6) के तहत मामला दर्ज किया। जांचकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों से सीसीटीवी फुटेज की जांच करने और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण करने के बाद पाया कि आरोपी ने कथित तौर पर मांझी पर हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई और उसका मोबाइल फोन लेकर वह एक एक्टिवा दोपहिया वाहन पर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी से होंडा एक्टिवा और मृतक का मोबाइल फोन जब्त कर लिया। यह अभियान राजेंद्रनगर जोन के डीसीपी एस. श्रीनिवास और राजेंद्रनगर डिवीजन के एसीपी टी. श्रीनिवास की देखरेख में चलाया गया और राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक आर. वेंकटेश और उनकी टीम ने इसका नेतृत्व किया।

कर्मचारियों की लंबित मांगें जल्द पूरी करे सरकार : अध्यक्ष डॉ. रामाराव

कर्मचारियों ने इंदिरा पार्क के पास महाधरना का आयोजन किया

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कर्मचारियों, शिक्षकों और पेंशनरों की लंबित मांगों के समाधान की मांग को लेकर गुरुवार को इंदिरा पार्क के पास महाधरना आयोजित किया गया। तेलंगाना कर्मचारी, शिक्षक एवं पेंशनरों की संयुक्त कार्रवाई समिति के आह्वान पर आयोजित इस धरने में बड़ी संख्या में कर्मचारी, शिक्षक और पेंशनर शामिल हुए।

तेलंगाना राजपत्रित अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष डॉ. रामाराव और सचिव श्रीनेश कुमार नोरी ने कहा कि सरकार को कर्मचारियों की समस्याओं का तत्काल समाधान करना चाहिए। उन्होंने सरकार से वेतन संशोधन आयोग की घोषणा करने, महंगाई भत्ते के बकाया का भुगतान करने, नई स्वास्थ्य बीमा योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा अन्य लंबित मांगों को पूरा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्वयं को जनहितैषी सरकार बताने वाली वर्तमान राज्य सरकार कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान में लगातार देरी कर रही है। कर्मचारी भी समाज का हिस्सा हैं और उनकी समस्याओं की अनदेखी से उनमें असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडलीय उपसमिति, आईएएस अधिकारी नवीन मित्तल की अध्यक्षता वाली अधिकारियों की समिति और संबंधित मंत्रियों से कई बार मुलाकात की जा चुकी है। इसके बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं होने से कर्मचारियों में सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ रही है। टीजीईजेएसी के राज्य अध्यक्ष मारम जगदीश्वर ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं की अनदेखी करने वाली कोई भी सरकार लंबे समय तक टिक नहीं सकती। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि राज्य सरकार ने लंबित सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया तो उसे भविष्य में कर्मचारियों के भारी विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

टीजीईजेएसी के महासचिव एलूरी श्रीनिवास राव ने कहा कि वेतन संशोधन आयोग लागू करने और महंगाई भत्ते के बकाये के भुगतान के लिए सरकार से कई बार आग्रह किया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि गुरुवार का धरना सरकार के लिए कड़ा संदेश है। मांगें स्वीकार नहीं की गईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरने में नूतनकांति वेंकट, शांति श्री, सैदम्मा, अनिता, राकेश, महेश्वरी, मसूद अली, नरेंद्र, रोजा, श्रीनिवास, महेश सहित संयुक्त कार्रवाई समिति से जुड़े विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

हादसे में ड्राइवर और उनकी पत्नी की मौत

संगारेड्डी, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुखद सड़क हादसे में, गुरुवार को एनएच-65 पर सजापुर के पास एक तेज़ रफ़्तार डीसीएम लॉरी की टक्कर से ऑटो-रिक्शा ड्राइवर और उनकी पत्नी की मौत हो गई। मृतकों की पहचान बडामपेट निवासी पद्मम्मा (38) और रचैया (44) के रूप में हुई है। रचैया पैसेंजर ऑटो चलाकर अपना गुज़ारा करते थे। हालांकि, यह जोड़ा उसी ऑटो से किसी निजी काम से जा रहा था, जिसका गुरुवार को एक्सीडेंट हो गया। गंभीर चोटें लगने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

डीजीपी सी. वी. आनंद ने डॉ. राजेश्वरी सैनात को सम्मानित किया

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी. वी. आनंद ने प्रतिष्ठित केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्राप्त करने वाली प्रसिद्ध भरतनाट्यम कलाकार डॉ. राजेश्वरी सैनात को बधाई दी और सम्मानित किया। डॉ. राजेश्वरी ने 13 अगस्त 2026 को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किया था। गुरुवार को उन्होंने शिष्टाचार भेंट के तहत पुलिस महानिदेशक से मुलाकात की। इस अवसर पर सी. वी. आनंद ने उन्हें पुरस्कार मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए भारतीय शास्त्रीय नृत्य के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। डॉ. राजेश्वरी सैनात ने भारत के अलावा अमेरिका और ब्रिटेन सहित विदेशों में भी व्यापक रूप से भरतनाट्यम प्रस्तुतियां दी हैं। अपनी भरतनाट्यम अकादमी के माध्यम से उन्होंने हजारों विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया है। उन्होंने शास्त्रीय नृत्य को केवल कला प्रदर्शन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि स्वास्थ्य देखभाल, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता पैदा करने के माध्यम के रूप में भी उपयोग किया। डॉ. राजेश्वरी ने गणित और नृत्य विषयों में पीएचडी की उपाधियां प्राप्त की हैं। वह पिछले 55 वर्षों से लगातार भरतनाट्यम के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनकी दीर्घकालिक साधना और भारतीय शास्त्रीय कला के प्रति समर्पण की पुलिस महानिदेशक ने विशेष रूप से सराहना की।

जेजीयू में विशिष्ट व्याख्यान देने के लिए केटीआर आमंत्रित

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (जेजीयू) ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक केटी रामाराव (केटीआर) को हरियाणा के सोनीपत स्थित अपने परिसर में एक विशिष्ट सार्वजनिक व्याख्यान देने और छात्रों और संकाय के साथ बातचीत करने के लिए आमंत्रित किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) सी. राज कुमार ने निमंत्रण देते हुए केटीआर से विश्वविद्यालय में स्थापित भारत के पहले संविधान संग्रहालय और अधिकार एवं स्वतंत्रता अकादमी का दौरा करने का भी अनुरोध किया। विश्वविद्यालय ने अगस्त, सितंबर या अक्टूबर 2026 के दौरान किसी भी सुविधाजनक तिथि पर कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव रखा है, और आशा व्यक्त की है कि केटीआर का संबोधन और संवाद छात्रों और शैक्षणिक समुदाय को प्रेरित करेगा। 2009 में स्थापित, जेजीयू में 16,000 से अधिक छात्र और 1,100 से अधिक पूर्णकालिक संकाय सदस्य हैं, जिनमें 50 से अधिक देशों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय समुदाय शामिल है। इसके 80 देशों में 600 से अधिक संस्थानों के साथ सहयोग हैं। विश्वविद्यालय ने कहा कि संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्थापित उसका संविधान संग्रहालय, संविधान के निर्माण से जुड़े संघर्षों को प्रदर्शित करने और भावी पीढ़ियों के लिए इसके मूल्यों को संरक्षित करने का प्रयास करता है।

34 गुम मोबाइल बरामद मालिकों को सौंपे

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मैलारदेवपल्ली पुलिस ने विभिन्न शिकायतों और केंद्रीय उपकरण पहचान पंजी पोर्टल पर दर्ज मामलों के आधार पर कार्रवाई करते हुए 34 गुम या चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद किए। बरामद मोबाइलों की कुल कीमत करीब 5.10 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, मोबाइल फोन की तलाश के लिए विशेष टीम ने तकनीकी संसाधनों और जांच के विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल करते हुए लगातार प्रयास किए। इस दौरान अलग-अलग स्थानों से 34 मोबाइल फोन का पता लगाकर उन्हें बरामद किया गया। इसके बाद शिकायतकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर मोबाइलों का सत्यापन किया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद बरामद सभी मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए गए। पुलिस ने बताया कि यह सफलता माइलारदेवपल्ली थाने के अधिकारियों, कर्मचारियों और अपराध जांच दल के समन्वित प्रयासों से संभव हुई। पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि मोबाइल फोन गुम या चोरी होने की स्थिति में तत्काल नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही केंद्रीय उपकरण पहचान पंजी पोर्टल के माध्यम से गुम मोबाइल को अवरुद्ध कराएं, ताकि पुलिस तकनीकी माध्यमों से मोबाइल का पता लगाने और उसे बरामद करने की कार्रवाई शुरू कर सके। इस अभियान में चंद्रायनगुट्टा के सहायक पुलिस आयुक्त, मैलारदेवपल्ली थाना प्रभारी, निरीक्षक, उपनिरीक्षक तथा अपराध जांच दल के कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मिधानी ने उद्योगों में सतर्कता प्रशासन पर कार्यशाला आयोजित की

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मिश धातु निगम लिमिटेड (मिधानी), केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों के अनुसार समृद्धि के लिए ईमानदारी; सत्यनिष्ठा से समृद्धि थीम के साथ सतर्कता जागरूकता पर तीन महीने का अभियान चला रही है।

इस अभियान के हिस्से के रूप में, मिधानी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति ने उद्योगों में सतर्कता प्रशासन पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की। उद्घाटन कार्यक्रम में अजय कुमार वर्मा (आईडीएसई, निदेशक-सीवीसी), पी. कृष्णा कुमार (सीवीओ-ईसीआईएल), सी. नीलकंठ रेड्डी (सीवीओ-एनएमडीसी), श्रीमती के. मधुबाला (निदेशक-वित्त), पदाविट्टन बाबू (निदेशक-उत्पादन और विपणन), श्रीमती स्फूर्ति रेड्डी (मुख्य सतर्कता अधिकारी) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों तथा मिधानी के कर्मचारियों ने भाग लिया। सत्र के दौरान, मिधानी के सीएमडी द्वारा कर्मचारियों की आंतरिक शिकायत निवारण प्रणाली के लिए ई-प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किया गया। कार्यशाला के दौरान 2026 में जारी सीवीसी मैनुअल के नवीनतम संस्करण में बदलाव और संबंधित मास्टर सर्कुलर तथा विभिन्न संगठनों में किए गए प्रभावशाली सतर्कता कार्य पर सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें। दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे Website: www.scor.indianrailways.gov.in

निविदा संख्या: बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-18/2026-27

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

कार्य विवरण: बीजेडए डिवीजन में ओएचइ प्रोफाइल का समायोजन & रन्निंग डीएसडीसी सहित तत्संबंधित लेस्स क्लीयरेंस ओएचइ स्ट्रक्चर्स को हटाना। **अनुमानित मूल्य रु.**2,28,42,892.00, बोली सुरक्षा (अग्रधन) रु.4,56,900.00, **कार्य पूरा करने की अवधि:**12 महिने, **बंद करने की तिथि:** 18-09-2026, निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य।

पूरी जानकारी & नियम शर्तों हेतु हमारे वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर जाएं। **महत्वपूर्ण सूचना:** यदि निविदा खोलने की तिथि को छुट्टी घोषित हो तो, निविदा को उसके अगले कार्यदिवस पर खोला जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी, विजयवाडा

निविदा सूचना संख्या: वीएसकेपी-टीआरएस-ओटी-09-2026-27

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

कार्य विवरण सहित स्थान: इएलएस/वीएसकेपी पर तीन वर्ष की अवधि के लिए, ओइएम के ओइएम/अधिकृत डीलर के माध्यम से थ्री फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्ज हेतु व्हील फ्लैन्ग लुब्रिकेशन सिस्टम का एएमसी कार्य। मात्रा:124 लोकोज। **निविदा मूल्य** रु.1,78,14.497.76, जमा किया जानेवाला अग्रधन रु.2,39,100.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु.5,900.00, कार्यालय का पता: वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (टीआरएस), इलेक्ट्रिक लोको शेड, दक्षिण तट रेलवे, एनएडी पोस्ट, विशाखापट्टणम-530009, **कार्य पूरा करने की अवधि:**3 वर्ष (36 महिने), बोली या बिड्डींग प्रणाली: दो पैकेट प्रणाली (ई-टेंडरिंग), **निविदा बंद करने की तिथि** & समय: 18-09-2026 के 15.00 बजे, वेबसाइट विवरण: https://www.ireps.gov.in

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (टीआरएस), विशाखापट्टणम)
SCoR-A256

निविदा नियम शर्ते/ज्यादा जानकारी&निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स: https://www.ireps.gov.in या www.scor.indianrailways.gov.in देखें।

भाजपा ने सीईओ के जवाब की सराहना की

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा ने खम्मम विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए-1) के खिलाफ पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के आरोप वाली अपनी शिकायत पर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी की त्वरित प्रतिक्रिया का स्वागत किया है। चुनाव आयोग कार्य समिति के अध्यक्ष मर्री शशिधर रेड्डी ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयोग के अध्यक्ष से मुलाकात की और मतदाता सूची से बीएलए-1 वी. राजेश का नाम कथित तौर पर हटाए जाने की जांच का आग्रह किया। इस अनुरोध के बाद, अतिरिक्त मुख्य चुनाव आयोग के अध्यक्ष डॉ. ए. वेंकटेश्वर रेड्डी को 29 अगस्त को मौके पर जाकर जांच करने के लिए खम्मम भेजा गया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि राजेश के खिलाफ की गई कार्रवाई उर्दू स्कूल, खम्मम फोर्ट में मतदान केंद्र संख्या 221, 222, 223 और 224 को स्थानांतरित करने की उनकी याचिका से जुड़ी थी, जिसमें उन्होंने संकरी पहुंच सड़क और अपर्याप्त स्थान जैसी कठिनाइयों का हवाला दिया था।

कांस्टेबल के परिवार को 95 लाख रुपये का बीमा चेक

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी आयुक्तालय के 31 वर्षीय सशस्त्र रिजर्व कांस्टेबल कंबाला शंकर के परिवार को गुरुवार को पुलिस महानिदेशक सी. वी. आनंद ने 95 लाख रुपये की बीमा क्षतिपूर्ति का चेक सौंपा।

ड्यूटी पूरी कर मोटरसाइकिल से घर लौटते समय सड़क दुर्घटना में शंकर की मृत्यु हो गई थी। 28 मार्च को वडापर्थी गांव के पास मोटरसाइकिल से लौटते समय उनका वाहन अनियंत्रित हो गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

उन्हें पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और बाद में सिकंदराबाद के यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 31 मार्च को उन्होंने दम तोड़ दिया। परिवार को कुल 95 लाख रुपये की सहायता मिली। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक सी. वी. आनंद के साथ बैंक ऑफ बड़ौदा के महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख एम. वी. एस. सुधाकर ने परिवार को चेक सौंपा।

कार्यक्रम में कल्याण महानिरीक्षक गजराव भूपाल, रक्षा बैंकिंग विभाग के ब्रिगेडियर एस. के. प्रसाद, तेलंगाना दक्षिण के उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रबंधक सी. एच. रवि सहित बैंक के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

यूरिया की कमी को लेकर किसानों का विरोध-प्रदर्शन

मेडक, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को रामायमपेट मंडल के कोनापुर में यूरिया की कम सप्लाई को लेकर मेडक ज़िले में कई जगहों पर किसान सड़कों पर उतर आए। किसानों ने मेडक-सिद्दिपेट रोड पर 'रास्ता-रोको' प्रदर्शन किया, जिससे ट्रैफिक जाम लग गया; क्योंकि वे मोबाइल एप्लिकेशन पर यूरिया की बुकिंग नहीं कर पा रहे थे। किसानों ने मांग की है कि सरकार यूरिया की ऑनलाइन बुकिंग का सिस्टम तुरंत हटाए। किसान शादुल्ला ने स्थानीय खाद की दुकान के मैनेजमेंट पर यूरिया को दूसरे गांवों में भेजने का आरोप लगाया। इसी तरह, किसानों ने चिन्ना शंकरमपेट में भी विरोध-प्रदर्शन किया।

रुद्राभिषेक एवं भजन-कीर्तन सम्पन्न

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पावन श्रावण मास के शुभ अवसर पर 1 ईएमई सेंटर छावनी परिसर स्थित बाबा कोटेश्वर महादेव मंदिर में ब्राह्मण एकता संघ के तत्वावधान में सामूहिक रुद्राभिषेक कर भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया तथा समाज एवं राष्ट्र की सुख-शांति, समृद्धि और सर्वकल्याण के लिए प्रार्थना की।

आयोजन में अध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी, महासचिव लक्ष्मण तिवारी, पंडित विशाल भट्ट, राम प्यारे तिवारी, श्याम बिहारी तिवारी, मोहन पाठक, विनोद कुमार उपाध्याय, एस.पी. मिश्रा, शिशुम तिवारी, श्रीमती संजू त्रिपाठी, श्रीमती अनुपमा त्रिपाठी, श्रीमती प्रेमा पाठक, मनोज त्रिपाठी, के.के. झा एवं धनंजय त्रिपाठी (रिटायर्ड जेसीओ) सहित संघ के अनेक सम्मानित सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

इस धार्मिक आयोजन के अवसर पर ब्राह्मण एकता संघ के अध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी एवं महासचिव लक्ष्मण तिवारी ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज को एकजुट करने, आपसी भाईचारे को मजबूत करने तथा नई पीढ़ी में आध्यात्मिक एवं संस्कारपूर्ण चेतना जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

ओलंपिक खेलों में भागीदारी बढ़ानी होगी : पीएम मोदी

अभी से खिलाड़ी तैयार करें ; खेलो इंडिया डायलॉग में कहा- युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा प्लेग्राउंड चाहिए

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने गुरुवार को 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद किया। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही। ओलंपिक में भारत की भागीदारी बढ़ानी होगी। 2036 ओलंपिक के लिए अभी से खिलाड़ी तैयार करें।

मोदी ने कहा- 15 अगस्त को देश के सामने स्पोर्ट्स विजन रखा। यह सिर्फ मेडल जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित भारत और देश की खेल शक्ति बढ़ाने का अभियान है।

पीएम ने कहा- मैं हमेशा कहता हूं- जो खेले, वो खिले। आज युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए।

नेशनल स्पोर्ट्स डे और मेजर ध्यानचंद पर- 29 अगस्त को नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है। यह महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद करने का दिन है। करीब 100 साल पहले भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड गई थी, जिसमें ध्यानचंद भी शामिल थे। भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को आज और मजबूत किया जा रहा है।

ओलंपिक में नए खेलों पर- देश के हर जिले में खेल प्रतिभाएं हैं। ओलिंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही है, जबकि दूसरे देश मेडल जीत रहे हैं। भारत को नए खेलों में भी आगे बढ़ना होगा। लंबी समुद्री तटरेखा के बावजूद सर्फिंग में भारत अभी पीछे है।

2036 ओलिंपिक्स के लिए अभी से खिलाड़ियों को तैयार करना होगा। 5 साल की उम्र से टैलेंट हंट के जरिए प्रतिभाएं पहचानकर उन्हें ट्रेनिंग दी जाएगी। सरकार खिलाड़ियों को हर जरूरी मदद देगी और उनके साथ आगे बढ़ेगी।

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

खेलो इंडिया संवाद पर- सरकार मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। खेलो इंडिया संवाद में युवा खेल, गवर्नेंस और विकसित भारत पर सुझाव दे सकेंगे। उनके विचार देश को आगे बढ़ाएंगे।

स्पोर्ट्समैन स्पिरिट पर- स्वस्थ समाज और मजबूत परिवार के लिए स्पोर्ट्समैन स्पिरिट जरूरी है। खेल हमें चैंपियन के साथ बेहतर प्रतियोगी बनना सिखाते हैं। पैरा एथलीट्स की सफलता समाज और परिवारों में नई उम्मीद जगाती है।

शीतल और अवनी लेखरा की उपलब्धि पर- शीतल के आर्चरी मेडल और अवनी लेखरा के दो मेडल ने जम्मू-कश्मीर और देश को गौरवान्वित किया। झंडू कुमार समेत कई पैरा एथलीट प्रेरणा दे रहे हैं। फौजा सिंह ने 100 साल की उम्र के बाद भी फिटनेस की मिसाल पेश की।

स्क्रीन से ज्यादा खेल जरूरी- युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए। हर युवा की भागीदारी भारत की ताकत है। नई तकनीक से खेलों में बदलाव आ रहा है और साइकोलॉजी व न्यूट्रिशन जैसे क्षेत्रों में नए करियर बन रहे हैं। पीएम ने युवाओं से नए अवसर अपनाने और खेलों पर नए विचार देने की अपील की।

वहीं, खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि पीएम मोदी ने युवाओं को देश का उज्ज्वल भविष्य बताया है। 12 जनवरी को युवाओं के साथ समय बिताने का असर बजट में भी दिखा, जिसे वित्त मंत्री ने यूथ ड्रिवन बताया।

उन्होने कहा कि आज सबसे बड़ा बदलाव स्टेडियम में नहीं, बल्कि लोगों की सोच में आया है। एक तरफ वे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने तिरंगे को विश्व मंच तक पहुंचाया है। दूसरी तरफ वे खिलाड़ी हैं, जो तिरंगे को पोडियम तक पहुंचाने का सपना देख रहे हैं।

कार्यक्रम खेल मंत्रालय के 'खेलो इंडिया संवाद-खेल की बात, PM के साथ' अभियान के तहत आयोजित किया गया। इसका मकसद युवाओं को भारत की खेल यात्रा से जोड़ना है।

कार्यक्रम में भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा के अलावा मौजूदा और पूर्व खिलाड़ी समेत अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता भी शामिल हुए। इनमें मनिका बत्रा, दीपा करमाकर, साइना नेहवाल, गगन नारंग, श्रीजेश, मैरी कॉम, बाइचुंग भूटिया, पुलेला गोपीचंद, अंजू बॉबी जॉर्ज, कर्णम मल्लेश्वरी और मीराबाई चानू शामिल हैं।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 9 अगस्त को कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मिले थे। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ मुलाकात की रील भी इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। इस बार खिलाड़ियों और युवाओं के साथ संवाद वर्चुअल होगा।

भारत-श्रीलंका कोलंबो टेस्ट ड्रॉ

सोनल दिनूषा ने दोनों पारियों में शतक लगाए, इंडिया 1-0 से सीरीज जीता

कोलंबो, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के श्रीलंका दौरे का दूसरा टेस्ट ड्रॉ हो गया है। इसी के साथ भारतीय टीम ने 2 मैचों की सीरीज को 1-0 से जीत लिया है। उसने पहला मैच 165 रन से जीता था।

कोलंबो इंटरनेशनल स्टेडियम में पहली पारी में 290 पर ऑलआउट होने के बाद श्रीलंका को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। एक समय लग रहा था कि मैच उसके हाथ से निकल गया। लेकिन, सोनल दिनूषा ने दूसरी पारी में नाबाद 133 रन की पारी खेलकर मैच बचाया।

आखिरी दिन का खेल समाप्त होने में 17 ओवर बचे थे। तभी दोनों कप्तानों ने हाथ मिला लिया। इस मौके पर श्रीलंका ने दूसरी पारी में 9 विकेट पर 429 रन बना लिए हैं। उसकी बढ़त 216 रन हो गई थी। भारत ने पहली पारी 503/9 पर घोषित की थी।

भारत के न्यूजीलैंड दौरे के टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री

पहले 48 घंटे में 26 हजार टिकट बिके, पहला टी-20 अक्टूबर 22 से

वेलिंगटन, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के न्यूजीलैंड दौरे के लिए पहले 48 घंटे में 26 हजार टिकट बिक गए हैं। यह न्यूजीलैंड क्रिकेट की प्री-सेल में रिकॉर्ड मांग है। यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा और 1 दिसंबर तक चलेगा। दोनों टीमों के बीच 5 टी-20, 5 वनडे और 2 टेस्ट खेले जाएंगे। भारतीय टीम 2019-20 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज खेलेगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, ऑकलैंड के ईडन पार्क में होने वाले व्हाइट-बॉल मुकाबलों के टिकट सबसे तेजी से बिक रहे हैं। यहां सीरीज का चौथा टी-20 और पहला वनडे खेला जाएगा। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भी टिकटों की भारी मांग है। करीब 9 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इस मैदान पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुरुआती दो टी-20 मैच 22 और 24 अक्टूबर को खेले जाएंगे। इसी मैदान पर दौरे का दूसरा और आखिरी टेस्ट भी खेला जाएगा। यह मुकाबला 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक होगा और इसके टिकटों की बिक्री भी तेजी से हो रही है। वेलिंगटन में होने वाले मुकाबलों के लिए भी शुरुआती बिक्री मजबूत रही है। हेनरी स्टेडियम में सीरीज का तीसरा टी-20 और दूसरा वनडे खेला जाएगा। वहीं, पहला टेस्ट सेलो बेसिन रिजर्व में 19 नवंबर से शुरू होगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट के चीफ मार्केटिंग एंड कमर्शियल ऑफिसर ग्लेन क्रिचली ने कहा कि फैंस ने टिकट जल्दी खरीदने की अपील पर अच्छी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पहले दो दिनों में रिकॉर्ड बिक्री से पता चलता है कि बड़ी संख्या में फैंस ने समय रहते अपनी सीट बुक कर ली है। क्रिचली ने कहा कि न्यूजीलैंड के फैंस के लिए भारत के खिलाफ क्रिकेट मैच का माहौल देखने और दुनिया के बड़े क्रिकेट सितारों को लाइव देखने का यह खास मौका है। एनजेडसी ने इस सीजन टिकटों की कीमत में बढ़ोतरी नहीं की है। बोर्ड के मुताबिक, क्रिकेट नेशन एक्सेस कोड का इस्तेमाल करने पर टिकट 30 न्यूजीलैंड डॉलर से कम में मिल रहा है। फैंस के लिए 'द फोर' और 'द सिक्स' ग्रुप टिकट पैकेज के साथ-साथ अलग-अलग वेन्यू के टिकट बंडल भी उपलब्ध हैं। इनका उद्देश्य ज्यादा दर्शकों को मैच देखने के लिए आकर्षित करना है। क्रिकेट नेशन की मेंबर सेल के बाद आम दर्शकों के लिए टिकटों की बिक्री 7 सितंबर से शुरू होगी। हालांकि, जो फैंस क्रिकेट नेशन के लिए साइन अप करेंगे, उन्हें प्री-सेल में पहले टिकट खरीदने का मौका मिलेगा। उन्हें इस दौरान 15% की छूट भी मिलेगी।

भारत का न्यूजीलैंड दौरा 2026

मैच	तारीख	वेन्यू
पहला टी-20	22 अक्टूबर	हेगले ओवल, क्राइस्टचर्च
दूसरा टी-20	24 अक्टूबर	हेगले ओवल, क्राइस्टचर्च
तीसरा टी-20	27 अक्टूबर	हेनरी स्टेडियम, वेलिंगटन
चौथा टी-20	30 अक्टूबर	ईडन पार्क, ऑकलैंड
पांचवां टी-20	1 नवंबर	सेडन पार्क, हैमिल्टन

सहवाग के बेटे आर्यवीर की अंडर-19 टीम इंडिया में एंट्री

भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए चुने गए; द्रविड़ के बेटे अन्वय भी वनडे टीम में

मुंबई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर को पहली बार भारत की अंडर-19 टीम में चुना गया है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए टीम में जगह मिली है। तीनों मुकाबले सितंबर में राजकोट में खेले जाएंगे। आर्यवीर दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और फिलहाल दिल्ली प्रीमियर लीग में वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से खेल रहे हैं। राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय को भी वनडे टीम में शामिल किया गया है। अन्वय विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। यानी, वनडे टीम में वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ के बेटे एक साथ नजर आएंगे। हालांकि, आर्यवीर और अन्वय दोनों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले दो मल्टी-डे मैचों की टीम में जगह नहीं मिली है।

आर्यवीर सहवाग ने हाल ही में दिल्ली प्रीमियर लीग के 2026 सीजन में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेला है। वे इससे पहले 2024 में कूच बिहार ट्रॉफी में बड़ी पारी खेलकर चर्चा में आए थे। उन्होंने मेघालय के खिलाफ 297 रन बनाए थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया की U-19 टीमों के बीच तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। तीनों मुकाबले राजकोट में होंगे। तीनों मुकाबले सुबह

9 बजे से शुरू होंगे।

वनडे सीरीज के लिए लक्ष्य रायचंदानी को भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है। यशवर्धन चौहान उपकप्तान होंगे। वहीं मल्टी-डे मैचों के लिए दोनों की भूमिकाएं बदल जाएंगी। यशवर्धन कप्तान और लक्ष्य उपकप्तान होंगे। भारत को वनडे सीरीज के बाद दो मल्टी-डे मैच भी खेलने हैं। पहला मुकाबला 27 से 30 सितंबर तक राजकोट में होगा। दूसरा मल्टी-डे मैच 5 से 8 अक्टूबर तक अहमदाबाद के B ग्राउंड पर खेला जाएगा। अन्वय द्रविड़ ने जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भारत की U-19 टीम के लिए 87 रन की पारी खेली थी। उन्होंने इस प्रदर्शन की बदौलत वनडे टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है।

भारत की अंडर-19 वनडे टीम

लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशवर्धन चौहान (उप कप्तान), रजत बघेल, आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनाल चौहान, अन्वय द्रविड़, वी यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उल्वा, चिगुरुपति वेंकट और काव्य पटेल।

दो मल्टी-डे मैचों के लिए भारत टीमः यशवर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उप कप्तान), सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्णा, अभिप्राय बिस्वास, रोहित यादव, ईशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उल्वा और आर्यन यादव शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट में कई ऐसे परिवार रहे हैं, जहां पिता के बाद बेटे ने भी क्रिकेट को करियर बनाया। सुनील गावस्कर और रोहन गावस्करसुनील गावस्कर के बेटे रोहन गावस्कर ने भी भारतीय क्रिकेट में जगह बनाई।

पहली 3 गेंदों पर 3 विकेट

टीएनपीएल में दीबन लिंगेश की ऐतिहासिक हैट्रिक

चेन्नई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। टी20 क्रिकेट में कई गेंदबाजों ने हैट्रिक ली है. हालांकि, किसी भी मैच की पहली तीन गेंदों पर ही तीन विकेट गिरना अपने आप में बड़ी बात होती है. कुछ ऐसा ही तमिलनाडु प्रीमियर लीग 2026 के दौरान देखने को मिला. दरअसल, लायका कोवाई किंग्स और त्रिची ग्रैंड छोलास के बीच क्वालीफायर 2 खेला गया. चेपॉक में हुए इस मैच में दीबन लिंगेश ने कमाल कर दिया और पारी की शुरुआती तीन गेंदों पर ही 3 विकेट झटक लिए.

लायका कोवाई किंग्स और त्रिची ग्रैंड छोलास के बीच मैच खेला गया. कोवाई किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए. जवाब में त्रिची ग्रैंड छोलास की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही. कोवाई किंग्स की ओर से दीबन लिंगेश गेंदबाजी करने आए और उन्होंने पारी की शुरुआती 3 गेंदों पर 3 विकेट झटक लिए.

दीबन ने पहली गेंद पर राजकुमार के. का विकेट झटका. दूसरी गेंद पर बल्लेबाज एस श्याम सुंदर ने स्लिप में मौजूद सचिन बेबी को कैच थमा दिया. लिंगेश का कहर यहां नहीं रुका. उन्होंने इसके बाद तीसरी गेंद पर जगथीसन कौशिक को अपनी शानदार इन-स्विंग गेंद से क्लीन बोल्ड करते हुए पवेलियन का रास्ता दिखा दिया. उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 14 रन खर्च कर 3 विकेट अपने नाम किए.

हॉकी विश्व कपः अपने आखिरी मैच में बेल्जियम का सामना करेगी भारतीय पुरुष टीम, सातवें स्थान के लिए होगा मुकाबला

एम्सटेलवीन, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पांच दशक बाद विश्व कप में पदक जीतने का सपना टूटने के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम आखिरी मैच में जीत के साथ स्वदेश लौटना चाहेगी। शुक्रवार को होने वाले इस मुकाबले में उसके सामने सह मेजबान और मौजूदा प्रो लीग चैंपियन बेल्जियम को उसके मैदान पर हराने की कठिन चुनौती है। नीदरलैंड के एम्सटेलवीन में पहले और दूसरे चरण के मैच खेलने वाली भारतीय टीम पूल ई में चौथे स्थान पर रहने के बाद सातवें/आठवें स्थान का क्लासीफिकेशन मुकाबला खेलने यहां आई है। लेकिन हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम की राह इतनी आसान नहीं है क्योंकि उसके सामने 2018 विश्व कप चैंपियन दुनिया की दूसरे नंबर की टीम है जो टूर्नामेंट शुरू होने से पहले खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही थी। बेल्जियम भी सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर होने

के झटके से उबरकर आखिरी मैच जीतने का पूरा प्रयास करेगी।

अर्जेंटीना के खिलाफ दूसरे दौर के आखिरी मैच में हारकर बाहर हुई भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में धीमी शुरुआत और 60 मिनट तक लय बरकरार नहीं रख पाने के लिए आलोचना झेल रही है। भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद बनाए रखने के लिए अर्जेंटीना को बड़े अंतर से हराना था, लेकिन 39वें सेकेंड में ही गोल गंवाने के बाद बने दबाव से टीम निकल ही नहीं सकी। डिफेंस लगातार चरमराता रहा और फॉरवर्ड पंक्ति में तालमेल का अभाव दिखा, जबकि मिडफील्ड में गैप का पूरा फायदा उठाकर अर्जेंटीना ने 5-3 से जीत दर्ज करके भारत को अंतिम चार की दौड़ से बाहर कर दिया था। भारत ने टूर्नामेंट में 14 गोल किए और 16 गंवाए। विश्व कप में सातवां स्थान हासिल करने के अलावा भारत को अगले महीने होने वाले एशियाई खेलों से पहले मजबूत प्रतिद्वंद्वी को हराकर अपना खोया आत्मविश्वास भी हासिल करना होगा। विश्व कप में निराशा के बाद अब जापान के आइची नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफाई करना ही पिछले दो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता टीम का लक्ष्य होगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 6:15 बजे से शुरू होगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन का मानना है कि बेल्जियम के खिलाफ गलतियों की गुंजाइश नहीं होगी और उनकी टीम को सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा।

कैरेबियन प्रीमियर लीग : टिम साइफर्ट ने शाहरुख की टीम को धोया, 14 चौके-छक्के लगाकर जिताया मैच

खेल डेस्क, 27 अगस्त (एजेंसियां)। टी20 क्रिकेट में टिम साइफर्ट की बेहतरीन फॉर्म जारी है. दाएं हाथ के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने एक बार फिर धमाकेदार शतक ठोक दिया है. कैरेबियन प्रीमियर लीग के 17वें मैच में टिम साइफर्ट ने अजेय शतक ठोक अपनी टीम को जीत दिलाई. सेंट लूसिया के इस ओपनर ने ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स के खिलाफ 61 गेंदों में नाबाद 105 रन बनाए जिसके दम पर उनकी टीम 20 ओवर में 211 रनों तक पहुंची. जवाब में ट्रिनबैगो नाइट राइडर्स की टीम 20 ओवर में 175 रन ही बना सकी और उसे 36 रनों से हार मिली. दिलचस्प बात ये है कि ट्रिनबैगो को सीपीएल में हराने वाले साइफर्ट आईपीएल में शाहरुख खान की टीम के लिए खेलते हैं. मतलब आईपीएल में शाहरुख खान को जिताने वाले खिलाड़ी ने सीपीएल में शाहरुख की टीम को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया.

टिम साइफर्ट ने क्रीज पर उतरते ही अपने तेवर दिखा दिए. इस खिलाड़ी ने अकील हुसैन की दूसरी ही गेंद पर शानदार चौका लगा दिया.इसके बाद डोमिनिक ड्रेक्स के खिलाफ उन्होंने लगातार तीन चौके जड़े. 9वें ओवर में साइफर्ट ने अपना अर्धशतक पूरा कर लिया. अब्दुल रहीम की गेंद पर छक्का लगाकर उन्होंने 28 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी की. अर्धशतक लगाने के बाद साइफर्ट और खतरनाक हो गए. इस खिलाड़ी ने अर्धशतक पूरा करने के बाद 10वें ओवर तक तीन छक्के लगा दिए.

साइफर्ट ने 19वें ओवर में सेंट लूसिया का स्कोर 200 पार पहुंचाया और 58 गेंदों में उन्होंने शतक ठोक दिया. साइफर्ट ने अपनी पारी में कुल 9 चौके और 5 छक्के लगाए. साइफर्ट की अच्छी बात ये रही कि उन्होंने तीन खिलाड़ियों के साथ अर्धशतकीय साझेदारी की. उन्होंने कामिल पूरन के साथ 34 गेंदों में 60 रन जोड़े जॉन कैम्पबल के साथ उन्होंने 38 गेंदों में 75 रनों की साझेदारी की. चरित असालंका के साथ इस खिलाड़ी ने 36 गेंदों में 51 रन जोड़े.

टिम साइफर्ट पिछले दो सालों से कमाल फॉर्म में नजर आ रहे हैं. वो टी20 क्रिकेट में 6 शतक लगा चुके हैं जिसमें से दो शतक तो उन्होंने पिछले दो सालों में लगाए हैं. उनके शतकों का खेल लंका प्रीमियर लीग 2024 से शुरू हुआ था. इसके बाद उन्होंने बिग बैश लीग, पिछले साल कैरेबियन प्रीमियर लीग में शतक लगाया. अब उन्होंने एक बार फिर कैरेबियन प्रीमियर लीग में सेंचुरी लगा दी है.

काइरन पोलार्ड ने 26 गेंदों में मचाया तूफान

सिर्फ 20 दिन में जॉस बटलर को छोड़ा पीछे, फिर बने नंबर 1

टाकारिगुआ (वेस्टइंडीज), 27 अगस्त (एजेंसियां)। काइरन पोलार्ड ने सीपीएल 2026 में सिर्फ 26 गेंदों में तूफानी पारी खेली है. सेंट लुसिया किंग्स के खिलाफ खेले लीग के 17वें मैच में पोलार्ड ने धमाका तो किया ही, उसके साथ जॉस बटलर को भी पीछे छोड़कर फिर से अपना पुराना तमगा हासिल कर लिया है.

काइरन पोलार्ड ने ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए सेंट लुसिया के खिलाफ सिर्फ 26 गेंदों में 250 की स्ट्राइक रेट से रन जड़े. उन्होंने 31 मिनट की बल्लेबाजी में 65 रन जड़े, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल रहे.

सेंट लुसिया किंग्स के खिलाफ खेली इस 65 रन की पारी की बदौलत ही काइरन पोलार्ड के फिर से टी20 में सबसे ज्यादा रन हो गए है.

वो टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में नंबर 1 बन गए हैं. उन्होंने जॉस बटलर को पीछे छोड़ दिया है. जॉस बटलर ने 6 अगस्त को द हंड्रेड के मुकाबले के दौरान काइरन पोलार्ड को पछाड़ा था.

उन्होंने तब पोलार्ड के 746 मैचों में बनाए 14803 रन के रिकॉर्ड को तोड़ा था. बटलर के 526 टी20 मैचों में 14890 रन हैं. लेकिन, 26 अगस्त को सेंट लुसिया किंग्स के खिलाफ मुकाबले में खेली 65 रन की पारी के बाद पोलार्ड फिर से नंबर 1 बन गए हैं. उनके टी20 में अब सबसे ज्यादा 14921 रन हो गए हैं, जो कि उन्होंने 749 मैचों में बनाए हैं.

एशियाई खेल 2026: घोड़ा बीमारी के कारण पायरोप्लाजमोसिस टेस्ट में फेल, भारतीय घुड़सवार आहान पर लटकी तलवार

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। एशियाई खेलों से पहले भारतीय घुड़सवारी टीम मुश्किल में फंस गई है। एशियाई खेलों के दल में शामिल घुड़सवार आहान कुमार का घोड़ा इटली में अनिवार्य बीमारी के टेस्ट में फेल हो गया है। पायरोप्लाजमोसिस नाम के इस टेस्ट में फेल होने पर आहान का घोड़ा एशियाई खेलों में शिरकत नहीं कर सकता है जिसके चलते आहान के एशियाड में खेलने पर तलवार लटक गई है। भारतीय घुड़सवार इस वक्त एशियाई खेलों के लिए यूरोपी में तैयारियां कर रहे हैं। चार से 14 सितंबर आठ सदस्यीय भारतीय टीम को आखन (जर्मनी) में एकत्र होना है। यहां भारतीय दल के घोड़े कोरेंटाइन में भेजे जाएंगे। कोरेंटाइन से पहले आहान के घोड़े का फिर से पायरोप्लाजमोसिस टेस्ट होगा। इस बार भी टेस्ट में फेल होने पर यह तय हो जाएगा कि आहान एशियाई खेलों में शिरकत नहीं कर पाएंगे। हांगझोउ एशियाड में भारत ने ड्रेसाज का स्वर्ण जीता था। ओलंपिक और एशियाई खेलों से पहले घोड़ों का डोप टेस्ट भी होता है और उनका पायरोप्लाजमोसिस टेस्ट कराया जाता है। यह बीमारी टिक्स के जरिये घोड़ों में फैलती है और इससे तेज बुखार आता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि इसे ठीक होने में लंबा समय लगता है। यही कारण है कि आहान का एशियाड में खेलना मुश्किल है। अगर आहान नहीं खेलते हैं तो रिजर्व में शामिल घुड़सवार प्रदीप को शामिल किया जा सकता है, लेकिन बताया जाता है कि वह भी अपने घोड़े से लंबे समय से दूर हैं।

एशियाई खेलों का मेडल जीते बिना घर नहीं जाना

मीराबाई चानू ने खुद को दिया चैलेंज

मणिपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मीराबाई चानू की झोली में ओलंपिक, कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे लगभग हर बड़े खेल आयोजनों के मेडल हैं. सिवाए एशियन गेम्स के. एशियाई देशों के बीच होने वाले इसी इवेंट में उनके हाथ अब तक मेडल से खाली है, जिसे भरने के लिए इस बार उन्होंने अपना इरादा और पक्का किया है. उन्होंने खुद को चैलेंज दिया है कि जब तक एशियन गेम्स में मेडल नहीं जीतेंगी, अपने घर मणिपुर नहीं लौटेंगी. भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने हाल ही में ग्लास्गो में खत्म हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में एक बार फिर से गोल्ड मेडल जीता था. ये CWG में उनका लगातार तीसरा गोल्ड मेडल था. अब कुछ वैसा ही पोडियम फिनिश मीराबाई जापान के आची-नगोया में होने वाले एशियन गेम्स में करने का मन बनाए हैं. 32 साल की मीराबाई ने 19 सितंबर से होने वाले एशियन गेम्स के लिए ट्रेनिंग शुरू कर दी है. ग्लास्गो CWG में गोल्ड जीतने के बाद उन्होंने घर जाने के बजाए मोदीनगर का रुख किया. जहां उनकी ट्रेनिंग जारी है. उन्होंने ठान लिया है कि अब वो अपने घर मणिपुर, एशियन गेम्स के मेडल के साथ ही जाएंगी. मीराबाई चानू के लिए अभी उनके कोच विजय शर्मा और अमेरिका के

उनके स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच डॉक्टर आरोन ही परिवार की तरह हैं, जो वीडियो कॉल पर हर गुरुवार को मीराबाई से बात कर उनकी ट्रेनिंग का जायजा लेते हैं. माराबाई के मुताबिक डॉक्टर आरोन खुद भी वेटलिफ्टर रहे हैं. ऐसे में वो चीजों को अच्छे से समझते हैं और बेहतर रिव्यू देते हैं. मीराबाई चानू 2023 के एशियन गेम्स में चौथे नंबर पर रही थीं. वहीं उससे पहले इंडोनेशिया के जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में वो बैक इंजरी के चलते नहीं उतर सकी थीं. मगर इस बार मीराबाई एशियन गेम्स में खुद की कामयाबी का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहतीं.

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मीर आलम टैंक का निरीक्षण किया

विश्व स्तरीय पर्यावरण पर्यटन केंद्र के विकास में तेजी लाने के आदेश

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने प्रसिद्ध मीर आलम टैंक के कायाकल्प के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस एक बड़ी योजना बनाई है, जिसका उद्देश्य इस ऐतिहासिक स्थल को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन केंद्रों में से एक के रूप में बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत, तालाब को एक प्रमुख पर्यटन और मनोरंजन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए नई सुविधाओं का विकास किया जा रहा है, ताकि यहां आने वाले परिवार प्रकृति, मनोरंजन और विश्राम का आनंद लेते हुए दिन बिता सकें।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को मीर आलम टैंक का अचानक निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने टैंक के आसपास चल रहे कार्यों और टैंक पर बने प्रतिष्ठित झूलते पुल के निर्माण की प्रगति का जायजा लिया। अधिकारियों ने फोटो प्रस्तुति के माध्यम से मुख्यमंत्री को परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों से विभिन्न कार्यों की स्थिति के बारे में पूछताछ की और उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर परियोजना पूरी करने का निर्देश दिया। मूसी पुनर्जीवन विकास निगम लिमिटेड ने मीर आलम टैंक पर कार्यों का जिम्मा लिया है, जहां तीन प्रमुख पहलुओं पर काम चल रहा है – टैंक का जीर्णोद्धार, द्वीपों सहित आसपास के क्षेत्रों का विकास और प्रतिष्ठित पुल का निर्माण। इस दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मीर आलम टैंक में सीवेज के प्रवाह को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का निर्देश दिया और झील से मूसी नदी में बाढ़ के पानी के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए नालों को चौड़ा करने का सुझाव दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि झील के पुनरुद्धार के साथ-साथ जल की गुणवत्ता में सुधार पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को मीर आलम झील में जल क्रीड़ाओं को शुरू करने के लिए विकास योजनाएँ बनाने का निर्देश दिया।

बैठक में आवश्यक तकनीकी, पर्यावरणीय और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए नौका विहार, जल क्रीड़ा और साहसिक गतिविधियों की संभावनाओं का पता लगाने पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि मीर आलम तालाब को कई पहलों के माध्यम से परिवारों और युवाओं दोनों के लिए एक आकर्षक मनोरंजन केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने झील के आसपास फूड कोर्ट, हरे-भरे पार्क, विश्राम क्षेत्र, पारिवारिक मनोरंजन सुविधाएं स्थापित करने और बच्चों के लिए विशेष खेल के मैदान और गतिविधि केंद्र विकसित करने का भी प्रस्ताव रखा। योजनाओं में पैदल चलने वालों के लिए सुगम रास्ते और सार्वजनिक स्थान बनाना, साथ ही सुगम पहुंच और कनेक्टिविटी में सुधार करना भी शामिल था। रेवंत रेड्डी ने मीर आलम झील के भीतर स्थित द्वीपों के विकास की योजना की समीक्षा की, और इस क्षेत्र का उपयोग प्रकृति-आधारित विश्राम केंद्रों, ग्लैम्पिंग (लक्जरी कैंपिंग) और अन्य पर्यटन गतिविधियों के लिए करने की संभावनाओं का पता लगाया। अधिकारियों को शादी और अन्य कार्यक्रमों के लिए स्थल निर्धारित करने की योजना तैयार करने का आदेश दिया गया था। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मीर आलम तालाब के विकास को पास के नेहरू चिड़ियाघर के साथ एकीकृत करने का निर्देश दिया। इस परियोजना का उद्देश्य एक एकीकृत पर्यटन अनुभव प्रदान करना है जिसमें चिड़ियाघर की यात्रा के साथ-साथ प्रकृति, झील की मनोरम सुंदरता और पारिवारिक मनोरंजन का संगम हो।

तालाब के जीर्णोद्धार और उसके आसपास के क्षेत्रों और द्वीपों के विकास से संबंधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है। मीर आलम टैंक पर बने प्रतिष्ठित पुल का निर्माण कार्य भी तेज़ी से चल रहा है। 27 अगस्त, 2026 तक पूरा होने वाले 544 खंभों में से 273 पूरे हो चुके हैं, जो 50.18% की पूर्णता दर दर्शाता है। खंभों के ऊपरी भाग पर 45.16% की प्रगति दर्ज की गई है, जिनमें से 62 में से 28 पूरे हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त, अब तक 62 खंभों के ऊपरी भागों में से छह पूरे हो चुके हैं। कार्यों के निरीक्षण के दौरान, रेवंत रेड्डी ने हवाई अड्डे के पास स्थित मीर आलम टैंक को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का सुझाव दिया। उन्होंने आगे कहा कि सरकार का उद्देश्य मीर आलम टैंक को एक नई पहचान देना है, जिसके लिए वह इसकी ऐतिहासिक झील, हरे-भरे वातावरण, नेहरू चिड़ियाघर पार्क की निकटता, द्वीपों, जल क्रीड़ाओं, पारिवारिक मनोरंजन विकल्पों, भोजनालयों और एक प्रतिष्ठित झूलते पुल को प्रमुखता से प्रदर्शित करेगी।

हर घर में पौधे लगाने की संस्कृति बढ़ाएं : तुम्मला

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने हर घर में पौधे लगाने की संस्कृति को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि बढ़ते शहरी तनाव और प्रदूषण के बीच हरित वातावरण विकसित करने में सभी को भागीदार बनना चाहिए। मंत्री ने गुरुवार को हैदराबाद स्थित आईमैक्स थिएटर के पास एचएमडीए मैदान में 20वें ग्रैंड नर्सरी मेले का उद्घाटन किया। पांच दिवसीय यह अखिल भारतीय उद्यान एवं कृषि प्रदर्शनी 27 से 31 अगस्त तक आयोजित की जा रही है। मेले में 110 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जहां देश के विभिन्न हिस्सों से लाए गए फूलों, औषधीय, सजावटी और बोनसाई पौधों के साथ छत, ऊर्ध्वाधर और जल आधारित बागवानी के लिए आवश्यक पौधे उपलब्ध हैं। तुम्मला ने बताया कि मेले में 20 रुपये से लेकर 2.5 लाख रुपये तक के पौधे मिल रहे हैं। जैविक खाद, उर्वरक और मिट्टी के गमले भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि पौधे घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ स्वस्थ वातावरण देते हैं और तनाव कम करने में सहायक हैं। उन्होंने लोगों से मेले का लाभ उठाकर घरों को हरियाली से भरने का आग्रह किया।

'बड़े सपने देखो, कड़ी मेहनत करो': किशन रेड्डी ने खेलो इंडिया संवाद में युवाओं से कहा

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने गुरुवार को हैदराबाद के इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज यूनिवर्सिटी (ईएफएलयू) में खेलो इंडिया डायलॉग – खेल की बात पीएम के साथ को संबोधित करते हुए भारत के युवाओं से देश की खेल संबंधी महत्वाकांक्षाओं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राष्ट्रव्यापी संवाद को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने आधुनिक खेल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण और भारत के युवाओं को 2036 ओलंपिक खेलों के लिए तैयार करने पर जोर दिया। इस संवाद में देश भर के 1,500 से अधिक शिक्षण संस्थानों ने भाग लिया। किशन रेड्डी ने कहा कि हर बच्चे को खेलने का अवसर मिलना चाहिए और हर प्रतिभाशाली खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक सहयोग मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि खेल को अब केवल पाठ्येतर गतिविधि के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि यह युवा विकास, स्वास्थ्य, अनुशासन, रोजगार और राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण साधन बन गया है। भारत की हालिया खेल उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने टोक्यो 2020 में नीरज चोपड़ा के ऐतिहासिक ओलंपिक स्वर्ण पदक, टोक्यो में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कांस्य पदक और पेरिस ओलंपिक 2024 में मनु भाकर के दो कांस्य पदकों का उल्लेख किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत को इन उपलब्धियों को आगे बढ़ाते हुए स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, अकादमियों, खेल के मैदानों और खेलो इंडिया केंद्रों से ही 2036 के ओलंपिक की तैयारी शुरू करनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ओलंपिक प्रतिभा गांवों, कस्बों और देश के हर हिस्से से उभर सकती है, और छात्रों से बड़े सपने देखने, कड़ी मेहनत करने, अनुशासित रहने और खुद पर विश्वास रखने का आग्रह किया। किशन रेड्डी ने ईएफएलयू जैसे विश्वविद्यालयों की भूमिका पर भी जोर दिया, जो छात्रों को शिक्षा और खेल दोनों को एक साथ आगे बढ़ाने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि खेल अनुशासन, टीम वर्क, नेतृत्व, दृढ़ता, आत्मविश्वास और निष्पक्ष खेल जैसे गुणों को विकसित करते हैं – जो एक मजबूत और विकसित भारत के निर्माण के लिए आवश्यक हैं। ईएफएलयू के कुलपति प्रोफेसर एन नागराजू, रजिस्ट्रार सिनी मनचला, पीआईबी एडीजी श्रुति पाटिल, एथलीट जे जे शोभा, बैडमिंटन खिलाड़ी श्रियांशी वलीशेट्टी और युवा कनेक्ट मॉडरेटर श्रीजा जाधव उपस्थित थे।

बीआरएओयू अपने 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर लोकतांत्रिक शिक्षा पर व्याख्यान देगा

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बीआरएओयू) अपना 45वां स्थापना दिवस शुक्रवार, 28 अगस्त को विश्वविद्यालय परिसर में स्थित सीएसटीडी भवन के डॉ. सी. नारायण रेड्डी सभागार में मनाएगा। कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया , नई दिल्ली के निदेशक डॉ. बी. शैड्रैक अतिथि वक्ता होंगे और सुबह 11 बजे बीआरएओयू और लोकतांत्रिक शिक्षा का वादा" विषय पर स्थापना दिवस व्याख्यान देंगे। बीआरएओयू के कुलपति प्रोफेसर घंटा चक्रपाणि मुख्य अतिथि होंगे, जबकि निदेशक (शैक्षणिक) प्रोफेसर जी. पुष्पा चक्रपाणि समारोह की अध्यक्षता करेंगी। रजिस्ट्रार डॉ. एल. विजया कृष्णा रेड्डी, विश्वविद्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। इन समारोहों में उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने और खुली एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से लोकतांत्रिक शिक्षा की अवधारणा को बढ़ावा देने में बीआरएओयू के योगदान को उजागर किया जाएगा।

जाति जनगणना के मुद्दे पर टीजीएस ने खरगे और राहुल को धन्यवाद दिया

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना गंगापुत्र संगम ने कांग्रेस नेताओं मल्लिकार्जुन खर्गे और राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर आम जनगणना में वैज्ञानिक और व्यापक जाति जनगणना की आवश्यकता पर जोर देने के लिए धन्यवाद दिया है। यहां एक बयान में, टीजीएस के राज्य सचिव तंगुटुरी राजेश खन्ना ने कहा कि ओबीसी की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्थिति को समझने के लिए जाति जनगणना आवश्यक है। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि वह तेलंगाना और बिहार राज्यों द्वारा अपनाई गई जाति-आधारित जनगणना नीति पर विचार करे ताकि देश के सभी पिछड़े वर्गों को न्याय मिल सके।

राज्यपाल ने रक्षा बंधन के अवसर पर शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने रक्षा बंधन के शुभ अवसर पर तेलंगाना के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। गुरुवार को एक बयान में राज्यपाल ने कहा कि रक्षा बंधन भाई-बहनों के बीच प्रेम, स्नेह, विश्वास और एकजुटता के पवित्र बंधन का उत्सव है। उन्होंने कहा कि राखी न केवल सुरक्षा का प्रतीक है, बल्कि आपसी सम्मान, देखभाल और अटूट समर्थन का भी प्रतीक है। राज्यपाल ने कामना व्यक्त की कि यह त्योहार प्रत्येक परिवार में सुख, शांति, समृद्धि और सद्भाव लाए तथा समाज में प्रेम और एकजुटता की भावना को मजबूत करे।

भाजपा प्रमुख ने शिक्षा संकट को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला, जमीन हड़पने की साजिश का आरोप लगाया

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने गुरुवार को कांग्रेस सरकार पर राज्य की शिक्षा व्यवस्था को जानबूझकर कमजोर करने का आरोप लगाया और कहा कि शैक्षणिक संस्थानों से संबंधित प्रमुख जमीनों को रियल एस्टेट विकास के लिए निशाना बनाया जा रहा है।

राव, जिन्हें रामंतापुर के सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज के छात्रों से मिलने की तैयारी करते समय पुलिस द्वारा नजरबंद कर दिया गया था, ने इस कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे कायरतापूर्ण बताया और कहा कि गिरफ्तारी और निवारक उपायों के बावजूद छात्र अधिकारों के लिए भाजपा का संघर्ष जारी रहेगा। तारनाका स्थित अपने आवास पर मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि छात्रों ने उन्हें अपनी शिकायतें सुनने के लिए आमंत्रित किया था, विशेष रूप से जीओ 97 को लेकर, जिसके बारे में उनका दावा था कि यह पॉलिटेक्निक छात्रों के भविष्य के लिए खतरा है। उन्होंने इसे तत्काल वापस लेने की मांग की और आरोप लगाया कि तकनीकी शिक्षा में प्रस्तावित बदलाव पॉलिटेक्निक प्रणाली को कमजोर कर सकते हैं और ईसीईटी से जुड़े अवसरों को प्रभावित कर सकते हैं। राव ने बीआरएस और कांग्रेस की लगातार सरकारों पर उच्च शिक्षा की उपेक्षा करने का आरोप लगाया और दावा किया कि 13 राज्य विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की भर्ती वर्षों से ठप पड़ी है।

उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय को दी जाने वाली 1,000 करोड़ रुपये की सहायता राशि के जारी न होने पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति में देरी हो रही है। राव ने आरोप लगाया कि रामंथपुर, मसाब टैंक, महबूबनगर और नालगोंडा सहित कई क्षेत्रों में मूल्यवान सरकारी शैक्षणिक भूमि पर रियल एस्टेट हितों की नजर है, और उन्होंने मांग की कि सरकार संस्थागत संपत्तियों की रक्षा करे और सार्वजनिक शिक्षा को मजबूत करे। उन्होंने छात्रों के मुद्दों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के "दोहरे रुख" की भी आलोचना की और उनसे तेलंगाना का दौरा करने और छात्रों की शिकायतों का समाधान करने का आग्रह किया। राव ने छात्र आंदोलनों के लिए भाजपा के समर्थन को दोहराया और तेलंगाना में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू करने की मांग की। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष कल्याण नाइक, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष गणेश कुंडे, एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि नाइक और अन्य नेता प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित थे।

सिटी कॉलेज में छत का स्लैब गिरा

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शहर का ऐतिहासिक सरकारी सिटी कॉलेज का एक कॉरिडोर की छत का स्लैब गिरने से इस कालेज के पूर्व छात्र रहे आंध्र प्रदेश सरकार के 'न्यूनतम वेतन सलाहकार बोर्ड' के पूर्व चेयरमैन और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ठाकुर हृदयनाथ सिंह ने कालेज का निरीक्षण किया। उन्होंने इस घटना में 105 साल पुरानी हेरिटेज बिल्डिंग के क्षतिग्रस्त स्लैब की हालत की ओर शासन व प्रशासन का ध्यान खींचा है। कॉलेज में लगभग 6000 छात्र पढ़ते हैं, लेकिन इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना के समय प्रभावित जगह पर कोई छात्र मौजूद नहीं था। घटना की जानकारी मिलने के बाद सिटी कॉलेज छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष रह चुके ठाकुर हृदयनाथ सिंह ने कॉलेज का निरीक्षण किया। उन्होंने तुरंत मरम्मत, क्षतिग्रस्त स्लैब को बदलने और सुरक्षा के अन्य उपाय करने की मांग की है।

राखी का स्टॉल लगाते समय व्यापारी की करंट लगने से मौत

मेडक, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राखी का त्योहार हर साल मौसमी व्यापारियों के लिए राखियां बेचने और कुछ कमाई करने का मौका लेकर आता है। हालांकि, गुरुवार को मेडक शहर के सुभाष नगर में सड़क किनारे शेड बनाते समय एक युवा व्यापारी की दुखद मौत हो गई। मृतक कोथाला नरेश (19) एक रॉड लगा रहा था, तभी वह ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार के संपर्क में आ गया। गंभीर रूप से झुलसने के कारण नरेश की मौके पर ही मौत हो गई।

एनएच-65 पर 17 ब्लैक स्पॉट के फ्लाईओवर जल्द पूरे हों : कोमटिरेड्डी

मंत्री ने हाल में कोदाड में हुई बस दुर्घटना की जानकारी ली

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग-65 पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए सड़क एवं भवन तथा सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने अधिकारियों को 17 ब्लैक स्पॉट पर निर्माणाधीन फ्लाईओवरों का काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि चिट्याल फ्लाईओवर को दशहरा तक और शेष फ्लाईओवरों को दिसंबर के अंत तक यातायात के लिए उपलब्ध कराया जाए, ताकि संक्रांति तक इन पर वाहनों की आवाजाही शुरू हो सके। डॉ. बी.आर. अंबेडकर राज्य सचिवालय में गुरुवार को सड़क एवं भवन विभाग के अंतर्गत विभिन्न सड़कों और राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए मंत्री ने हाल में कोदाड में हुई बस दुर्घटना सहित अन्य हादसों की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि 17 चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर बन रहे लगभग सभी फ्लाईओवर अंतिम चरण में हैं। पेद्दाकापर्थी फ्लाईओवर पर पहले ही यातायात शुरू हो चुका है, जबकि सूर्यापेट स्थित ईनाडु कार्यालय के पास फ्लाईओवर यातायात के लिए तैयार है। मंत्री ने कुछ स्थानों पर सड़क किनारे रेलिंग नहीं होने की खबरों पर भी अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को मवेशियों और अन्य पशुओं को सड़क पर आने से रोकने के लिए रेलिंग लगाने तथा सड़क सुरक्षा के आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लगातार हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हैदराबाद-विजयवाड़ा मार्ग के विस्तार का काम शीघ्र शुरू करना जरूरी है। छह लेन प्लस दो लेन विस्तार के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से पहले भी कई बार मुलाकात की जा चुकी है। वेंकट रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना का विकास सरकार का मुख्य लक्ष्य है और इसके लिए कोई संकोच नहीं किया जाएगा।

राज्य से प्रतिनिधित्व करने वाले केंद्रीय मंत्रियों के साथ एक बार फिर नितिन गडकरी से मुलाकात की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर प्रधानमंत्री से भी आग्रह किया जाएगा। उन्होंने एनएच-65 विस्तार के साथ अन्य राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं तथा बुलेट ट्रेन से संबंधित कार्यों को भी शीघ्र आगे बढ़ाने की मांग करने की बात कही। समीक्षा बैठक में आरएंडबी के ईएनसी लिंगारेड्डी, मुख्य अभियंता वसंत नायक, धर्मारेड्डी तथा राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारी उपस्थित रहे।

मक्थल स्टेडियम के पास महिला के साथ रेप और मारपीट

नारायणपेट, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार तड़के मक्थल में मिनी-स्टेडियम के मैदान के पास सो रही एक महिला के साथ कुछ अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर रेप किया और बेरहमी से मारपीट की। सुबह टहलने निकले लोगों को महिला बेहोश हालत में मिली और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे इलाज के लिए मक्थल सरकारी अस्पताल ले गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, महिला अपने 12 साल के बेटे के साथ रहती थी और भीख मांगकर गुजारा करती थी। मां-बेटे मक्थल में सरकारी जूनियर कॉलेज के पास शरण लेते थे।

रिपोर्टों के अनुसार, पुलिस को शक है कि दो अज्ञात लोगों ने महिला पर तब हमला किया जब वह और उसका बेटा सो रहे थे। जब वह चिल्लाई, तो उसका बेटा जाग गया और बीच-बचाव करने की कोशिश की। हमलावरों ने कथित तौर पर उस पर भी हमला किया, जिससे डरा हुआ लड़का मौके से भाग गया। इसके बाद आरोपियों ने कथित तौर पर महिला के साथ रेप किया और मारपीट की। बाद में सुबह टहलने निकले लोगों को महिला स्टेडियम के मैदान के पास खून से लथपथ हालत में मिली और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

स्थानीय निवासियों ने रात के समय सरकारी जूनियर कॉलेज और मिनी-स्टेडियम के आसपास असामाजिक गतिविधियों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने महिलाओं और बेघर लोगों की सुरक्षा पर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि अंधेरा होने के बाद शराब के नशे में धुत लोग इलाके में घूमते हैं।

एसीबी के ट्रैप से पुलिस में भ्रष्टाचार की जांच शुरू

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हाल के महीनों में पूरे राज्य में पुलिसकर्मियों के खिलाफ एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के कई ट्रैप ने वर्दीधारी बल के भीतर रिश्वतखोरी के आरोपों पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें कॉन्स्टेबल और सब-इंस्पेक्टर से लेकर इंस्पेक्टर रैंक तक के अधिकारियों को अलग-अलग मामलों में पकड़ा गया है या उन पर केस दर्ज किया गया है। चंदनगर पुलिस स्टेशन के हालिया मामले में, एक सब-इंस्पेक्टर और एक कॉन्स्टेबल को कथित तौर पर 75,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। दोनों ने कथित तौर पर एक आपराधिक मामले की जांच और चार्जशीट दाखिल करने के सिलसिले में एक शिकायतकर्ता से पैसे की मांग की थी।

चंदनगर का यह मामला इस साल शहर में हुई ऐसी ही कई घटनाओं के बाद सामने आया है। इससे पहले मई में, बोवेनपल्ली के एक सब-इंस्पेक्टर और एक कॉन्स्टेबल को एक आपराधिक मामले में ज़मानत की शर्तों में ढील देने और अनुकूल पुलिस सहायता प्रदान करने के बदले रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मार्च में, मल्कजगिरी कमिश्नरेट के साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में काम करने वाले दो आर्म्ड रिज़र्व एसआई को साइबर धोखाधड़ी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने के बजाय नोटिस जारी करने के बदले रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। यह सिलसिला हैदराबाद से आगे भी बढ़ा है, जिसमें विकाराबाद और वारंगल जिलों में भी अधिकारियों को रिश्वतखोरी के आरोप में पकड़ा गया है। बार-बार हो रही ये घटनाएं बताती हैं कि कथित भ्रष्टाचार किसी खास रैंक या पुलिसिंग यूनिट तक सीमित नहीं है; कई मामलों में आम बात यह है कि पैसे ऐंठने के लिए जांच, गिरफ्तारी, ज़मानत से जुड़ी प्रक्रियाओं और मामलों के निपटारे में अपने विवेक से लिए जाने वाले फैसलों का इस्तेमाल किया जाता है। डीजीपी सीवी आनंद ने चेतावनी दी थी कि भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कहा था कि रिश्वत मांगने या लेने वाले कर्मियों के खिलाफ सख्त कानूनी और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल में फंसे 23 तेलंगानावासियों की पहचान : मंत्री पोंगुलेटी

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नेपाल में आई अचानक बाढ़ और बाढ़ की तेज धाराओं के मद्देनजर वहां मौजूद तेलंगाना के पर्यटकों, तीर्थयात्रियों और अन्य नागरिकों की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार ने विशेष कदम उठाए हैं। राज्य के राजस्व, आवास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि परिजनों और निकट संबंधियों से मिली जानकारी के आधार पर नेपाल में फंसे 23 तेलंगानावासियों की प्राथमिक रूप से पहचान की गई है।

इन सभी के विवरण केंद्र सरकार को भेज दिए गए हैं। मंत्री ने कहा कि फंसे लोगों की वर्तमान स्थिति और उनके ठिकाने का पता लगाने तथा आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए केंद्र के विदेश मंत्रालय, काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास और नेपाल के अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में विशेष सहायता केंद्र और समन्वय केंद्र स्थापित किया गया है। वहीं, हैदराबाद स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में सामान्य प्रशासन विभाग के प्रवासी भारतीय प्रकोष्ठ के तहत विशेष नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। यहां प्रभावित परिवारों से जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय किया जा रहा है। गुरुवार को आपदा प्रबंधन अधिकारियों के साथ दूरभाष सम्मेलन कर नेपाल की स्थिति और वहां संभावित रूप से मौजूद तेलंगानावासियों की संख्या की समीक्षा भी की गई। पोंगुलेटी ने कहा कि यदि कोई अन्य तेलंगानावासी नेपाल में फंसा है तो उसके परिवारजन तत्काल सरकार को सूचना दें।

प्रभावित व्यक्ति का नाम, पासपोर्ट विवरण, मोबाइल नंबर, नेपाल में अंतिम ठहरने का स्थान, यात्रा या पर्यटन संचालक का विवरण तथा परिवार के संपर्क नंबर उपलब्ध कराने पर आवश्यक सहायता के लिए संबंधित अधिकारियों से समन्वय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तेलंगाना भवन सहायता केंद्र में 9871999044, 9949351270, 9618597969 और सचिवालय नियंत्रण कक्ष में एस. लक्ष्मीनारायण–9885371189, के. श्रीनिवास रेड्डी, 7997959754, ई. चिट्टिबाबू, 9440854433 इन नंबरों पर काल कर जानकारी ली सकती है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.